राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 271
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 13 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 केजरीवाल सरकार ने इस वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए तय किया 35.38 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य : गोपाल राय

पेज 5 पीएम सम्मान निधि के तहत किसानों के खाते में पहुंचे 42 हजार 565 करोड़ : शाही

पेज 7 पाकिस्तान को आर्थिक बदहाली से निकालने के लिए शहबाज शरीफ ने लिया बड़ा फैसला

गुजरात में फिर भड़का दंगा

हिम्मतनगर में दंगाई घरों पर पेट्रोल बम फेंक रहे, पुलिस मदद नहीं कर रही

हिम्मतनगर। 10 अप्रैल को रामनवमी पर गुजरात के तीन जिलों हिम्मतनगर, खंभात और द्वारका में दो समुदाय के बीच दंगे हुए थे। दंगे के बाद तीनों जिलों में धारा 144 लगा दी गई थी, लेकिन सोमवार की देर रात फिर से हिम्मतनगर के वंजारावास इलाके में दंगा भड़क उठा। दंगाई दूसरे समुदाय के लोगों के घरों को निशाना बना रहे हैं।

इससे पहले पुलिस ने शांति समिति की बैठक करके दोनों समुदायों से शांति की अपील की थी। हालांकि इसके बाद भी दंगाइयों ने एक खास समुदाय के लोगों के घरों में पेट्रोल बम और पत्थर फेंके, नतीजा दर्जनों परिवार अपनी जान बचाने के लिए पलायन करने को मजबूर हैं। पुलिस भी मदद नहीं कर रही।

सोमवार देर रात बमों से हुआ हमला

वंजारावास इलाके के लोगों का कहना है कि पुलिस ने उन्हें घर से बाहर न निकलने की हिदायत दी थी, लेकिन सोमवार देर रात उनकी बस्ती पर हमला हुआ।

घरों में तोड़फोड़ की गई और सामान भी चोरी कर लिया गया। रात में चांदनगर और हसननगर के लोगों ने उन पर हमला किया था। दंगाइयों ने उनके घरों पर पेट्रोल-बम फेंके, जिससे दो घरों में आग भी लग गई थी। पुलिस टीम के पहुंचने तक हमलावर फरार हो गए थे।

पुलिस बंदोबस्त के बावजूद बस्ती पर हुआ हमला

हिम्मतनगर में रामनवमी के जुलूस पर पथराव के बाद गृह विभाग और पुलिस एक्शन में आए। पुलिस, आरएएफ और एसआरपी की तैनाती कर दी गई थी।

स्थिति की जांच करने और दंगे रोकने के लिए जिला पुलिस प्रमुख और कलेक्टर की अध्यक्षता में सोमवार शाम को शांति समिति की बैठक भी हुई थी, लेकिन शांति समिति की बैठक के पांच घंटे बाद ही देर रात हिम्मतनगर के वंजारावास में हमला हो गया।

गृह राज्यमंत्री मौके पर पहुंचे

बस्ती में रहने वाले राहुल सिंह राजपूत ने बताया कि अब तक करीब 50 परिवार बस्ती छोड़कर जा चुके हैं। पलायन की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों के साथ गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी वंजारावास पहुंचे और लोगों से उनकी सुरक्षा का वादा किया। फिलहाल इलाके में पुलिस के कड़े बंदोबस्त कर दिए गए हैं। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साधनों से उन लोगों की तलाश की जा रही है, जिन्होंने रात में बस्ती पर हमला किया था। अब तक करीब 15 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है।

जुलूस के दौरान हुआ था पथराव

साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर कस्बे में रामनवमी के दिन शोभायात्रा निकाली गई थी। इसी दौरान हसननगर दरगाह के पास जुलूस में लाउडस्पीकर बजाने को लेकर दोनों पक्षों में बहस हो गई थी। बहस आगे बढ़ते हुई हिंसा में तब्दील हो गई और दोनों समुदायों के लोगों में पथराव और मारपीट होने लगी। बाद में गाड़ियां और दुकानें भी जला दी गईं। इस घटना में दस से ज्यादा पुलिस वाले भी घायल हुए थे।

सीपीए भारत क्षेत्र सम्मेलन

लोकसभा अध्यक्ष, ओम बिरला गुवाहाटी में असम विधान सभा में 8वें सीपीए भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए।

तिपहिया वाहन चालक दिल्ली में 18 अप्रैल को करेंगे चक्का जाम

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल महंगे ईंधन के कारण परेशान तिपहिया वाहन चालकों से बात करने को तैयार नहीं हैं इसलिए दिल्ली के तिपहिया चालक 18 अप्रैल को राष्ट्रीय राजधानी में चक्का जाम करेंगे। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी ने आटो चालकों से बातचीत की है। महंगी सीएनजी, डीजल तथा पेट्रोल के कारण आटो चालकों का जीवन दूभर हो गया है। दिल्ली के आटो चालक अपनी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से बात करना चाहते हैं लेकिन कई महीनों से प्रयास के बावजूद उन्हें समय नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल जिन आटो चालकों की बदौलत सीएम की कुर्सी तक पहुंचे है वह उन्हीं को धोखा दे रहे हैं और गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के आटो चालकों में मुख्यमंत्री के रवैये को लेकर बहुत नाराजगी है और आटो वाहन चालकों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो वे 18 अप्रैल को राष्ट्रीय राजधानी में चक्का जाम करेंगे।

डॉ कुमार ने कहा, दिल्ली ऑटो तिपहिया संघ से जुड़े लोगों से बातचीत करने के बाद इस बात का मलाल है कि श्री केजरीवाल ने उनके नाम का सहारा लेकर अपनी राजनीति चमकाई, फ्री के प्रचार का फायदा उठाया और अब ये लोग उनसे मिलने का टाइम लेना चाहते हैं तो वह उन्हें समय नहीं दे रहे हैं।

विधानपरिषद में भाजपा को 33 सीटें, सपा शून्य पर सिमटी

वाराणसी में भाजपा की जमानत जब्त, बाहुबली बृजेश की पत्नी जीतीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एमएलसी चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। भाजपा को विधान परिषद में स्पष्ट बहुमत मिला है। बता दें कि 36 सीटों में से 9 पर भाजपा ने पहले ही निर्विरोध जीत हासिल कर ली थी। 9 अप्रैल को 27 सीटों के लिए हुए मतदान के बाद आए नतीजों में भाजपा ने 33 सीटों पर जीत हासिल की है, 2 सीटें निर्दलीय प्रत्याशियों के हिस्से गई हैं, वहीं एक सीट पर जनसत्ता दल को जीत मिली है। इस चुनाव में मुख्य विपक्षी दल सपा का सूपड़ा साफ हो गया है। वहीं, बसपा और कांग्रेस ने इस चुनाव में प्रत्याशी ही नहीं उतारे थे।

वाराणसी में भाजपा की करारी हार

वाराणसी सीट पर बाहुबली बृजेश सिंह की पत्नी अन्नपूर्णा देवी ने बीजेपी के सुदामा पटेल को चुनाव हरा दिया है। सुदामा पटेल यहां तीसरे नंबर पर आए हैं। बृजेश सिंह इस समय जेल में हैं। 10 अप्रैल को हुए मतदान के लिए एमएलसी चुनाव के 58 जिलों में 739 बूथ बनाए गए थे, जिसमें एक लाख 20 हजार 657 मतदाताओं ने वोट डाले थे। इस चुनाव में सांसद, विधायक, सभी प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य और अध्यक्ष के साथ नगर निगम के पार्षद, मेयर, नगर पंचायतों के सदस्य और अध्यक्षों ने मतदान किया। फिलहाल 100 सदस्यीय विधान परिषद में उसके 37 सदस्य हैं। एमएलसी चुनावों में आमतौर पर देखा गया है कि सत्ता में बैठे पार्टी को इसका फायदा मिलता है। साल 2017 में भाजपा की 15 साल बाद सत्ता में वापसी हुई, लेकिन पांच साल सत्ता में रहने के बाद भी उसे विधान परिषद में बहुमत नहीं मिल सका। इससे पहले भी भाजपा राज्य में सत्ता में रही, लेकिन उच्च सदन में कभी बहुमत का आंकड़ा हासिल नहीं कर पाई।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भारी मात्रा में सोयाबीन और सरसों बरामद

नयी दिल्ली। मध्य प्रदेश के थोक और बड़े व्यवसायियों के यहां से बड़े पैमाने पर सोयाबीन और सरसों बरामद किये गये हैं तथा राज्य सरकार से इनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालय के सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि मध्य प्रदेश के गुना , देवास और शाजापुर जिलों में निर्धारित भंडारण क्षमता से बहुत अधिक मात्रा में सोयाबीन तथा सरसों बरामद किया गया है। जमाखोरी के कारण सोयाबीन तेल का मूल्य बढ़ रहा था। महाराष्ट्र और राजस्थान में भारी मात्रा में खाद्य तेल बरामद किया गया है । खाद्य तेल थोक व्यापारियों और बड़े चेन रिटेल आउटलेट से बरामद किये गये हैं। राज्य सरकारों को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई करने को कहा गया है। केन्द्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालय की ओर से खाद्य तेल और तिलहन के भंडारण की जांच के लिए प्रमुख राज्यों में टीम भेजी गयी है।

झारखंड रोप-वे रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा

रेस्क्यू के दौरान गिरी महिला की मौत

हादसे के 45 घंटे बाद 46 को बचाया गया; 4 की गई जान

देवघर (झारखंड)। झारखंड के देवघर में त्रिकुट पर्वत पर रोप-वे हादसे के 45 घंटे बाद रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो गया। रोप-वे की ट्रॉलियों में फंसे 48 लोगों में से 46 को बचा लिया गया है। हादसे में कुल 4 लोगों की मौत हुई है और 12 से ज्यादा घायल हैं। रेस्क्यू के दौरान दूसरे दिन भी एक महिला ट्रॉली से गिर गई। उसकी मौत हो गई। सोमवार को भी एक युवक की हेलिकॉप्टर में चढ़ाने के दौरान गिरने से जान चली गई थी।

मंगलवार को तीसरे दिन 7 घंटे के करीब ऑपरेशन चला। एयरफोर्स और ITBP के जवानों ने हेलिकॉप्टर से 2500 फीट ऊंचाई पर पहुंचकर रोप-वे की तीन ट्रॉलियों में फंसे 15 को निकाल लिया। ऊंचाई और तेज हवा होने की वजह से यह सबसे मुश्किल रेस्क्यू हुआ। रेस्क्यू के दौरान एक जवान के पैर में चोट लग गई।

एक दिन पहले सोमवार को सेना, वायुसेना, ITBP और NDRF की टीमों ने 12 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था। इसमें 33 लोगों को तीन हेलिकॉप्टर और रस्सी के सहारे बचाया गया था। रेस्क्यू के दौरान सेफ्टी बेल्ट टूट जाने के कारण एक व्यक्ति की हेलिकॉप्टर से नीचे गिर कर मौत हो गई थी। अंधेरा और कोहरा हो जाने की वजह से ऑपरेशन बंद कर दिया गया था।

रेस्क्यू का सबसे कठिन दौर था

वायु सेना, सेना और एनडीआरएफ की टीमें अतिरिक्त सतर्कता बरती। टीम में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि तीन ट्रॉली सबसे ऊंचाई पर थे, जिसकी वजह से रोप-वे के तार के कारण लोगों तक पहुंचने में कठिनाई आई।

इस ऑपरेशन में वायु सेना के तीन हेलिकॉप्टर लगाया गया था। आला अधिकारियों ने लगातार मौके पर कैंप किया।

इस हादसे में बचाए गए 12 से अधिक लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें महिलाएं और बच्चियां शामिल हैं। कुछ घायलों को IC में भी रखा गया है।

ष्टरूसोरेन ने जवानों को किया सलाम

रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म होने के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है। दुर्भाग्य से इस हादसे में हमने कुछ लोगों को खो दिया। अपनी जान जोखिम में डाल कर लोगों की मदद करने वाले एयरफोर्स, आर्मी, NDRF और ITBP के जवानों तथा प्रशासन को सलाम करता हूँ। शीघ्र मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा हताहत होने वाले लोगों को मदद हेतु निर्णय लिया जाएगा।

रात को भूखे-प्यासे रहे

दो ट्रॉली में एक ही परिवार के लगभग लगभग 8 से 10 लोग शामिल थे, जो देवघर के राम मंदिर रोड मोहल्ले के निवासी हैं।

इनमें छठी लाल साह, उनकी पत्नी शोभा देवी, पुत्र अमित कुमार, पुत्र वधू खुशबू कुमारी, जया कुमारी, दो बच्चे 3 साल का वीर एवं 10 साल का कर्तव्य शामिल थे। परिवार ने रात भर बिना पानी के ही गुजारा किया। सुबह किसी तरह उन तक पानी पहुंचाया गया।

दोपहर 12 बजे शोभा देवी को छोड़कर सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। फंसे लोगों को खाना और पानी पहुंचाने के लिए पटना से ड्रोन मंगाया गया था, लेकिन शाम होने की वजह से फंसे लोगों तक खाना -पानी पहुंचाया नहीं जा सका।

हादसे में इनकी मौत

हादसे में देवघर के सारठ प्रखंड की सुरसा देवी की मौत हो गई। एक घायल महिला की भी मौत हुई, लेकिन प्रशासन ने पुष्टि नहीं की है।

वहीं रेस्क्यू के दौरान गिरन से सोमवार को राकेश कुमार मंडल निवासी सरैयाहाट प्रखंड नावाडीह और मंगलवार को देवघर के झोसागड़ी की शोभा देवी की जान चली गई। शोभा का पूरा परिवार फंसा था, जिसे निकाल लिया गया था।

झारखंड हाईकोर्ट ने 25 अप्रैल तक जांच रिपोर्ट मांगी

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन व जस्टिस एसएन प्रसाद की अदालत ने देवघर में रोपवे हादसे पर स्वत: संज्ञान लिया है।

अदालत ने राज्य सरकार से पूरे मामले की जांच रिपोर्ट 25 अप्रैल को मांगी है। कोर्ट ने कहा कि वर्ष 2009 में इस तरह की गड़बड़ी हुई थी, लेकिन उससे सबक नहीं लिया गया और दोबारा घटना हुई है। इस दौरान राज्य सरकार की ओर महाधिवक्ता ने कहा कि मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

दिल्ली में चिलचिलाती धूप ने किया बेहाल, लू का प्रकोप जारी

नयी दिल्ली। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मंगलवार को भी भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहा तथा अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने बताया कि आज सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सोमवार को अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जो पिछले पांच साल में अप्रैल में दर्ज किया गया सर्वाधिक तापमान था। देश में 29 अप्रैल, 1941 को महीने का अब तक का उच्चतम अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम विभाग ने सप्ताह के दौरान अधिकतम तापमान में थोड़ी गिरावट का उम्मीद जतायी थी, क्योंकि उसके वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने पूर्वानुमान लगाया था कि दिल्ली के कुछ हिस्सों में आंशिक रूप से बादल छाये रहने के कारण मंगलवार को पारा गिरकर लगभग 40 डिग्री पर आने के आसार हैं। इससे गर्मी का असर कुछ हद तक कम हो जायेगा।

उन्होंने कहा, बुधवार और गुरुवार को तापमान 39 डिग्री के आसपास रहेगा लेकिन शुक्रवार को इसमें फिर वृद्धि का अनुमान है।

उत्तर पश्चिम में एक पश्चिमी विक्षोभ के कारण गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। इससे दिल्ली में बादल छायेंगे, जिसके कारण अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान 1-2 डिग्री नीचे आ सकता है। बादल छाये रहने के बावजूद बारिश होने के आसार नहीं हैं।

कोविड-19

देश में कोरोना सक्रिय रोगियों की संख्या 10 हजार 889 है

फिर बढ़ी कोरोना से मरने वालों की संख्या, एक दिन में 19 लोगों की मौत

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस से 19 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 18 मौतें केरल में जबकि एक मौत मिजोरम में हुई हैं। इसी के साथ देश में इस महामारी से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर पांच लाख 21 हजार 710 पर पहुंच गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 185 करोड़ 90 लाख 68 हजार 616 कोविड टीके दिये जा चुके हैं।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 796 नये मरीज सामने आये हैं, जिससे देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर चार करोड़ 30 लाख 36 हजार 928 हो गई है। देश में कोरोना सक्रिय रोगियों की संख्या 10 हजार 889 है। देश में सक्रिय मामलों की दर 0.03 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.20 प्रतिशत हो गयी है।

इसी अवधि में 946 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख चार हजार 329 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.76 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटे में चार लाख छह हजार 251 कोविड परीक्षण किये गये हैं।

देश में अब तक कुल 79 करोड़ 45 लाख 25 हजार 202 कोविड परीक्षण किए गए हैं। वहीं इस दौरान देश में 19 मरीजों की मौत होने से इस जानलेवा विषाणु के कारण जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 521710 हो गयी है। कोविड-19 से होने वाली मौतों की दर 1.21 प्रतिशत है। केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामले 87 घटने से इनकी संख्या 3965 रह गयी। वहीं, 265 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6464775 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 68383 हो गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामले पांच बढ़कर 1488 हो गये हैं। इस दौरान 29 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 3904491 हो गई है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 40057 पर स्थिर है।

रोडवेज बस-ट्रैक्टर ट्रॉली की भिड़ंत, 3 की मौत

साइड के चक्कर में आमने-सामने की टक्कर, घायलों में किसी का हाथ कटा, किसी का पैर

एजेंसी

अलवर। रोडवेज बस और ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने की भिड़ंत में 3 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 22 लोग घायल हो गए। घायलों में किसी का हाथ कट गया तो किसी का पैर। हादसा मंगलवार शाम सवा चार बजे अलवर-जयपुर मार्ग पर कुशालगढ़ के पास हुआ।

जानकारी के अनुसार अलवर से रोडवेज बस जयपुर के लिए निकली थी। कुशालगढ़ के पास ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली आ रही था। दोनों वाहनों की स्पीड में थे। एक-दूसरे को साइड देने के चक्कर दोनों वाहनों में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर कोहराम मच गया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई और 22 से अधिक घायल हो गए। घायलों को अलवर के जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। अलवर कलेक्टर नन्नूमल पहाड़िया ने बताया कि हादसे में रोडवेज बस के ड्राइवर मोहन कुमार वर्मा निवासी रामगढ़ हाल जयपुर, 35 साल की गुड्डी पत्नी कमलेश निवासी अशोका टाकीज अलवर और एक साधु की मौत हुई है। घायलों में गुड़िया पत्नी बिजेंद्र निवासी पावटा विराट नगर, अमरी देवी पत्नी बंसी निवासी विराट नगर और एक अन्य को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया जा चुका है।

शार्ट न्यूज

सांप्रदायिक झड़प को लेकर ओडिशा के एक जिले में इंटरनेट सेवाएं बंद, धार्मिक झंडे को लेकर हुआ था विवाद

क्योंझर। खनन शहर जोडा में रामनवमी के जुलूस को लेकर बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदाय के बीच झड़पों के बाद अफवाहों के प्रसार को रोकने के लिए क्योंझर जिले में मंगलवार को इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि रामनवमी के अवसर पर अखाड़ा जुलूस निकालने वाले एक समूह ने शहर के एक मंदिर में धार्मिक झंडे ले जाने की अनुमति मांगी थी। हालांकि पुलिस ने शुरू में अनुमति देने से इनकार कर दिया, लेकिन केवल पांच लोगों को झंडे को मंदिर तक ले जाने की अनुमति दिए जाने के बाद तनाव बढ़ गया।बारबिल के उप मंडल पुलिस अधिकारी हिमांशु बेहरा ने कहा, जब समूह ने झंडे लेकर हनुमान मंदिर में जाना शुरू किया, तो दूसरे समुदाय के स्थानीय लोगों ने उन्हें क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक दिया, जिससे तनाव बढ़ गया। झड़प के बाद, पुलिस ने शुरू में इलाके में धारा 144 लागू कर दी और फिर मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया। कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इलाके में आठ प्लाटून पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुंछ में सीबीआई ने रिश्वत लेते पुलिस अधिकारी को किया गिरफ्तार

जम्मू। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक पुलिस अधिकारी को रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई के एक अधिकारी ने कहा, पुंछ जिला के लोरां थाना के प्रभारी को आज 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि आरएस पुरा के गांव हरिपुर निवासी निरीक्षक वेद प्रकाश को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया गया है।

कश्मीर में आग लगने से पंडित आश्रम और आवासीय परिसर क्षतिग्रस्त

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात भीषण आग लगने से एक पंडित आश्रम और एक आवासीय-सह-व्यावसायिक परिसर जल गया। अग्निशमन एवं आपातकालीन कर्मियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर में शेरबाग इलाके की एक इमारत में आधी रात के बाद करीब 12.40 बजे आग लग गयी, जो देखते ही देखते आसपास की इमारतों में फैल गयी। दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक कम से कम तीन परिसरों और बागवानी विभाग की एक झोपड़ी को काफी नुकसान पहुंच चुका था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है और इसके कारण संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

महबूबा शोपियां दौरे से पहले नजरबंद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें नजरबंद कर दिया गया है। मुफ्ती का आज दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के चोटिगाम में कश्मीरी पंडित बाल कृष्णन के परिवार से मुलाकात का कार्यक्रम था, जो हाल ही में एक आतंकवादी हमले में घायल हो गये थे। मुफ्ती के फेयरव्यू गुप्कर आवास के बाहर एक सुरक्षा बंकर वाहन खड़ा कर दिया गया है और उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, मुझे आज घर में नजरबंद कर दिया गया क्योंकि मैं शोपियां में हमले के शिकार कश्मीरी पंडित के परिवार से मिलने जाना चाहती थी। केंद्र सरकार जानबूझकर कश्मीरी पंडितों के पलायन के लिए कश्मीरी मुख्यधारा और मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराने के वास्ते दुष्प्रचार करती है और वह नहीं चाहती कि इस फर्जी विभाजनकारी कहानी का पर्दाफाश हो।

कश्मीर में लावारिस कार से हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग जिले में एक चौकी के पास लावारिस छोड़ी गयी एक कार से भारी संख्या में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस की एक टीम सोमवार देर रात गश्त पर थी, तभी महमोदाबाद दूरू में पुलिस पार्टी को देखकर एक वाहन रुक गया। पुलिसकर्मियों को इस तरह कार के रुकने पर संदेह हुआ और उन्होंने हवा में कुछ राउंड फायरिंग की। उन्होंने बताया कि इसके बाद वाहन का चालक मौके से फरार हो गया। कार की जांच की गयी तो उसमें हथियार और गोला-बारूद के साथ एक बैग मिला। बैग से एक एके-56, शॉर्ट बैरल, दो एके मैगजीन, दो पिस्टल, तीन पिस्टल मैगजीन, छह हैंड ग्रेनेड, एके-47 के 44 राउंड, 9 एमएम के 58 राउंड और एक स्लिंग बरामद की गयी। इस संबंध में दुरू थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

हिमाचल में आप की गोवा जैसी गत होगी

बिलासपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि गोवा आम आदमी पार्टी (आप) के बैनर से पटा हुआ था और ऐसा दिखाया गया था कि भाजपा चुनावी मैदान में है ही नहीं लेकिन अंततः भाजपा की ही जीत हुई। बिलासपुर जिले के कंदरौर में उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी आप के लिए चुनाव आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पहाड़ी राज्यों में बोलते सब हैं, लेकिन यहां चुनाव आसान नहीं है। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस परिवार की पार्टी, प्राइवेट लिमिटेड पार्टी है, इनका विकास से कोई लेना देना है। यह देश के विकास के साथ भी समझौता कर सकते हैं। इन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक पर, कोरोना वैक्सीन पर भी सवाल उठाए। इनका विचार से कोई लेना देना नहीं है।

रसोई गैस सिलेंडर चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया

नकोदर। पंजाब के जालंधर जिले में मेहतपुर पुलिस ने दो लोगों को अपने गांव के एक घर से रसोई गैस सिलेंडर चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि उमरेवाल गांव से शिंदो नामक ग्रामीण ने शिकायत दर्ज कराई थी कि नौ अप्रैल को उनके घर से रसोई गैस सिलेंडर चोरी हो गया है। पुलिस ने शिकायत के बाद आकाशदीप और मुख्तियार सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास से चोरी का सिलेंडर बरामद कर लिया गया है और आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 379 (चोरी), 454 (घर में अनाधिकार प्रवेश) और 411 (चोरी की संपत्ति प्राप्त करना या खरीदना) के तहत मामला दर्ज किया है।

भगवंत मान हैं अरविंद केजरीवाल की कठपुतली

जालंधर। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल द्वारा पंजाब के प्रशानिक अधिकारियों की दिल्ली में बुलाई गई बैठक पर कड़ा प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी पंजाब के महासचिव जीवन गुप्ता ने कहा कि श्री केजरीवाल ने एक महीने में ही साबित कर दिया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान केवल उनकी कठपुतली हैं। गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल द्वारा बुलाई गई पंजाब के अधिकारियों की बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत मान को ही नहीं बुलाया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा राज्यसभा के लिए बाहरी सदस्यों को चुनने से यह बात साफ़ हो गई थी कि पंजाब का शासन अब राज्य से नहीं बल्कि दिल्ली से चलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में आप की सरकार बने अभी एक महीना ही हुआ है और श्री केजरीवाल ने मुख्यमंत्री को डमी बना कर पंजाब सरकार का कंट्रोल अपने हाथ में लेना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल और श्री मान दोनों ने चुनाव में जनता के साथ हर घर को 300 यूनिट प्रति महीना मुफ्त तथा 18 वर्ष या उससे ऊपर की सभी महिलाओं को 1000 रुपये प्रति महीना एक अप्रैल 2022 से देने के साथ-साथ कई अन्य बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन ऐसा लगता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और पंजाब के मुख्यमंत्री दोनों ही अपने वादों से मुकर गए हैं।

कंप्यूटर वायरस भी होंगे हाइब्रिड वारफेयर का हिस्सा

बिना पहली गोली चले हो जाएगा बहुत कुछ : वायुसेना चीफ

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के प्रमुख विवेक राम चौधरी ने मंगलवार को कहा कि भविष्य के युद्ध की प्रकृति हाइब्रिड होने की संभावना है। इसमें आर्थिक प्रतिबंध, सूचना अवरोध, कंप्यूटर वायरस और हाइपरसोनिक मिसाइल जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाएगा। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में अपने भाषण में एयर चीफ मार्शल ने कहा, साइबर और सूचना युद्धक्षेत्र को आकार देने के आधुनिक उपकरण बन गए हैं। उन्होंने कहा कि सूचना के क्षेत्र में अच्छी तरह से गढ़ा गया विमर्श शत्रु को प्रभावित करेगा और इसके विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं।

वायुसेना के प्रमुख ने कहा कि लोग एक-दूसरे से आपस में बहुत ज्यादा जुड़ गए हैं, ऐसे में हमारे नेटवर्क पर साइबर हमला कमान और नियंत्रण संरचनाओं को पंगु बना सकता है।

उन्होंने कहा कि अगली जंग में दुश्मन शायद एक देश या संगठन न हो। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारत को शायद यह कभी पता न चल पाए कि उसके कंप्यूटरों पर हमला करने वाले कौन लोग हैं और यह हमला कब तथा कहां से होगा। चौधरी ने कहा कि भविष्य में भारत पर सभी मोर्चों पर हमला किया जा सकता है, जिसमें आर्थिक प्रतिबंध से लेकर राजनयिक तौर पर अलग-थलग किए जाने और सैन्य गतिरोध से लेकर कंप्यूटरों पर हमला कर सूचना को अवरुद्ध करना तक शामिल है।

उनके मुताबिक, यह सबकुछ पहली गोली चलने और पहले विमान के सीमा पार करने से पूर्व ही हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा, हम जिन हथियारों को देख रहे हैं वे एक छोटे कंप्यूटर वायरस से लेकर हाइपरसोनिक मिसाइल तक होंगे। गौरतलब है कि देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत भी कई बार हाइब्रिड वारफेयर का जिक्र कर चुके हैं। यही नहीं वह अकसर नई शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए ढाई मोर्चे के युद्ध की भी बात करते थे। ढाई मोर्चे के युद्ध से उनका अर्थ चीन, पाकिस्तान और देश के अंदर ही परसेप्शन वॉर से था।

तेलंगाना में आग, करोड़ों की संपत्ति स्वाहा

वारंगल। तेलंगाना के वारंगल जिले के धर्मराम गांव में राज्य सरकार के कपड़ा गोदाम (टेस्को गोदाम) में सोमवार रात भीषण आग लग गई जिससे करीब 35 करोड़ रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गयी। पुलिस ने कहा कि आग सोमवार सुबह छह बजे लगी और कुछ ही देर में पूरे गोदाम में फैल गयी। सूचना मिलने पर पांच दमकल मौके पर पहुंचे और 13 घंटों की जद्दोजहद के बाद आग पर काबू पाया गया।आग की उग्रता के कारण गोदाम की दीवारें भी गिर गयीं। गोदाम प्रभारी श्रीनिवास के अनुसार वहां छात्रों के लिए हैंडलूम के कपड़े रखे जाते हैं।

इंग्लैंड के सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी ने परिवार सहित हरमंदर साहिब में मत्था टेका

अमृतसर। ब्रिटेन में इंग्लैंड के सिख सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी ने मंगलवार को पत्नी बीबी मनवीन कौर ढेसी, बेटे जोगद सिंह ढेसी और तोशाब सिंह ढेसी सहित सचखंड श्री हरमंदर साहिब में मत्था टेका और गुरबानी कीर्तन सुना। सिंह ने कहा कि उन्हें गुरु के घर में मत्था टेकने का अवसर मिला और उन्होंने सिख संगत को खालसा स्थापना दिवस की बधाई देते हुए युवाओं से अपनी विरासत से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह दिन दस्तर (पगड़ी) की महिमा का प्रतीक है और पूरे सिख युवाओं को सिख रूप में बिना कटे बालों के साथ रहते हुए देश और दुनिया में आगे बढ़ना चाहिए।इस अवसर पर एसजीपीसी के सहायक सचिव तेजिंदर सिंह, सूचना अधिकारी जसविंदर सिंह जस्सी ने तनमनजीत सिंह और उनके परिवार के सदस्यों को सिरोपा (सम्मान के वस्त्र) और सचखंड श्री हरमंदर साहिब की तस्वीर से सम्मानित किया।

पीएनबी धोखाधड़ी : नीरव मोदी का करीबी मुंबई लाया गया, मिस्र से किया गया था गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक से धोखाधड़ी कर भागे हीरा कारोबारी नीरव मोदी के करीबी सुभाष शंकर परब को सीबीआई ने अरेस्ट कर लिया है। उसे मिस्र की राजधानी काहिरा से गिरफ्तार कर मुंबई लाया गया गया है। इंटरपोल ने 2018 में परब के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। परब नीरव मोदी का बेहद करीबी रहा है और उसकी कंपनी फायरस्टार डायमंड्स में डिप्टी जनरल मैनेजर के तौर पर काम कर चुका है। पीएनबी के साथ किए गए फ्रॉड में उसकी भी भूमिका बताई जा रही है। इसी के तहत उसे गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे थे, जिसमें अब जाकर सफलता मिल पाई है।

सीबीआई सूत्रों का कहना है कि उसे मुंबई से लाए जाते ही हिरासत में ले लिया गया।

सीबीआई ने 31 जनवरी, 2018 को नीरव मोदी के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसके अलावा उसकी कंपनी फायरस्टार ग्रुप, भाई निशाल, अंकल मेहुल चोकसी के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया था। यही नहीं कंपनी के कई अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी केस फाइल किया गया था। नीरव मोदी समेत इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने पंजाब नेशनल बैंक के साथ 13,780 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। सीबीआई ने अपनी जांच में बताया है कि नीरव मोदी और मेहुल चोकसी की कंपनियों ने कुल मिलाकर 20,600 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। एजेंसी ने अपनी जांच में बताया कि 2011 से 2017 के दौरान कुल 23,780 करोड़ रुपये का लोन नीरव मोदी और मेहुल चोकसी की कंपनियों को जारी किया गया था। नीरव मोदी के करीबी को गिरफ्तार कर मुंबई लाए जाने को एजेंसियों की बड़ी सफलता माना जा रहा है। हालांकि अब भी नीरव मोदी और मेहुल चोकसी भारतीय एजेंसियों की पहुंच से दूर हैं, जिनका प्रत्यर्पण कर भारत लाए जाने की कोशिशें लगातार की जा रही हैं। इसके अलावा शराब कारोबारी विजय माल्य को भी भारत लाए जाने की कोशिशें की जा रही हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने सेन को 4 बलात्कार मामलों की जांच करने का दिया निर्देश

एजेंसी

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी दमयंती सेन को उत्तर 24 परगना में मटिया और डी गंगा, मालदा में अंग्रेजी बाजार तथा दक्षिण कोलकाता के बांसड्रोनी में बलात्कार के चार मामलों की जांच करने का निर्देश दिया।

मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव और राजर्षि भारद्वाज की खंडपीठ ने प्रदेश में सामूहिक बलात्कार और हत्याओं के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कोलकाता पुलिस के विशेष आयुक्त दमयंती सेन से बलात्कार के चार मामलों की जांच करने को कहा।

इस दौरान पीठ ने कहा कि अगर आईपीएस अधिकारी इस मामले की जांच करने के लिए तैयार नहीं होती है, तो वह न्यायालय को बेझिझक बता सकती है, वे इसके लिए स्वतंत्र है।

न्यायालय ने कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई 20 अप्रैल को होगी। गौरतलब है कि 1996 बैच की आईपीएस अधिकारी दमयंती सेन उस समय सुर्खियों में आईं, जब उन्होंने 2012 में एक सामूहिक बलात्कार का पर्दाफाश किया और शहर के पार्क स्ट्रीट में कुख्यात मामले में तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया।

जानकारी के अनुसार, फरवरी 2012 में एक 37 वर्षीय महिला के साथ शहर के पार्क स्ट्रीट पर चलती कार के अंदर सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया था, जिसके बाद इस मामले में सेन ने सभी आरोपियों को दोषी ठहराया था।

उस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना को मनगढ़ंत बताया था लेकिन उन्होंने (सेन) अपनी जांच जारी रखी और घटना का पर्दाफाश किया।

खंडपीठ ने दमयंती सेन को सामूहिक बलात्कार के चार मामलों की जांच करने का निर्देश देते हुए कहा कि आईपीएस अधिकारी अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए निष्पक्ष और स्वतंत्र रही हैं। राज्य में सामूहिक बलात्कार के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए पीठ ने कहा चार मामले हाल ही में हुआ और पीठ ने पूछा कि ऐसा क्यों हो रहा है? मुख्य न्यायाधीश ने कहा,ये क्या हो रहा है, ये क्यों हो रहे हैं? मैं निशब्द हूं।

राजस्थान में मंगलवार को कोरोना के दस नये मामले सामने आये

जयपुर। राजस्थान में मंगलवार को कोरोना के दस नये मामले सामने आए चिकित्सा विभाग के अनुसार पिछले चौबीस घंटों में नये मामलों में कोई वृद्धि एवं कमी दर्ज नहीं की गई। इनमें सर्वाधिक छह नये मामले जयपुर में सामने आए जबकि जोधपुर में तीन त एक नया मामला सामने आया जबकि 30 जिलों में एक भी नया मामला सामने नहीं आया। नये मामलों के बाद राज्य में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर अब तक 12 लाख 83 हजार 121 हो गई। प्रदेश में 15 मरीजों के और स्वस्थ होने से अब तक 12 लाख 73 हजार 497 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और सक्रिय मरीजों की संख्या 72 हैं। इनमें सर्वाधिक 46 सक्रिय मरीज जयपुर जिले में है जबकि जोधपुर जिले में 11, बीकानेर में चार, अजमेर एवं उदयपुर में तीन-तीन तथा धौलपुर में दो और दौसा, सिरोही एवं टौंक में एक-एक सक्रिय मरीज हैं ।

मान पंजाब के हित बचाएं, दिल्ली के रिमोट कंट्रोल से न चलने दें सरकार : शिअद

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान से पंजाब के हितों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने की नसीहत दी कि प्रदेश सरकार दिल्ली के रिमोट कंट्रोल से न चले। पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने आरोप लगाया कि पंजाब के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय आप सरकार 'गीतों' और अन्य बेकार की चीजों पर समय गंवाकर लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पंजाब के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक पर ऐतराज जताते हुए कहा कि लोगों की यह आशंका सच साबित होती दिखाई देती है कि पंजाब आप सरकार दिल्ली के रिमोट कंट्रोल से चलेगी। शिअद नेता ने कहा कि श्री मान को सुनिश्चित करना चाहिए कि पंजाब के अधिकारियों से सिर्फ वही मिलेंगे, दिल्ली के मुख्यमंत्री या आप के दिल्ली के नेता नहीं। डॉ. चीमा ने इस पर भी आश्चर्य व्यक्त किया कि जब मुख्यमंत्री दिल्ली में थे, यहां पंजाब के राज्यपाल प्रदेश के सीमाई जिलों में बैठकें कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ और मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या संवैधानिक तंत्र बिगड़ चुकी है या क्या प्रदेश ने अपनी कोई जिम्मेवारी नहीं निभाई जिससे कि राज्यपाल को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। उन्होंने भीषण गर्मी के कारण गेहूं उत्पाद में कमी के लिए किसानों की चिंता समझने और केंद्र से किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग भी की।

दूसरों के लिए कुछ करने का भाव ही मनुष्यता का वास्तविक मर्म : मिश्र

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने भारतीय संस्कृति में सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा है कि दूसरों के लिए कुछ करने का भाव ही मनुष्यता का वास्तविक मर्म है। श्री मिश्र आज सीकर जिले के खाटू श्याम जी में ओडिशा के राज्यपाल प्रो. श्री गणेशीलाल के साथ श्रीश्याम शरणम् धर्मशाला का शिलान्यास करने के बाद सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वही समाज विकास करता है, जहां दूसरों के लिए उदात्त दृष्टि होती है। हमारी प्राचीन संस्कृति इन्हीं उदात्त जीवन मूल्यों से जुड़ी है और इसी से हमें जीवन का अर्थ, जीवन जीने का तरीका सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि धर्म और मानवता के कल्याण के लिए किए जाने वाले कार्यों का दीर्घकालीन सकारात्मक परिणाम पूरे समाज को मिलता है। उन्होंने खाटू श्रीश्याम बाबा को नमन करते हुए कहा कि खाटू श्याम जी की पवित्र धरा तो अध्यात्म के संस्कारों से ओत-प्रोत है। उन्होंने कहा कि खाटूधाम के वायुमंडल में हमेशा भक्ति का प्रवाह बहता रहता है। कार्यक्रम में श्री मिश्र ने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का भी पठन किया। साथ ही मोरवी नंदन खाटूश्याम चालीसा पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में श्याम शरणम् धर्मशाला के पदाधिकारी डॉ.मनोज विप्लव, भूपेन्द्र गुप्ता, श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारीगण सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

कोलन कैंसर देश में होने वाला पांचवां सबसे आम कैंसर

कोलकाता। कोलन कैंसर भारत के लोगों में होने वाला सबसे आम पांचवा कैंसर है। यहां के मेडिका सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के विशेषज्ञों ने यह बात कही। यह कैंसर का एक प्रकार है, जो बड़ी आंत (को-लोन) में शुरू होता है।

मेडिका हॉस्पिटल ने मंगलवार को फेसबुक पर एक लाइन सेशन का आयोजन किया, जिसमें विशेषज्ञों ने कैंसर के उपचार, इसके रोकथाम पर जानकारी देने के अलावा कोलन कैंसर से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

इस लाइव सेशन की मेजबानी मेडिका सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ.प्रदीप्त कुमार सेठी ने की। उनके साथ डॉ. अरिंदम मंडल भी शामिल रहे, जो इसी अस्पताल में सलाहकार-सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (जीआई और थोरैसिक) एमएस (सामान्य सर्जरी), एमसीएच (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) हैं।

इस मुद्दे को संबोधित करते हुए डॉ. अरिंदम मंडल ने कहा,मरीजों में कोलन कैंसर की पहचान कुछ खास लक्षणों से की जा सकती है। शुरुआत में मल त्यागने की आदतों में बदलाव देखने को मिल सकता है जैसे कि कभी कॉन्सटिपेशन की समस्या हो सकती है, तो कभी दस्त की परेशानी देखने को मिलती है।

इसके अलावा, मल का रंग काला हो जाना या कोलन के अंदर के ट्यूमर से खून का बहना भी इसके अहम लक्षण हैं। इससे भी शुरुआती लक्षण के तौर पर पेट या छाती में पानी जम जाने की वजह से सांस लेने में तकलीफ होना, पीलिया और हड्डियों में दर्द होने की शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा,यह जरूरी है कि इन लक्षणों को नजरअंदाज न किया जाए क्योंकि पहले ही इलाज शुरू हो जाने से इसके पूरी तरह से ठीक होने की संभावना रहती है। शुरुआती जांच में यह भी देखा है कि मरीज के परिवार का इतिहास क्या रहा है यानि कि क्या उसके परिवार में भी कोई सदस्य पहले कोलन कैंसर का शिकार हुआ है या नहीं? इस तरह से देखा जाता है कि मरीज पर इस बीमारी का जोखिम कितना अधिक या कम है। लक्षण देखे जाने के बाद इन्हें नियमित जांच के तहत रखा जाता है, गौर फरमाया जाता है कि क्या ये कैंसर की स्थिति में पहुंच रहे हैं। निदेशक डॉ. सेठी ने कहा,मल त्यागने की आदत में बदलाव का आना कोलन कैंसर का एक लक्षण हो सकता है।

कोलन कैंसर के पारिवारिक इतिहास वाले 40 साल की उम्र से अधिक आयु वाले लोगों पर भी इसका जोखिम अधिक है। मोटापे और कोलन कैंसर के बीच भी सीधा संबंध है। इसलिए एक स्वस्थ जीवनशैली का पालन करना और नियमित व्यायाम करना आवश्यक है।

भारत में पुरुषों में कोलन कैंसर के लिए वार्षिक घटना दर (एएआर) 4.4 प्रति 100000 है। महिलाओं में कोलन कैंसर के लिए एएआर 3.9 प्रति 100000 है। अगर किसी को कोलन कैंसर होता भी हैं, तो इसके उपचार के लिए कई साधन हैं जैसे कि सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और इम्युनियोथेरेपी वगैरह। विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित जांच की मदद से इसे रोका जा सकता है और एक स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है।

रिफाइनरी सह पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स में पेट्रोलियम बाय-प्रोडक्ट्स आधारित उद्योगों के लिए अपार संभावनाएं

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि बाड़मेर के पचपदरा में रिफाइनरी के साथ ही बन रहे पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स से राजस्थान पेट्रोलियम आधारित उद्योगों के हब के रूप में विकसित होगा और यहां बड़ी मात्रा में रोजगार पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि यहां न सिर्फ तेल निकलेगा, बल्कि इसके साथ-साथ पेट्रोलियम बाय-प्रोडक्ट्स भी निकलेंगे जिससे प्रदेश में निवेश आएगा और विभिन्न उद्योगों के लिए अपार संभावनाएं पैदा होंगी। गहलोत आज राजस्थान रिफाइनरी की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना के बाद एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी प्रदेश की सबसे बड़ी परियोजना है और पश्चिमी राजस्थान सहित पूरे प्रदेश के विकास के लिए पेट्रोलियम रिफाइनरी एक बहुत बड़ा सपना है, जिसमें कई बार रूकावटें आईं। क्षेत्र की जनता के लम्बे संघर्ष और हमारी सरकार की कोशिशों के बाद इस परियोजना ने अब गति पकड़ी है जिसे समय पर पूरा करने के प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने एचपीसीएल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संसाधन बढ़ाकर परियोजना के कार्यों को और गति दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना से जुड़े सभी विभागों एवं एचपीसीएल के अधिकारियों को साथ लेकर एक इंटर-डिपार्टमेंटल वर्किंग ग्रुप बनाया जाए ताकि रिफाइनरी के साथ पेट्रो-केमिकल कॉम्प्लेक्स से संबंधित मुद्दों को समय पर हल किया जा सके। मुख्यमंत्री ने नौ प्रमुख रिफाइनरी यूनिट्स की प्रगति एवं चार प्रमुख पेट्रो-केमिकल यूनिट्स के बारे में भी जानकारी ली।

साथ ही, रिफाइनरी के आसपास औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने एवं ग्रीनरी विकास के कार्यों में गति लाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने युवाओं को यहां छोटी-छोटी इकाइयां लगाने के लिए प्रोत्साहित करने एवं एन्सिलियरी यूनिट्स के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। गहलोत ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से पश्चिमी राजस्थान के विकास को गति मिलेगी।

उन्होंने क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति सुचारू बनाए रखने एवं यहां आने वाले निवेशकों में भरोसा कायम करने की दिशा में समुचित कदम उठाने, पचपदरा व बालोतरा में भविष्य में नगरीय विकास की संभावनाओं को देखते हुए कार्य योजना बनाने, स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण देने एवं रिफाइनरी के बाय-प्रोडक्ट्स के बारे में अधिक से अधिक जानकारी आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में खान एवं पेट्रोलियम मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि रिफाइनरी का कार्य तय समय में पूरा हो सके इस संबंध में पेट्रोलियम विभाग की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव ऊषा शर्मा कहा कि रिफाइनरी की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा कई समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर किया गया है ताकि कार्य की गति धीमी नहीं हो।

तालकटोरा स्टेडियम में नदी संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। तालकटोरा स्टेडियम में मंगलवार को नदी संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें देश भर से संत और नदियों को लेकर काम कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता, चिंतक और नदियों को लेकर काम करने वाले लोग उपस्थित हुए। नदी संवाद कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वाभिमान और यमुना मिशन की ओर से आयोजित हुआ। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन के संयोजक और चिंतन-विचारक श्री के एन गोविंदाचार्य जी ने कहा कि प्रकृति का हश्र हम सभी लोग देख रहे हैं। नदियों को उनकों अपने स्वभाव में लौटाने के लिए समाज चिंतित है। समाज और सत्ता के बीच परिणामकारी संवाद की आवश्यक है। यह संवाद विश्वास पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि उपनिवेशवाद, हथियारवाद, सरकारवाद और बाजारवाद से पिछले 500 सालों में विकास के नाम पर विनाश हुआ है। मानव केंद्रित भौतिक विकास से भारत में पिछले 60 सालों में 50 फीसद जैव विविधता नष्ट हुआ है। 2030 तक कोई उपाय नहीं किया गया तो भयानक स्थिति पैदा हो जाएगी।

अधिष्ठान परिवर्तन की जरूरत को बताते हुए श्री गोविंद जी ने कहा कि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक पहलूओं को लेकर सबको विचार करना चाहिए क्योंकि समय अधिष्ठान परिवर्तन का है। अब मानव केंद्रित विकास की जगह प्रकृति केंद्रित विकास की आवश्यकता है। जिसमें जल, जंगल, जमीन, जानवर का जन के साथ सामंजस्य हो।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में डा. रवि चोपड़ा ने कहा कि सागरों का स्तर का बढ़ता जा रहा है। इससे मुंबई, सूरत और समुंद्र किनारे के शहरों के लिए खतरा बढ़ रहा है। जिससे विस्थापन होगा और करोड़ों लोगों के सामने भूखमरी की समस्या पैदा होगी। उन्होंने कहा कि जैव ईंधन की खपत दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। जैव ईंधन बनने में छह करोड़ वर्ष लग जाते हैं। लेकिन साल 1750 के बाद जैव ईंधन का उपभोग इतना बढ़ा कि साल 2130 तक जैव ईंधन समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज को आगे आने होगा। इसके लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के सूत्रवाक्य स्वदेशी, स्वालंबन और ग्राम स्वराज पर सभी को चलना होगा।

स्वामी चिन्मयानंद जी ने कहा कि देश में संस्कारी सरकारें हैं। देश को ऊर्जावान प्रधानमंत्री मिले है। प्रांत और देश की सरकारों को ग्रैंड और ग्राउंड प्लान बनाने की जरूरत है। यह बहुत ही अनुकूल समय है। आस्था भी अपने साथ है और व्यवस्था भी अपने साथ है।

कार्यक्रम के क्रम में हेमंत ध्यानी ने कहा कि हिमालय की 50 किमी परीधी में गंगा बेसिन में निवास करने वाले 60 करोड़ लोगों के भोजन और पानी की व्यवस्था है। यहां सैकड़ों बांध बनाने के लिए विचाराधीन है। यहां चौड़ीकरण और निर्माण के नाम पर सैकड़ों हेक्टेयर वन काटे जा चुके हैं। यहां मृदा अपरदन तीन गुना बढ़ गया है। जो बेहद खतरनाक है।

इस दौरान मलूकपीठाधीश्वर राजेंद्र दास जी महाराज ने कहा कि यमुना मिशन के माध्यम से एक मिशाल कायम किया जा सकता है। यहां कार्यक्रम में शामिल होकर ऐसा विश्वास हो रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा यमुना तभी पवित्र होंगी जब सहायक नदियों को भी पवित्र और शुद्ध करना होगा।

इसके लिए अधिक से अधिक पेड़ लगना होगा। उन्होंने इसी क्रम में कहा कि नदि किनारे गोवंश की वृद्धि होगी और वे विचरण करेंगी। तो भारतवर्ष शुद्ध होगा। जैसे मनेरी में गंगा का शुध्द जल है वैसे ही वृंदावन में यमुना जी का जल हो जाए।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार श्री राम बहादुर राय ने भी नदी संवाद के दौरान प्रस्तावित 9 प्रस्तावों का समर्थन किया और कहा कि कि अब समय आ गया है कि हम यमुना के लिए जवाबदेही तय करें यमुना पर अब तक करीब 7 हजार करोड़ रुपये उसकी सफाई के नाम पर खर्च हो चुका है आखिर यह पैसा गया कहां इन पैसे का हुआ क्या इसके लेखा जोखा लेने की जरूरत है साथ ही उन्होंने यमुना के किनारे किनारे समानांतर नाले बनाने की भी बात कही जिससे कि दिल्ली शहर के बड़े नालों को सीवेज का पानी जमुना जी में ना गिर पाए।

इस दौरान यमुना मिशन के प्रदीप बंसल जी ने जमुना नदी कि निर्मलता और अभियंता के लिए 9 प्रस्तावों को प्रस्तुत किया जिसको एडवोकेट अवधेश प्रताप सिंह ने अनुमोदित किया एवं सभागार में उपस्थित सभी लोगों ने उसका समर्थन किया।

शार्ट न्यूज

विदेशी कम्पनी ने दिया मेवाड़ के 13 विद्यार्थियों को रोजगार

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के 13 विद्यार्थियों को अमेरिकन कम्पनी वोटो कंसल्टिंग ने नौकरी के लिये चुना है। बीसीए के सात, बीबीए के दो और बीकॉम के 4 विद्यार्थियों को रोजगार मिला है। सभी ढाई लाख रुपए के पैकेज पर चुना गया है। चुने गये बच्चों के नाम नारायण सिंह राघव, कृतिका सिंह, धनंजय त्यागी, रानी कुमारी, सुनील कुमार, पुनीत रोहिला, आयुष शर्मा, हार्दिक खन्ना, बलराज, प्रिया नेगी, संकेत कुमार और मनीष हैं। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने सभी चयनित बच्चों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बताया कि मेवाड़ बच्चों को शिक्षा के साथ ही समुचित रोजगार देने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उनकी यह मुहिम जारी रहेगी।

भाकियू भानू ने नवनियुक्त जेवर कोतवाली प्रभारी का किया स्वागत, क्षेत्रीय समस्याओं से भी कराया अवगत

ग्रेटर नोएडा। भारतीय किसान यूनियन भानु के पदाधिकारी सोमवार को क्षेत्रीय समस्याओं के संदर्भ में जेवर कोतवाली पहुंच गए। जहाँ पर भाकियू भानू के पदाधिकारियों ने हाल में ही कोतवाली का चार्ज संभालने वाले कोतवाली प्रभारी अंजनी कुमार सिंह का स्वागत किया।और क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया। इस मौके पर भूदेव सिंह, महेंद्र चौधरी,विजेन्द्र सिंह, बृहमपाल सिंह,संजीव छौंकर मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा, सतवीर सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि, बृजेश भाटी राष्ट्रीय प्रवक्ता,जयकुमार राष्ट्रीय सचिव,धीरज प्रदेश उपाध्यक्ष,कपिल भाटी, नरेश ठाकुर मंडल उपाध्यक्ष युवा,पिंटू चौधरी,ऊदल सिंह तहसील अध्यक्ष,संजीव राणा, कालू पंडित,गगन सिंह, चंदर सिंह समेत दर्जनों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में नवनियुक्त पराविधिक स्वयं सेवकों का चतुर्थ प्रशिक्षण सत्र का किया गया आयोजन

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर में नवनियुक्त पराविधिक स्वयं सेवकगण के प्रशिक्षण संबंधी इन्डक्सन कोर्स का आयोजन माननीय जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में मंगलवार को आईआईएमटी कॉलिज आफ लॉ के सभागार में किया गया। जिला न्यायाधीश अशोक कुमार-सप्तम् ने बताया कि पीएलवी के रुप में कार्य करते हुए समाज के कमजोर व वंचित वर्गो के समस्याओं को समझने तथा उन समस्याओं का समाधान करते हुये व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा। जो विधि के छात्रों के लिये पढाई के साथ-साथ समाज के समस्याओं को समझने में सहायक होगा। जिससे अध्ययनरत छात्रों को आगे अनुभव में काम आएगा। चयनित पीएलवी को डीएलएसए के साथ विभिन्न प्रकार के विधि सेवाओं, विधिक सहायता और जन जागरुकता के कई कार्यों में शामिल किया जाएगा। पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयहिंद कुमार सिंह द्वारा उपस्थित पराविधिक स्वयं सेवकों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण योजना के तहत उल्लिखित उनके कर्तव्यों के बारे में अवगत कराते हुये समाज के कमजोर व वंचित वर्गो के उत्थान के लिये तत्परता के साथ आगे आकर कार्य करने के लिये जागरुक किया गया। शंशाक गुप्ता प्रधान मजिस्टेट किशोर न्याय बोर्ड द्वारा पीएलवीगण को किशोर न्याय अधिनियम के बाबत जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा जिला बाल सम्प्रेक्षण गृह में किशोर आपचारियों की देख-भाल आदि के विषय पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। शैलेन्द्र बहादुर सिंह जिला समाज कल्याण अधिकारी गौतमबुद्वनगर द्वारा जनमानस के लिये सरकार व प्रशासन द्वारा जनकल्याण हेतु संचालित योजनाओं जैसे वृदावस्था पेंशन योजना, विधवा पेशन योजना आदि के बाबत जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा समाजिक सुरक्षा विषय पर विस्तृत रुप से आर्थिक, राजनैतिक व सामाजिक न्याय के विषय पर विस्तृत जानकारी दिया गया। यदूवंश कुमार वर्मा तहसीलदार सदर गौतमबुद्वनगर द्वारा तहसील विभाग द्वारा संचालित आय प्रमाण-पत्र, फसल बीमा योजना, किसान बीमा योजना आदि योजनाओं के बाबत जानकारी उपलब्ध करायी गयी। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में अशोक कुमार-सप्तम जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्वनगर, पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयहिंद कुमार सिंह,शंशाक गुप्ता प्रधान मजिस्टेट किशोर न्याय बोर्ड, समाज कल्याण अधिकारी शैलेन्द्र बहादुर सिहं, तहसीलदार सदर यदूवंश कुमार वर्मा आईआईएमटी कॉलिज आफ लॉ के डायेरक्टर मयंक अग्रवाल, संकायाध्यक्ष डॉ मोनिका रस्तोगी, एम के सोनी,मुनीष कुमार शर्मा, एचओडी विपिन भाटी गौतमबुद्वनगर व चयनित पराविधिक स्वंय सेवकों के साथ लॉ कॉलिज से आये सम्मानित प्रोफेसर,प्रभारी विधिक सहायता केन्द्र, विधि छात्र एवं पराविधिक विधिक स्वंय सेवकगण एवं स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

मौसम : दिल्ली को पांच दिन बाद लू से राहत मिली, अधिकतम तापमान भी गिरा

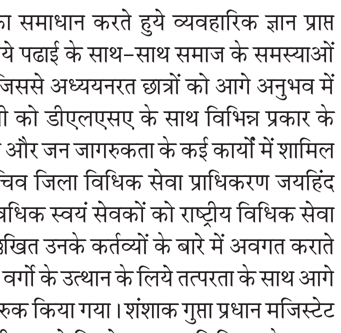

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को हल्के बादलों की वजह से पांच दिन बाद लू से राहत मिली। मंगलवार को दिल्ली के अधिकतम तापमान में दो डिग्री से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि यह अब भी सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। राजधानी दिल्ली के लोग पिछले लगभग 12 दिनों से झुलसाने वाली गर्मी का सामना कर रहे थे। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग के आंकड़ों के अनुसार पांच दिनों से लू की स्थिति बनी हुई थी। लेकिन मंगलवार सुबह से ही मौसम में बदलाव देखने को मिला। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सुबह के समय सूरज की चमक थोड़ी कमजोर दिखी। दिन चढ़ने के साथ ही आसमान में छिटपुट बादलों की मौजूदगी बढ़ने लगी। इसके चलते दिन के पूरे हिस्से में तेज धूप नहीं हुई। इससे तापमान में खासी गिरावट दर्ज की गई है। सफदरजंग मौसम केंद्र में दिन का अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। एक दिन पहले सोमवार के दिन अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस तरह बादलों के चलते अधिकतम तापमान में दो डिग्री से ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। वहीं न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। वहीं, आर्द्रता का स्तर 65 से लेकर 29 फीसदी तक दर्ज किया गया। दिल्ली के लोगों ने अप्रैल महीने में वर्ष 2017 के बाद सबसे ज्यादा लू वाले दिनों का सामना किया। मौसम विभाग के आंकड़ों को मुताबिक 2017 के अप्रैल महीने में छह दिन लू वाले थे। इस बार अप्रैल के महीने में अभी तक पांच दिन लोगों को लू का सामना करना पड़ा है। हालांकि अभी अप्रैल के बाकी दिनों को देखते हुए यह माना जा रहा है कि इस बार लोगों को ज्यादा लू का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले तीन दिनों तक आसमान में छिटपुट बादलों की मौजूदगी बनी रहेगी। इसके चलते धूप पहले जैसी तीखी और तेज नहीं होगी और लोगों को लू से राहत मिलती रहेगी। हालांकि, शुक्रवार के बाद से फिर तापमान में तेजी से इजाफा होगा और रविवार तक फिर से लू की स्थिति बन सकती है।

बाबासाहेब अंबेडकर ने ली थी महात्मा फुले से प्रेरणा : सुनील देवधर

नई दिल्ली। सामाजिक समरसता और पूर्वोत्तर भारत के लिए कार्य करने वाली संस्था 'माय होम इंडिया' द्वारा महात्मा फुले की जयंती पर 11 अप्रैल 2022 को नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में सामाजिक समरसता विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना और प्रसारण एवं मत्स्य पालन पशुपालन डेरी राज्यमंत्री डॉ एल मुरुगन जी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री प्रतिमा भौमिक जी एवं 'माय होम इंडिया' के संस्थापक और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री सुनील देवधर जी शामिल हुए।

साथ ही भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हालदार, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतु समुदाय विकास एवं कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भिकू रामजी इदाते सुप्रसिद्ध लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार भाऊ तोरसेकर के साथ माय होम इंडिया (दिल्ली-एनसीआर) इकाई के अध्यक्ष बलदेव सचदेवा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुनील देवधर ने कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए कहा कि ज्योतिबा फुले ने अपनी पूरी जिंदगी समाजिक समरसता के लिए लगा दी, उन्होंने समाज में सबसे पहले लड़कियों और महिलाओं को शिक्षित करके समाज को बदलने की ठानी इसके लिए उन्होंने अपने घर से शुरुआत करते हुए अपनी पत्नी सावित्री बाई फुले को पढ़ाना शुरू किया।

उन्होंने आगे बताया कि भारत में सबसे पहला अनाथालय खोलने वाले ज्योतिबा फुले ही थे ताकि अनाथ बच्चों और उस समय समाज से निष्कासित की जाने वाली महिलाओं को नया जीवन दे सकें। उन्होंने समाज को विधवा विवाह के लिए भी प्रेरित किया।

प्रतिमा भौमिक जी ने अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री जी को आज का ज्योतिबा फुले बताया जो समाज में पिछड़ो, दलितों और महिलाओं को सम्मान देने का कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने त्रिपुरा राज्य की बात करते हुए कहा कि त्रिपुरा में लोगों को ये बताया गया कि लेनिन, कालमार्क्स कौन है, वियतनाम कहाँ है पर जिन ज्योतिबा फुले जी ने हमारे लिए काम किया उनके बारे में किसी ने नहीं बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार रखते हुए डॉ. एल मुरुगन ने बताया कि आज ज्योतिबा फुले के विचारों को जो सही रूप में आगे बढ़ा रहे हैं वो सिर्फ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं, उन्होंने इस महत्वपूर्ण विषय पर कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजकों को भी धन्यवाद दिया।

अंतिम में माय होम इंडिया (दिल्ली-एनसीआर) इकाई के अध्यक्ष बलदेव सचदेवा ने सभी वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ के 'बेटी को शिक्षा और सम्मान' पहल के तहत उपाध्यक्ष - एनडीएमसी ने 225 छात्राओं को 1000/- रुपये की मासिक छात्रवृत्ति प्रदान की

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी के बेटी बचाओ-बेटी पढाओ अभियान और कल की सफल महिलाओं के रूप में युवा लड़कियों की शिक्षा और स्वतंत्रता के प्रतिबद्धता के तहत, उपाध्यक्ष- नई दिल्ली नगरपालिका परिषद - श्री सतीश उपाध्याय ने आज अटल आदर्श बंगाली बालिका विद्यालय, गोल मार्केट, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में 25 एनडीएमसी स्कूलों से चयनित 225 छात्राओं को 1000/- रुपये से सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री आर.पी. सत्ती, निदेशक शिक्षा और आरसीडीएस-अध्यक्ष, श्री अनिल के.अग्रवाल भी मौजूद थे। सभी छात्राओं को सम्मानित करने के बाद, श्री उपाध्याय ने कहा कि गरीबी, सांस्कृतिक मानदंडों और प्रथाओं के साथ-साथ अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण हर दिन महिलाओं को शिक्षा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। महिलाओं की शिक्षा एक रणनीतिक विकास प्राथमिकता है जो न केवल जीवन को आकार देने में मदद करेगी बल्कि राष्ट्र के विकास में भी योगदान देगी। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी भारत के कई हिस्सों में बालिका के जन्म का स्वागत नहीं किया जाता है। उपाध्याय ने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ ने वर्ष 2020-21 में बेटी को शिक्षा और सम्मान का शुभारंभ किया। बेटी को शिक्षा और सम्मान परियोजना के तहत, वंचित परिवारों की वंचित लड़कियों के लिए शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए, वंचित और मेधावी छात्राओं को 1000 रुपये की मासिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे शैक्षणिक अवधि में अपनी पूरी क्षमता हासिल कर सकें। उन्होंने आगे बताया कि एनडीएमसी का शिक्षा विभाग विभिन्न एनडीएमसी स्कूलों से ऐसी मेधावी लड़कियों की पहचान करने में मदद करता है और आरसीडीएस जनवरी 2021 से एनडीएमसी स्कूलों में 225 से अधिक लड़कियों को 1000 रुपये प्रति माह की छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है। आरसीडीसी का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि लड़कियों को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करके आरसीडीसी परियोजना की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्कूल लाभार्थी की प्रगति की निगरानी के लिए आरसीडीएस का भी समर्थन करते हैं और परियोजना के तहत समर्थित प्रत्येक छात्र के त्रैमासिक रिपोर्ट कार्ड साझा करते हैं ताकि उनकी प्रगति पर नज़र रखी जा सके और यदि आवश्यक हो तो हस्तक्षेप के साथ समर्थन किया जा सके।

अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में मेरठ मण्डल के अन्तर्गत आने वाले समस्त जनपदों के गन्ना व आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रदेश में किसानों को समय से गन्ना भुगतान व आबकारी राजस्व बढ़ाने एवं शराब की ओवर रेटिंग पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आज अपर मुख्य सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास तथा आबकारी विभाग उत्तर प्रदेश शासन संजय आर भूसरेड्डी ने अपने जनपद गौतमबुद्धनगर भ्रमण के दौरान कलैक्ट्रेट सभागार में मेरठ मण्डल के समस्त जनपदों के आबकारी विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुये कहा कि आबकारी विभाग के माध्यम से प्रदेश सरकार को सबसे ज्यादा राजस्व प्राप्त होता है। इसलिए सम्बंधित अधिकारियों का ओर अधिक दायित्व बढ़ जाता है कि सभी शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अपने-अपने जनपद की कार्ययोजना तैयार करते हुये अपनी प्रगति रिपोर्ट तैयार करें। ताकि मुख्यमंत्री की मंशा को मूर्त रूप दिया जा सकें। उन्होंने समीक्षा के दौरान यह भी कहा कि वर्तमान सरकार के अथक प्रयासों से आबकारी विभाग के द्वारा प्रदेश भर मे गन्ना विभाग एवं आबकारी विभाग से संबंधित 99 सेनेटाइजर एवं अन्य प्रकार की औद्योगिक ईकाइ स्थापित करायी गयी।अपर मुख्य सचिव ने सर्वप्रथम आबकारी विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जनपदों में ओवर रेटिंग पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला आबकारी अधिकारी निरन्तर अभियान चलाकर ओवर रेटिंग करने वाले दुकानदारों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही अमल में लाये। साथ ही उन्होंने समस्त जिला आबकारी अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि उनके द्वारा किसी भी दुकान पर ओवर रेटिंग होते पाये जाने पर सेल्स मेन के साथ-साथ दुकान स्वामी के विरूद्ध भी कठोरत कार्यवाही की जाये। ताकि अन्य सेल्समेन व दुकान स्वामियों को एक संदेश जा सकें कि यदि भविष्य में उनके द्वारा भी ओवर रेटिंग की गयी तो उनके विरूद्ध भी इसी तरह की कार्यवाही की जा सकती है। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि सभी के द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में इस प्रकार अपनी कार्ययोजना तैयार की जायें कि उनकी प्रगति रिपोर्ट शासन की मंशा के अनुरूप तैयार हो सकें साथ ही लक्ष्यों के सापेक्ष अधिक से अधिक राजस्व की प्राप्ति संभव हो सके। अपर मुख्य सचिव के द्वारा आबकारी विभाग के माध्यम से चलायें जा रहे प्रवर्तन अभियान के कार्यो की सराहना की गयी और उन्होंने सभी अधिकारियों का आव्हान करते हुए कहा कि इसी प्रकार आगे भी समस्त अधिकारियों के द्वारा आबकारी राजस्व बढ़ाने एवं अवैध शराब की बिक्री रोकने के उद्देश्य से निरंतर स्तर पर प्रवर्तन के कार्य में और अधिक गतिशीलता लाई जाए।अपर मुख्य सचिव ने आबकारी विभाग के कार्यो की समीक्षा बैठक के उपरान्त गन्ना विकास एवं किसानों को गन्ना भुगतान समय से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुये कहा कि सभी चीनी मीलों के द्वारा मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप अपनी कार्ययोजना तैयार करते हुये किसानों को गन्ने का बकाया भुगतान समय से कराना सुनिश्चित करें। ताकि प्रदेश सरकार को लेकर किसानों में एक सकारात्मक संदेश जा सकें। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुये यह भी कहा कि सभी के द्वारा गन्ने का सर्वे करने की कार्ययोजना तैयार करते हुये 20 अप्रैल से 30 जून तक गन्ने सर्वे का कार्य पूर्ण करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायें। बैठक का सफल संचालन संयुक्त आबकारी आयुक्त मेरठ जोन मेरठ महेंद्र सिंह के द्वारा किया गया।

केजरीवाल सरकार ने इस वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए तय किया 35.38 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य : गोपाल राय

दिल्ली सचिवालय में आज वृक्षारोपण को लेकर सभी सम्बंधित विभागों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गई

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में आज वृक्षारोपण को लेकर सभी सम्बंधित विभागों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गई। इस बैठक में वन विभाग, एमसीडी, डीडीए , रेलवे, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, सीपीडब्लूडी, डीएसआईआईडीसी , बीएसईएस , एनडीपीएल आदि सभी संबंधित 19 विभागों के अधिकारी शामिल रहे ।

बैठक के बाद दिल्ली सचिवालय में आयोजित महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता के दौरान पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि केजरीवाल सरकार द्वारा उठाए गए तमाम उपायों के परिणामस्वरूप दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इज़ाफ़ा देखा गया है 7 इसी दिशा में दिल्ली सरकार ने इस वित्त वर्ष 2022-23 में वृक्षारोपण महाअभियान के तहत लगभग 35 लाख 38 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। जिसको सभी सम्बंधित 19 विभागों की द्वारा पूरा किया जाएगा। इस अभियान के तहत लगभग विभागों द्वारा 29 लाख पौधे लगाए जाएंगे और साथ ही लगभग 7 लाख पौधों का मुफ्त वितरण किया जाएगा। वृक्षारोपण अभियान के तहत मई और जून महीने के दौरान मिट्टी तैयार करना, गड्ढे खोदना , पौधों की सैपलिंग तैयार करना , मिट्टी में खाद डालने का काम करने जैसे अन्य महत्वपूर्ण काम किये जाएंगे। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि मेगा प्लांटेशन ड्राइव जुलाई महीने से शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली में जहाँ साल 2013 में हरित क्षेत्र 20 फीसद था वह केजरीवाल सरकार के प्रयासों के कारण, साल 2021 में बढ़कर 23.06 फीसदी हो गया है। साथ ही शहरों के प्रति व्यक्ति फॉरेस्ट कवर के मामले में दिल्ली पूरे देश में नंबर वन हो गया है।

वृक्षारोपण महाअभियान पर ज़ोर डालते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के सभी निवासियों से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले 7 साथ ही सभी आरडब्लूए, गैर सरकारी संगठन और अन्य सभी सम्बन्धित एजेंसी जो इस क्षेत्र में काम कर रहे हो ,को भी इस अभियान का हिस्सा बनने की अपील कि है 7 इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने ग्रीन हेल्पलाइन नंबर - 1800118600 जारी किया है। जहाँ कॉल करके मेगा प्लांटेशन ड्राईव के बारे में डिटेल जानकारी ले सकते हैं।

सभी विभागों की थर्ड पार्टी ऑडिट कराने का निर्देश

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रेसवार्ता में कहा कि वृक्षारोपण अभियान के तहत दिल्ली में पिछले वर्ष लगाए गए पौधों की जीवित रहने की दर की जाँच करने के लिए सभी संबंधित विभागों को थर्ड पार्टी ऑडिट कराने का निर्देश दिया गया है। यदि किसी विभाग ने अभी तक थर्ड पार्टी ऑडिट ना कराया हो तो ,उसका ऑडिट महात्मा गाँधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ कम्बेटिंग क्लाइमेट चेंज (एमजीआईसीसीसी) से कराने के निर्देश जारी किये गए हैं। उन्होंने कहा कि आगे पौधारोपण से संबंधित थर्ड पार्टी ऑडिट इसी इंस्टिट्यूट से कराए जाएंगे।

प्रेसवार्ता में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के लोगो से निवेदन किया कि दिल्ली के पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सभी लोग अपनी सहभागिता दे । उन्होंने दिल्ली के लोगों से अपील कि की वह अपने उत्सव जैसे जन्म दिन, शादी की सालगिरह इत्यादि के अवसर पर वृक्षारोपण करें। इस अभियान से ना केवल दिल्ली के हरित क्षेत्र में वृद्धि होगी बल्कि भविष्य में प्रदूषण की समस्या से लड़ने का रोडमैप तैयार होगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा, एयर इंडिया के विमान से टकराया वाहन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर मंगलवार को बड़ा हादसा होते बच गया। यहां एयर इंडिया के एक विमान को पीछे करते हुए (पुशबैक) करते हुए उसके टो व्हीकल में खराबी आ गई और वह विमान के नीचे जा घुसा। वाहन विमान के नोज से जा टकराया। हालांकि, घटना में जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। घटना के बाद हवाईअड्डे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। सूचना पर सभी बचाव दल मौके पर पहुंचे।

जानकारी के मुताबिक, सुबह दिल्ली से गुवाहटी जाने वाले विमान संख्या 889 को टो करने वाली गाड़ी पीछे कर रही थी। अचानक उसमें कुछ खराब आई और वह गाड़ी विमान से टकरा गई। तुरंत सुरक्षा अलर्ट जारी हुआ। मौके पर दमकल, स्वास्थ्य समेत सभी बचाव दल पहुंच गया। हालांकि, हादसे में सभी के सुरक्षित होने पर सबने राहत की सांस ली। इसके बाद यात्रियों को कुछ देरी से गुवाहाटी रवाना किया गया।

एयरलाइन समेत संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। वाहन चालक समेत मौके पर मौजूद अन्य कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। जिससे आगे ऐसे हादसों को रोका जा सके। इससे पूर्व 28 मार्च को दिल्ली से जम्मू जा रहा स्पाइस जेट का एक विमान पीछे करते हुए बिजली के खंभे से जा टकराया था। जिससे उसके दाहिने विंग को नुकसान पहुंचा था।

संपादकीय

रामनवमी पर कई राज्यों में हुए संघर्ष का असल कारण 'राजनीति' है

इकबाल का शेर है- है राम के वजूद पे हिंदोस्तां को नाज़। अहले-नज़र समझते हैं इसको इमामे हिंद!! राम को भगवान भी कहा जाता है और मर्यादा पुरुषोत्तम भी। लेकिन राम के नाम पर कौन-सी मर्यादा रखी गई ? राम को सांप्रदायिकता के कीचड़ में घसीट लिया गया।

इस बार भारत में हमने रामनवमी कैसे मनाई ? हमने रामनवमी को रावणनवमी में बदल दिया। देश के कई शहरों और गांवों में एक समुदाय के लोग दूसरे समुदाय से भिड़ गए। यहां तक की जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के छात्र, जिन्हें देश में अत्यंत प्रबुद्ध माना जाता है, वे भी आपस में भिड़ गए। कई शहरों में लाठियां, ईंट और गोलियां भी चलीं। कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस की ज्यादती के भी शिकार हुए। यह सब हुआ है, उसके जन्म दिन पर, जिसे अल्लामा इक़बाल ने 'इमामे हिंद' कहा है।

इकबाल का शेर है- है राम के वजूद पे हिंदोस्तां को नाज़। अहले-नज़र समझते हैं इसको इमामे हिंद!! राम को भगवान भी कहा जाता है और मर्यादा पुरुषोत्तम भी। लेकिन राम के नाम पर कौन-सी मर्यादा रखी गई ? राम को सांप्रदायिकता के कीचड़ में घसीट लिया गया। इसके लिए हमारे देश के वामपंथी और दक्षिणपंथी तथा हिंदू और मुसलमान, दोनों जिम्मेदार हैं।

यदि रामनवमी का उत्सव मना रहे पूजा-पाठी छात्र कह रहे हैं कि पूजा-स्थल के तंबू के पास ही छात्रावास में मांस पकाया और खिलाया जा रहा है तो उससे हमें दुर्गंध आती है तो उनका दिल रखते हुए मांसाहार कहीं और भी उस समय करवाया जा सकता था और यदि मांसाहारी छात्र चाहते तो पूजा के घंटे भर पहले या बाद में भी भोजन कर सकते थे लेकिन यह झगड़ा तो न राम से संबंधित था और न ही मांसाहार से! इसके मूल में संकीर्ण राजनीति थी। वामपंथ और दक्षिणपंथ की!

मांसाहार का समर्थन करने वालों में हिंदू छात्र भी थे। हिंदू मांसाहारी तो अपना औचित्य ठहराने के लिए भवभूति के ग्रंथ 'उत्तरराम चरित्रम', प्रसिद्ध तांत्रिक मत्स्येंद्रनाथ और गोरखनाथ और चार्वाक के मद्यं, मांसं, मीनश्च, मुद्रा, मैथुनमेव च श्लोक तथा उपनिषदों के कई प्रकरणों को भी उद्धृत कर डालते हैं। वे वेदमंत्रों के भी मनमाने अर्थ लगा डालते हैं लेकिन वे वैज्ञानिकों और अर्थशास्त्रियों के उन तथ्यों और तर्कों को मानने के लिए कभी भी तैयार नहीं होते कि मांसाहार स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए घाटे का सौदा है।

इसी तरह कुछ शहरों में मंदिरों और मस्जिदों के आगे भी बम फोड़े गए, पत्थर मारे गए और गोलियां तक चलीं। आप क्या समझते हैं कि यह काम किसी सच्चे ईश्वरभक्त या अल्लाह के बंदे का हो सकता है ? बिल्कुल नहीं! यदि कोई सच्चा ईश्वरभक्त या अल्लाह का बंदा है तो उसके लिए ईश्वर और अल्लाह अलग-अलग कैसे हो सकते हैं ? वह तो एक ही है।

बस, उसकी भक्ति के रूप अलग-अलग हैं। ये रूप देश-काल और परिस्थितियों से तय होते हैं। यदि सारे विश्व में देश-काल और परिस्थितियां एक-जैसी होतीं तो इतने सारे धर्म, मजहब, रिलीजन होते ही नहीं। इस विविधता को धर्मांध लोग नहीं समझ पाते हैं। इसीलिए वे रामनवमी को रावणनवमी बना डालते हैं। किसी शायर ने क्या खूब लिखा है:

आए दिन होते हैं, मंदिरों-मस्जिद के झगड़े,
दिल में ईंट भरी हैं, लबों पर खुदा होता है।

भारत अमेरिका टू प्लस टू बातचीत

भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तरपर ख्याति, रुतबे और सम्मान में बीते कुछ वर्षों से लगातार बढ़ोतरी हो रही है जो हम प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिकमीडिया में आए पूर्ण विकसित देशों से लेकर विकासशील और कम आर्थिक हालत के देशों तक के बारे में आई रिपोर्टिंग में देखो सुन वह पढ़ रहे हैं जिसमें सबसे अधिक ताकतवर हमारी विदेश नीति और भारत का नेतृत्व रहा है जिसके बल पर आज भारत की वाहवाही हो रही है!!! भारत तारीफ़ पड़ोसी मुल्क के पूर्व पीएम से लेकर अमेरिका जैसे विकसित देश भी कर रहे हैं

साथियों बात अगर हम दिनांक 11 अप्रैल 2022 को देर रात्रि तक दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की बातचीत की करें तो दोनों की बातचीत,बॉडी लैंग्वेजेस से काफी सकारात्मक महसूस हो रहीथी जो टीवी चैनलों पर दिखाई दे रहा था बातचीत के तुरंत बाद व्हाइट हाउस केट्वीट्स आए कि भारत ने रूस से तेल खरीदी करने में कोई शर्तों का उल्लंघन नहीं किया है। बातचीत को काफी सफल बताया और दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने भी अपने संयुक्त संबोधन में शीर्ष नेतृत्व के बातचीत से दिशा मिलने की बात कही।

साथियों हमें याद होगा कि भारत के हाल ही में यूक्रेन-रूस मुद्दे पर अनेक अंतरराष्ट्रीय फोरम पर चुनाव में गैरहाजिर रहकर अंतरराष्ट्रीय स्तरपर तटस्थता का परिचय दिया था और रूस और अमेरिका दोनों देशों व उनके शीर्ष नेतृत्व से भारत की लगातार बातचीत हो रही है जिसमें मेरा मानना है कि कहीं ना कहीं अमेरिका को ऐसा लग रहा है कि भारत दोनों देशों में युद्धविराम पर महत्वपूर्ण रोल अदा कर सकता है इसलिए भारत के प्रति अमेरिका का रुख़ अच्छा सकारात्मक, साझेदार और मजबूत प्रतीत होता है और वैश्विक साझेदारी की बात भी चल रही है। टीवी चैनलों पर भारतीय पीएम के वर्चुअल संवाद को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन सहित वहां के विदेश मंत्री भारतीय रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री के साथ बैठे देख सुन रहे थे ऐसा टीवी चैनलों पर दिखाया गया जो काबिले तारीफ है।

साथियों बात अगर हम हाल ही में अविश्वास प्रस्ताव में हारे हमारे पड़ोसी मुल्क के पीएम करें तो उन्होंने अपने बयान में कहा था कि उनके रूस जाने पर अमेरिका नें नाराज होकर सरकार गिराने की साजिश की है जिसे अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ख़ारिज किया था और उन्होंने भारत का उदाहरण देकर कहा था कि वह उनके साथ ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि उनकी विदेश नीति और ख्याति बहुत मज़बूत है इसी से हम अंदाज लगा सकते हैं कि हमारे रूस के साथ मज़बूत संबंध और तेल खरीदनेपर भी अमेरिका शर्तों का उल्लंघन नहीं मान रहा है, जबकि यहां कोई दूसरा छोटा देश रहता तो ऐसी बात नहीं होती उसपर दबाव बढ़ जाता हमारे भारत की नीतियां, रुतबा, ख्याति कार्यशैली, स्वभाव सहित वर्चस्व ऐसा है कि आज किसी देश की हिम्मत नहीं कि भारत की ओर आंख उठाकर देख सके।

साथियों बात अगर हम कोरोना महामारी में भारत की वैश्विक मदद की करें तो भारत मे से अनेक विकसितऔर विकासशील और आर्थिक रुप से कमजोर देशों को अपनी फार्मा कंपनियों से अनेक दवाइयां और अनेक देशों को वैक्सिन उपलब्ध कराकर लाखों लोगों की जिंदगीयां बचाई है।

साथीयों बात अगर हम भारत अमेरिका के दोनों शीर्ष नेताओं की 11 अप्रैल 2022 को देर रात्रि तक चली वर्चुअल मीटिंग की करें तो पीआईबी के अनुसार,भारतीय पीएम ने कहा, आज की हमारी बातचीत ऐसे समय पर हो रही है जब यूक्रेन में स्थिति बहुत चिंताजनक बनी हुई है। कुछ सप्ताह पहले तक, बीस हज़ार से अधिक भारतीय यूक्रेन में फंसे हुए थे। और इनमें से अधिकांश युवा छात्र थे। काफ़ी मेहनत के बाद, हम उन्हें वहां से सकुशल निकालने में सफ़ल हुए, हालाँकि एक छात्र ने अपना जीवन खो दिया।

पर्यावरण चिंतन : प्लास्टिक की खोज और उसके पर्यावरणीय खतरे

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में वातावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कुछ प्रमुख कारकों में से प्लास्टिक एक प्रमुख कारक है। 'प्लास्टिक' शब्द ग्रीक शब्द प्लास्टिकोज और प्लास्टोज से बना है, जिसका अर्थ है जो लचीला है या जिसे ढ़ाला, मोड़ा या मनमर्जी का आकार दिया जा सके। 21वीं सदी में पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में प्लास्टिक बहुत बड़ी समस्या के रूप में उभरकर सामने आया है, जिसके खतरों से पूरी दुनिया त्रस्त है। कनाडा के हैलीफैक्स शहर में तो वर्ष 2018 में प्लास्टिक कचरे के ही कारण इमरजेंसी लगानी पड़ी थी। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या दिनों-दिन विकराल हो रही है, जो न केवल हर दृष्टि से प्रकृति पर भारी पड़ रही है बल्कि मानव जाति के साथ-साथ धरती पर विद्यमान हर प्राणी के जीवन के लिए भी बड़ा खतरा बनकर उभर रही है। यही कारण है कि भारत सरकार द्वारा देश को 'सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त भारत' बनाने की दिशा में 1 जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाए जाने की घोषणा की जा चुकी है। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार उसके बाद पॉलीस्टाइनिन और एक्सपैंडेड पॉलीस्टाइनिन सहित सिंगल यूज वाले प्लास्टिक के उत्पादन, आयात, भण्डारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।

प्लास्टिक में बहुत सारे ऐसे रसायन होते हैं, जो कैंसर और हृदय रोग सहित कई गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। आज प्लास्टिक कचरे से देश का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं है और प्लास्टिक अब आम जनजीवन का इस कदर अहम हिस्सा बन चुका है कि तमाम प्रयासों के बावजूद इस पर अंकुश लगाने में सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही है, न ही अब तक इसका कोई भरोसेमंद विकल्प खोजा जा सका है। यह जान लेना भी दिलचस्प और जरूरी है कि प्लास्टिक की खोज कब और कैसे हुई थी ? हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से पर्यावरण पर प्रकाशित अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने इसका उल्लेख विस्तार से किया है। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक के मुताबिक मनुष्य निर्मित प्लास्टिक 'पार्केसाइन' का पेटेंट सबसे पहले वर्ष 1856 में बर्मिंघम इंग्लैंड के अलेक्जेंडर पार्क्स ने कराया था, जो 1862 में अपने वास्तविक रूप में दुनिया के सामने उस समय आया था, जब पहली बार 1862 में लंदन की अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में उसे रखा गया था। प्राकृतिक रबर, जिलेटिन, कोलेजीन, नाइट्रोसेल्युलोज जैसे पदार्थ प्लास्टिक के पहले उपलब्ध पदार्थ थे। 1866 में अलेक्जेंडर पार्क्स ने पार्केसाइन कम्पनी बनाकर इसका बड़े स्तर पर उत्पादन शुरू किया। पॉलिथीन दुनिया का सबसे लोकप्रिय प्लास्टिक है, जिसे सबसे पहले जर्मनी के हैंस वोन पैचमान ने वर्ष 1898 में अचानक ही खोज लिया था। प्रयोगशाला में एक प्रयोग करते समय उन्होंने सफेद रंग के मोम जैसा एक पदार्थ बनते देखा, जिसका नाम पॉलिथीन रखा गया। 1900 में पूरी तरह से सिंथेटिक, फिनोल और फॉर्मेल्डीहाइड का उपयोग करके प्लास्टिक बनाना शुरू कर दिया गया था और जर्मनी तथा फ्रांस में कैसीन से निर्मित प्लास्टिक का व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ हो गया था।

बेल्जियम मूल के अमेरिकी नागरिक डा. लियो हेंड्रिक बैकलैंड ने भी प्लास्टिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिन्होंने 1907 में फेनॉल तथा फॉर्मेल्डीहाइड की अभिक्रिया में कुछ परिवर्तन करके सिंथेटिक पद्धति से एक ऐसा प्लास्टिक निर्मित किया, जिसका उपयोग कई उद्योगों में किया जा सकता था। उन्होंने फेनॉल तथा फॉर्मेल्डीहाइड को मिलाकर गर्म किया, जिसे ठंडा करने पर एक कठोर पदार्थ मिला। बाद में उन्होंने इसमें लकड़ी का बुरादा, एस्बेस्टस और स्लेट पाउडर मिलाकर कई और चीजें भी बनाई। बेकलैंड के नाम पर ही उस नए प्लास्टिक का नाम 1912 में 'बैकेलाइट' रखा गया था। अपने इस आविष्कार के बाद बैकलैंड ने कहा भी था कि अगर वह गलत नहीं हैं तो उनका यह अविष्कार (बैकेलाइट) भविष्य के लिए अहम साबित होगा। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद प्लास्टिक बनाने की तकनीक में जबरदस्त विकास हुआ। औद्योगिक रूप से पॉलिथीन का आविष्कार 27 मार्च 1933 को ब्रिटेन के चेशायर प्रांत के नॉर्थविच शहर में दुर्घटनावश हुआ था। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में बताया गया है कि कैमिस्टों की एक टीम आईसीआई वेलरस्कॉट प्लांट में पॉलीमर की खोज कर रही थी। उसी खोज के दौरान एक रात उनका यह प्रयास दुर्घटनावश विफल हो गया लेकिन उसी खोज के दौरान सफेद रंग का एक पदार्थ निकला, जो खोजकर्ताओं के अनुसार बिल्कुल सही नहीं था। वहां मौजूद युवा कैमस्टि जॉर्ज फीचम इस आविष्कार के गवाह बने थे। हालांकि उस वक्त वह भी नहीं जानते थे कि यह तरल पदार्थ क्या है और यह अच्छा है या बुरा। इसी पदार्थ ने औद्योगिक रूप से पॉलिथीन का रूप ले लिया। दैनिक जीवन में इस्तेमाल की जा सकने पॉलिथीन की इसी खोज को दुनियाभर में मान्यता मिली।

प्लास्टिक की खोज मानव सभ्यता के लिए एक क्रांतिकारी खोज इसलिए मानी गई थी क्योंकि उससे पहले जो वस्तुएं लोहा, लकड़ी इत्यादि अन्य पदार्थों से बनाई जाती थी, ऐसी बहुत सी वस्तुएं प्लास्टिक से बनाई जाने लगी। दरअसल प्लास्टिक अन्य पदार्थों की तुलना में कई कारणों से बेहतर था। इससे बनाई जाने वाली वस्तुएं न तो जल्दी से टूटती हैं, न ही लकड़ी या कागज की भांति सड़ती हैं और न ही किसी भी वातावरण के अंदर इन वस्तुओं पर लोहे की भांति जंग लगता है। प्लास्टिक के ऊपर जल्दी से किसी भी प्रकार के वातावरण का प्रभाव नहीं पड़ता। प्लास्टिक से बनी वस्तुएं लोहे या अन्य धातुओं से बनी वस्तुओं के मुकाबले सस्ती और लंबे समय तक टिकने वाली होती हैं, इसीलिए आधुनिक युग में प्लास्टिक का उपयोग निरन्तर बढ़ता गया। प्लास्टिक चूंकि विद्युत का कुचालक होता है और इसकी आयु भी बहुत लंबी होती है, इसलिए इसकी इन्हीं खूबियों को देखते हुए इससे विद्युतीय उपकरण भी बनाए जाते हैं। प्लास्टिक की सबसे बड़ी विशेषता है इसे आसानी से किसी भी आकार में बदल सकना तथा इसके अंदर कोई और पदार्थ मिलाकर अन्य वस्तुएं बना लेना, जो बहुत टिकाऊ साबित होती हैं। यही कारण है कि प्लास्टिक आज हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग बन चुका है, जिसका इस्तेमाल हमारी रोजमर्रा की हर तरह की जरूरतें पूरी करने में हो रहा है। पिछली सदी में जब विविध रूपों में प्लास्टिक की खोज की गई थी तो इसे मानव सभ्यता और विज्ञान की बहुत बड़ी सफलता माना गया था किन्तु आज यही प्लास्टिक पृथ्वीवासियों के जी का जंजाल बन गया है, इसीलिए इससे छुटकारा पाने के लिए शुरूआती चरण में सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति की दिशा में कदम आगे बढ़ाए गए हैं। दरअसल 'स्वच्छ भारत अभियान' में पॉलिथीन आज सबसे बड़ी बाधा है और सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाए जाने का कारण यही है कि यदि इसका प्रयोग नहीं रोका गया तो भू-रक्षण का नया स्वरूप सामने आएगा और फिर जमीन की उत्पादकता वापस प्राप्त करना नामुमकिन होगा। विकास के साथ-साथ देश के तमाम शहरों में प्लास्टिक कचरा बढ़ रहा है और इसी कारण चारों ओर बिखरी पॉलीथीन के चलते लगभग सभी शहरों में ड्रेनेज सिस्टम ठप्प पड़े रहते हैं। नॉन बायोडिग्रेडेयल प्लास्टिक थैलियों को जमीन में विघटित होकर नष्ट होने में करीब एक हजार साल लंबा समय लगता है, जिसका सीधा और स्पष्ट अर्थ है कि हम अपनी थोड़ी सी सुविधाओं के लिए इन थैलियों का इस्तेमाल कर धरती को अगले एक हजार वर्षों के लिए प्रदूषित कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की बेहतरी के लिए प्लास्टिक के विभिन्न रूपों पर प्रतिबंध लगाया जाना अब समय की सबसे बड़ी मांग है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के रचनाकार हैं)

शिक्षा में जितने सारे विकल्प आज हैं पहले कभी नहीं रहे

टॉकिंग पॉइंट्स / नरविजय यादव

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से बीएससी करने जब मैं प्रयागराज पहुंचा था, तब विषयों का चुनाव बड़ा सीमित था। जूलोजी, बॉटनी के साथ कैमिस्ट्री लेना अनिवार्य होता था। मुझे कैमिस्ट्री पसंद नहीं थी, फिर भी यह विषय मुझे झेलना पड़ा। इस सब के बाद भी रोजगार के बाजार में इस डिग्री की कोई वैल्यू नहीं थी। इसके बूते डायरेक्ट जॉब पाने के अवसर भी बेहद सीमित थे। लगता है कि हमने वह तीन साल व्यर्थ कर दिए। न उनसे कोई ज्ञान मिला, न रोजगार। परंतु आज ऐसा नहीं है। वर्तमान छात्रों को पढ़ने लिखने के सैकड़ों विकल्प और साधन उपलब्ध हैं और उसके बाद रोजगार के भी रंगबिरंगे अवसर मिल रहे हैं। भले ही महामारी ने छात्रों के दो साल खराब कर दिए या कहें कि उनकी पढ़ाई सुचारु ढंग से नहीं हो पाई। दूसरी ओर, यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) एक नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। यूजीसी 2022-23 सत्र के लिए एक नियम बनाने जा रहा है, जिसके तहत छात्रों को दो डिग्री कोर्स एक साथ करने की छूट होगी। अभी यह सहूलियत नहीं है।

नए नियम जारी होने के बाद, एक ही यूनिवर्सिटी से अथवा अलग-अलग संस्थानों से दो अलग-अलग कोर्स एक साथ किए जा सकेंगे और दोनों को पूर्ण सरकारी मान्यता होगी। विद्यार्थी चाहें तो एक डिग्री कोर्स यहां से करते हुए, दूसरी डिग्री ऑनलाइन अथवा अन्य माध्यम से किसी विदेश यूनिवर्सिटी से भी कर सकेंगे। इस तरह से विद्यार्थियों का समय बचेगा। यूजीसी देश के सभी विश्वविद्यालयों को आपस में जोड़ने भी जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को आधी पढ़ाई एक यूनिवर्सिटी से और बाकी आधी पढ़ाई दूसरी किसी यूनिवर्सिटी से जारी रखने की सहूलियत मिल सकेगी। कहते हैं कि जो किसी और काम का नहीं होता, उसके लिए राजनीति का विकल्प खुला रहता है। यह एक ऐसा कॅरियर है जिसमें न उम्र का बंधन है, न पढ़ाई लिखाई की कोई मांग है। बस थोड़ा समय रोज देते रहो किसी पार्टी या नेता को, धीरे धीरे कहीं न कहीं जगह बन जाएगी। ज्यादा बड़े पद की जरूरत भी नहीं है, विधायक बनना भी काफी है मालामाल होने के लिए।

देश के लगभग सभी राज्यों में, नेताओं को पांच साल तक विधायक रहने पर मोटी तनख्वाह, रौब रुतबा, सरकारी सुविधाएं मिलती हैं और बाद में पेंशन लग जाती है। दूसरी या तीसरी बार विधायक बनने पर पेंशन की राशि दोगुनी तिगुनी होती जाती है। यह मुफ्त की कमाई जीवन भर चलती रहती है। एक आरटीआई के माध्यम से मीडिया में सामने आई जानकारी से पता चला है कि हरियाणा के पूर्व विधायक कैप्टन अजय यादव को सबसे ज्यादा 2.38 लाख रुपए महीने की पेंशन मिल रही है। प्रदेश के 18 अन्य नेताओं की पेंशन डेढ़ लाख रुपए से अधिक है।

हरियाणा सरकार 275 पूर्व विधायकों और 128 पूर्व विधायकों के आश्रितों की पारिवारिक पेंशन पर हर साल 29 करोड़ रुपए खर्च करती है। जनता के पैसे का इस तरह से दुरुपयोग होता है। सबसे अधिक पारिवारिक पेंशन 99,619 रुपए पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल की पत्नी को प्रतिमाह दी जा रही है। हिमाचल प्रदेश में पूर्व विधायक को 82 हजार रुपए पेंशन के मिलते हैँ और दोबारा तिबारा विधायक बनने पर 2 हजार रुपए जुड़ते जाते हैं।

कुल मिलाकर राजनीति में पैसे और पॉवर की बरसात होती रहती है।

भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की स्वायत्तता पर मंडराता ख़तरा एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की साख पर संदेह

अभी हाल ही में भारत की संसद ने जो विधेयक पास किया है उससे लगता है कि भारत सरकार में बैठे कुछ उच्च अधिकारियों को भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की कार्य पद्धति एवं निष्पक्षता पर संदेह हुआ है, जो इस विधेयक के माध्यम से प्रदर्शित हुआ है। वैसे इस विधेयक से संस्था की रोजमर्रा की कार्य प्रणाली पर कोई विशेष असर नहीं पड़ेगा परन्तु इस विधेयक से संस्थान की स्वायत्तता को गहरी चोट लगी है। भारत का चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान पिछले 70 वर्षों से बड़ी प्रमाणिकता के साथ वित्तीय लेन-देन, लेखा-जोखा एवं अंकेक्षण के क्षेत्र में उच्च मापदण्ड को स्थापित करने के साथ ही उनके नियमन का कार्य बड़े ही प्रभावी ढ़ंग से कर रहा है। संस्थान की प्रमाणिकता की साख भारत में ही नहीं पूरे विश्व में फैली हुई है। संस्थान द्वारा तैयार किये गये चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विश्व के आर्थिक जगत में अपने कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। विश्व एवं भारत में आज ऐसी कोई कम्पनी नहीं है, जहाँ पर भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ न दे रहा हो। उद्योगों, व्यापार, व्यवसाय, सेवा क्षेत्र, चाहे छोटा हो या बड़ा चार्टर्ड एकाउंटेंट के बिना सहयोग के नहीं चल रहा है।

संस्थान द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेट बनाने की बड़ी ही कठिन प्रक्रिया है, जिसमें विद्यार्थी को सघन ज्ञान, उच्च कार्यक्षमता एवं व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होने के बाद ही चार्टर्ड एकाउंटेट का प्रमाण-पत्र प्राप्त होता है। इस प्रक्रिया में हर वर्ष लाखों विद्यार्थी परीक्षा देते हैं। उनमें कुछ हजार ही पास होते हैं, जिनके पास होने का प्रतिशत ही 10 से 15 प्रतिशत मात्र होता है। सी.ए. विद्यार्थी घनघोर परिश्रम एवं बामुश्किल ट्रेनिंग करने के बाद ही सी.ए. संस्थान की सदस्यता प्राप्त कर पाता है। हाल ही के दिनों में कुछ सी.ए. संस्थान एवं सी.ए. की साख पर प्रश्नचिह्न खड़ा हुआ है परन्तु इसका मतलब यह नहीं है कि 70 वर्षों से ईमानदारी और पूरी प्रमाणिकता के साथ रात-दिन मेहनत करने वाले सी.ए. की साख पर प्रश्नचिह्न लगाया जाए एवं उनके संस्थान की स्वायत्तता पर चोट की जाए। वर्तमान में देश एवं विदेश में भारतीय चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स की संख्या 3,27,081 है। सरकार में बैठे अधिकारियों को यह बात ध्यान देनी चाहिए कि सी.ए.संस्थान से पास होकर जो सी.ए. निकले हैं उनमें से 80 प्रतिशत से ज्यादा तो औद्योगिक एवं व्यवसायिक संस्थानों में नौकरी कर रहे हैं और वे अपना दायित्व रात-दिन मेहनत करते हुए पूरी ईमानदारी के साथ निभा रहे हैं। सभी अपने-अपने औद्योगिक एवं व्यवसायिक संस्थानों में आर्थिक अनुशासन बनाए हुए हैं। सरकार के सारे नियमों का उचित पालन कर रहे हैं। उनको हम कैसे बदनाम कर सकते हैं। जो भी आरोप है वह सिर्फ उन सी.ए. पर है, जो सी.ए. की प्रैक्टिस कर रहे हैं। उसमें भी अपने दायित्व को निभाते हुए हुई मानवीय चूक, लापरवाही, गलतफहमी एवं उद्देश्यपूर्ण गलती में अन्तर करना चाहिए। सी.ए. के अंकेक्षण को या उसके अन्य कार्यों को सी.बी.आई. की या पुलिस की या सी.ए.जी. की जाँच से तुलना नहीं करनी चाहिए। सामाजिक मूल्यों एवं नैतिकता में गिरावट हर क्षेत्र में आयी है, चाहे वह राजनीति हो, नौकरशाही हो, न्याय व्यवस्था हो या अन्य सामाजिक कार्य जब सम्पूर्ण समाज ही नैतिक पतन के दौर से गुजर रहा हो तो कुछ सी.ए. का पथभ्रष्ट होना कोई बड़ी बात नहीं है। उनको सजा दिलाने के लिए हमारी न्याय व्यवस्था में पर्याप्त कानून है। इसलिए वर्तमान विधेयक सी.ए. संस्थान एवं सी.ए. को लक्ष्य करते हुए संसद में पास किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। जो कानून पास किया गया है उसमें कई बातें हैं परन्तु सबसे विचारणीय बात यह है कि किसी सी.ए. के विरुद्ध यदि कोई शिकायत होती है तो उसकी जाँच करने के लिए जो समिति बनेगी उसका अध्यक्ष एवं अधिकतर सदस्य वे होंगे जो सी.ए. नहीं हैं। सी.ए. अपने वैधानिक दायित्वों का निर्वाह जटिल प्रक्रिया को पूरा करते हुए सभी स्थापित नियमों, कानूनों, मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए करता है, इसमें हुई लापरवाही या उद्देश्यपूर्ण की गई गलतियों की जाँच एक व्यक्ति जोकि सी.ए. नहीं है, प्रारम्भिक स्तर पर कभी नहीं कर सकता। सी.ए. समुदाय से अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करे, धन अर्जन करने की अंधी दौड़ में शामिल न होकर अपने संवैधानिक एवं नैतिक दायित्वों का उचित पालन करे और आपसी संगठन पर जोर दे। साथ ही सी.ए. संस्थान के निर्वाचित सी.ए. सदस्यों को भी चाहिए कि वे अपने संस्थान को और भी जिम्मेदारी से चलाएँ। सरकार को अपने अच्छे कार्यों के लेखा-जोखा से समय-समय पर ठीक से अवगत करवायें। इन निर्वाचित सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने व्यक्तिगत हितों को तिलांजलि देकर सी.ए. समुदाय के हित में काम करें और कार्य वितरण की विशाल असमानता को सरकार के साथ मिलकर दूर करें। साथ ही सी.ए. के दायित्व निर्वाह में स्वतंत्रता को सुनिश्चित करें।

सरकार में बैठे अधिकारियों को सी.ए. पेशे का समुचित अध्ययन कर उनके नियमों का निर्णय करना चाहिए। उन्हें इस बात का ध्यान रहना चाहिए कि सी.ए. पेशे के कार्य के वितरण में बड़ी असमानताएँ हैं। देश का सी.ए. पेशे का 90 प्रतिशत कार्य 10 प्रतिशत सी.ए. फर्मों के पास है, बाकी का 10 प्रतिशत कार्य 90 प्रतिशत सी.ए. फर्मों के पास है। यह बात भी सरकार में बैठे उच्च अधिकारियों को ध्यान होनी चाहिए कि जिस व्यापारिक संस्थान का लेखा-जोखा जाँचकर उसे निष्पक्ष रिपोर्ट देनी है, उसका नियोक्ता भी वही है। इस परिस्थिति में नियोक्ता के विरुद्ध लिखना कितना दुर्गम कार्य होता है। सी.ए. को अपने कार्य करने की स्वतंत्रता बिल्कुल भी नहीं है। उसकी क्षमता का 10 प्रतिशत भी उपयोग नहीं हो पा रहा है। सरकार को चाहिए कि उसकी क्षमता का पूर्ण उपयोग हो और उसे सम्मानजनक पारिश्रमिक मिले। यदि ऐसा होता है तो ये जो छोटी-मोटी लापरवाहियाँ सी.ए. द्वारा हो जाती हैं या चन्द लोग उद्देश्यपूर्ण अनियमितताओं में लिप्त हो जाते हैं वे स्वत: रुकेंगी।

इस सम्बन्ध में सी.ए. संस्थान एवं सी.ए. पेशे में कार्यरत वरिष्ठ लोगों के साथ बैठकर उनके सुझाव एवं सहयोग लेते हुए सी.ए. संस्थान के नियमन की पुन: रचना करना उचित होगा।

!!जय हिन्द!!

लेखक
-डॉ. अशोक कुमार गदिया
चेयरमैन, मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस
वसुंधरा, सेक्टर 4सी, ग़ाज़ियाबाद

भावनाओं को व्यक्त!

क्यों होते हैं हम स्वयं के साथ सख्त,
चलो करें, अपनी भावनाओं को व्यक्त,
चिकित्सक भी होता है कभी बीमार,
उसको भी जरूरत पड़ता है एक चिकित्सक!
हां हम सभी को है हक,
तो किस बात का है मन में शक,
एक बालक की तरह कर दे सब बयां,
स्वयं पर और अपनों पर भी भरोसा रख!
चल स्वयं को हृदय से परख,
जन्नत सी जिंदगी को क्यों बनाए नरक,
समझदारी में अपनी मासूमियत कहीं ना खोदे,
ना रहे, स्वयं के अंदर कोई कसक!
क्यों होते हैं हम स्वयं के साथ सख्त,
चलो करें, अपनी भावनाओं को व्यक्त,
चिकित्सक भी होता है कभी बीमार,
उसको भी जरूरत पड़ता है एक चिकित्सक!

डॉ. माध्वी बोरसे!
(स्वरचित व मौलिक रचना)
राजस्थान (रावतभाटा)

शार्ट न्यूज

उप्र विप चुनाव : वाराणसी सीट पर 24 साल से ब्रजेश सिंह परिवार का कब्जा बरकरार

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्थानीय निकाय प्राधिकारी चुनाव में वाली 36 सीटों पर हो रहे चुनाव में एक बार फिर वाराणसी सीट पर जेल में बंद माफिया ब्रजेश सिंह के परिवार का कब्जा बरकरार रहा। इस सीट पर मंगलवार को हुयी मतगणना का अंतिम दौर पूरा होने के उपरांत निर्दलीय प्रत्याशी अन्नपूर्णा सिंह को सर्वाधिक 4234 वोट मिले। वह ब्रजेश सिंह की पत्नी हैं और लगातार दूसरी बार इस सीट से विधान परिषद का चुनाव बतौर निर्दलीय उम्मीदवार जीती हैं। गौरतलब है कि इस सीट पर 1998 से ही निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ब्रजेश सिंह परिवार का ही कोई सदस्य चुनाव जीतता रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा घोषित चुनाव परिणाम के अनुसार इस चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार उमेश यादव को मात्र 345 और भाजपा के उम्मीदवार डा सुदामा पटेल को 170 वोट मिले। इस सीट पर कुल 4876 मत में से 127 मतपत्र निरस्त घोषित किये गये। निरस्त मत को हटाते हुए कुल वैध मत 4749 पड़े। इस प्रकार अन्नपूर्णा सिंह विजयी घोषित की गयीं।

मुरादाबाद-बिजनौर सीट पर भाजपा के सत्यपाल विजयी घोषित

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन वाली 36 सीटों पर हुए चुनाव में मंगलवार को मतगणना के आधार पर घोषित चुनाव परिणाम में मुरादाबाद-बिजनौर निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सैनी निर्वाचित हुए हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार भाजपा के सैनी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी (सपा) के अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय मलिक को 5553 मतों से पराजित कर दिया। सपा का गढ़ माने गये मुरादाबाद मंडल में इस हार से पार्टी को करारा झटका लगा है।गौरतलब है कि मुरादाबाद-बिजनौर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के लिए मुरादाबाद, संभल, अमरोहा और बिजनौर जिलों में बनाए गए 35 मतदान केंद्रों पर नौ अप्रैल को मतदान हुआ था। इस सीट पर कुल 8084 मतदाताओं में से 7747 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था।

जौनपुर में भाजपा प्रत्याशी बृजेश सिंह 'प्रिंशू' 2357 मतों से जीते

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र की 27 सीटों पर मंगलवार को हो रही मतगणना में जौनपुर सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी बृजेश सिंह 'प्रिंशू' 2352 मत से चुनाव जीत गये हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से प्रिंशू के निर्वाचन की औपचारिक घोषणा होना शेष है। अंतिम दौर की मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी को 3129 वोट मिले। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी (सपा) के डा मनोज कुमार यादव को 772 मत मिले। जिला मुख्यालय जौनपुर में मतगणना का कार्य कड़ी सुरक्षा के बीच आज सुबह 08 बजे से शुरू हुआ। भाजपा प्रत्याशी प्रिंशू ने पहले राउंड की मतगणना से ही बढ़त कायम कर ली थी। अंतिम दौर की मतगणना पूरी होने पर निर्दलीय प्रत्याशी भानु प्रकाश को मत 9 वोट मिले, जबकि 51 वोट अवैध करार दिये गये। इस सीट पर कुल 4031 वोट में से 3961 वोट डाले गये थे।

बाराबंकी में सड़क हादसे में तीन मरे

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी के रामसनेहीघाट क्षेत्र में मंगलवार को ट्रक से भिड़ंत में पिकअप सवार नाबालिग चचेरे भाइयों समेत तीन लोगों की मृत्यु हो गयी। पुलिस ने बताया कि लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर मोहम्मदपुर गांव के पास सुबह यह हादसा उस समय हुआ जब बर्फ लदी पिकअप को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप के चालक और बर्फ खरीदने आए दो नाबालिग चचेरे भाइयों की मौत हो गई। उन्होने बताया कि पनई का पुरवा निवासी राजेंद (32) कोल्ड स्टोर से क्षेत्र में बर्फ की सप्लाई करता था। रोज की तरह आज सुबह वह रास्ते में बर्फ की सप्लाई करते हुए मोहम्मदपुर स्थित प्रधान ढाबे के निकट सड़क के किनारे पिकअप खड़ी करके वर्फ बेच रहा था। इस दौरान थोरथिया गांव निवासी दुर्गेश (14) तथा उसका चचेरा भाई जय नारायण (15) बर्फ खरीदने आए थे। चालक दोनों किशोरों को बर्फ दे रहा था। इसी बीच लखनऊ की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कंटेनर ने खड़ी पिकअप में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बर्फ दे रहे राजेंद्र तथा बर्फ खरीद रहे दुर्गेश व जय नारायण की मौके पर मौत हो गई। कंटेनर ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

उप्र विप चुनाव : योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह रायबरेली से चुनाव जीते

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्थानीय प्राधिकार निर्वाचन वाली 36 सीटों पर हुए चुनाव में मंगलवार को मतगणना के बाद रायबरेली सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और योगी सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह को निर्वाचित घोषित किया गया है। उन्होंने 2175 मतों से जीत दर्ज कर उच्च सदन में जीत की हैट्रिक लगाई। जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से दी गयी जानकारी के मुताबिक भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को 2304 मत मिले, जबकि सपा प्रत्याशी वीरेंद्र शंकर सिंह को मात्र 129 वोट मिले। इसके अलावा निर्दलीय प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह को और मनीष कौशल को 4-4 वोट मिले। गौरतलब है कि उन्होंने विधान परिषद के पिछले दो चुनाव कांग्रेस के टिकट पर जीते थे। विधानसभा चुनाव के बाद नवगठित योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में सिंह को उद्यान एवं कृषि विपणन विभाग का राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। उन्होंने 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को रायबरेली संसदीय क्षेत्र से कड़ी टक्कर दी थी।

उप्र विप चुनाव : बलिया सीट पर चंद्रशेखर के पौत्र भाजपा के टिकट पर जीते चुनाव

बलिया। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्थानीय निकाय प्राधिकार वाली 36 सीटों पर हो रहे चुनाव में मंगलवार को मतगणना के बाद बलिया सीट पर दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पौत्र रविशंकर सिंह 'पप्पू' ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज की। जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से चुनाव परिणाम के बारे में दी गयी जानकारी के अनुसार भाजपा प्रत्याशी पप्पू को 2259 एवं समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रत्याशी अरविंद गिरी को महज 278 मत प्राप्त हुए। इस सीट पर पप्पू ने लगातार चौथी बार जीत हासिल की है। पप्पू, हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव से पहले सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। उनके चाचा नीरज शेखर भी भाजपा के राज्यसभा सांसद हैं। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद पप्पू ने संवाददाताओं से कहा कि ये जीत चन्द्रशेखर जी के प्रति मतदाताओं की आस्था की जीत है।

पीएम सम्मान निधि के तहत किसानों के खाते में पहुंचे 42 हजार 565 करोड़ : शाही

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दावा किया कि प्रदेश में खेती का बजट छह गुना तक बढ़ाया गया है जबकि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब तक 2 करोड़ 55 लाख 77 हजार से अधिक किसानों के खाते में कुल 42,565 करोड़ रुपये हस्तांतरित की गई है। शाही ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा सरकार के ठोस कदमों से किसानों में नई आशा और उत्साह का संचार हुआ है। कोरोना संकट के बावजूद प्रदेश में कृषि विकास की गति नहीं थमी। आगे भी किसानों के हितों और उनके संवर्धन में कोई कमी नहीं आने देंगे। आपदा के वक्त भी योगी सरकार किसानों के दुख में उनके साथ खड़ी रही है। अब तक 29 लाख 42 हजार किसानों के खाते में 2947.76 करोड़ रुपये क्षतिपूर्ति सीधे किसानों के खातों में हस्तांरित की गई है। 36 हजार करोड़ रुपये से 86 लाख लघु एवं सीमांत किसानों की ऋण माफी की गई है। इन तमाम प्रयासों से किसानों की आत्महत्या को रोकने में सफलता मिली है।

भाजपा ने पार की धांधली सभी हदें, इतिहास माफ नहीं करेगा : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भाजपा की मनमानी और धांधली की सभी हदें पार हो गई। भाजपा ने लोकतंत्र को कुचलने का काम किया है उसके लिए भाजपा को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। यादव ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि दूसरों को जातिवादी बताने वाली भाजपा की ये सच्चाई है कि एमएलसी चुनाव की 36 सीटों में से कुल 18 पर मुख्यमंत्री के स्वजातीय जीते हैं। एस.सी.-एस.टी., ओबीसी को दरकिनार कर ये कैसा 'सबका साथ, सबका विकास'। सामाजिक न्याय को लोकतंत्र के जरिए मजबूत करने की लड़ाई समाजवादी लड़ते रहेंगे। उन्होने कहा कि भाजपा को संविधान, लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की प्रक्रिया में जरा भी विश्वास नहीं है। वह धन-बल और छल से येन-केन-प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के साथ ही लोकतंत्र की सभी मर्यादाओं को भी तार-तार करने में लगी है।

पंचायत चुनावों के बाद, आम विधान सभा चुनाव 2022 और अब स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी चुनाव में भाजपा ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं को कुचलने का ही काम किया है।

समाजवादी पार्टी ने पहले ही भाजपा की साजिशों के बारे में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर सचेत कर दिया था कि भाजपा एमएलसी चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। यह लोकतंत्र और संविधान दोनो का संक्रमण काल है।

नाहिद हसन ने कुर्की के बाद जमा करायी मंडी कर की बकाया रकम

शामली। उत्तर प्रदेश में शामली जिले की कैराना विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के जेल में बंद विधायक नाहिद हसन ने मंडी कर की बकाया राशि को अदा कर दिया है जिसके न चुकाने के कारण जिला प्रशासन ने हसन की राइस मिल को कुर्क कर दिया है।

गौरतलब है कि हसन के परिवार पर मंडी समिति का 16.04 लाख रुपये की बकाया राशि नहीं चुकाये जाने के कारण उनकी छह बीघा जमीन पर बनी राइस मिल को कुर्क किया गया है।

शामली की जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मंगलवार को बताया कि जमा कराई गई राशि मंडी समिति को अदा की जाएगी और वहां से अनापत्ति पत्र मिलने के बाद कुर्क की गई संपत्ति हसन परिवार को वापस कर दी जाएगी। कौर ने बताया कि पूर्व सांसद दिवंगत मनव्वर हसन समेत तीन लोगों की साझेदारी में सम्राट राईस मिल पर 22 नवंबर 2019 को मंडी शुल्क के रूप में 17.52 लाख रुपये बकाया था। बाद में 1.47 लाख रुपये जमा कराने के बाद अब तक शेष राशि जमा नहीं की गयी थी।

नाहिद हुसैन को इस साल 15 जनवरी को गैंगस्टर एक्ट के तहत एक मामले में गिरफ्तार कर जेल गया था।

विप चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत जनता का सुशासन को साथ की प्रतीक : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद की स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन वाली 36 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों की प्रचंड जीत पर बधाई देते हुए कहा है कि यह जीत प्रदेश की जनता के विकास, राष्ट्रवाद और सुशासन को दिये गये साथ की प्रतीक है।

योगी ने इस चुनाव में मतदान वाली 27 सीटों पर मंगलवार को हुयी मतगणना में अधिकांश सीटें भाजपा की झोली में जाने पर जनता का आभार प्रकट करते हुए विजयी उम्मीदवारों को बधाई दी। विभिन्न सीटों पर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक 27 में से अधिकांश सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है।

सिर्फ दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं। अभी तक की मतगणना में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) को एक भी सीट नहीं मिल सकी है। गौरतलब है कि नौ सीटों पर पहले ही भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध विजयी घोषित किये जा चुके हैं।

योगी ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा,उत्तर प्रदेश के उच्च सदन के लिए नव निर्वाचित सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, आज उत्तर प्रदेश के स्थानीय प्राधिकारी विधान परिषद चुनावों में भाजपा की प्रचण्ड विजय ने पुन: स्पष्ट कर दिया है कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में प्रदेश की जनता राष्ट्रवाद, विकास एवं सुशासन के साथ है।

गौरतलब है कि विधान परिषद की वाराणसी और मऊ-आजगमढ़ सीट पर चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं।

भाजपा की प्रदेश इकाई ने भी ट्वीट कर विजयी उम्मीदवारों को बधाई दी है। ट्वीट में कहा गया, स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद द्विवार्षिक चुनाव में विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

उप्र विप चुनाव : पीलीभीत-शाहजहांपुर सीट पर भाजपा के सुधीर गुप्ता चुनाव जीते

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन वाली 36 सीटों पर हुए चुनाव में मंगलवार को मतगणना के बाद पीलीभीत-शाहजहांपुर सीट पर मतों की गिनती पूरी होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सुधीर गुप्ता को विजयी घोषित किया गया। जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार भाजपा के सुधीर गुप्ता को 3600 और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार अमित यादव रिंकू को महज 265 वोट मिले। इस प्रकार भाजपा के उम्मीदवार सुधीर गुप्ता 3335 वोट से चुनाव जीत गये। गौरतलब है कि नवनिर्वाचित विधान परिषद चुनाव में सुधीर गुप्ता शाहजहांपुर के पुवायां कस्बे के निवासी है। चुनाव में हारे सपा प्रत्याशी रिंकू विधान परिषद के पूर्व सदस्य हैं और वह शाहजहांपुर के निवासी है। वह दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल यादव के बेटे एवं पूर्व विधायक राजेश यादव के भाई हैं।

आजमगढ़-मऊ में पिता पुत्र और प्रतापगढ़ एवं फर्रुखाबाद में चचेरे भाई पहुंचे विधानमंडल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को विधान परिषद की स्थानीय प्राधिकार निर्वाचन वाली 36 सीटों पर मंगलवार को घोषित चुनाव परिणाम ने एक ही परिवार के कई सदस्यों के लिये विधान मंडल पहुंचने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है।

इस कड़ी में मऊ-आजमगढ़ सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विक्रांत सिंह रिशु के चुनाव जीतने के बाद अब वह अपने पिता यशवंत के साथ विधान परिषद में बैठेंगे। भाजपा सदस्य के रूप में यशवंत 2018 में विधान परिषद के सदस्य चुने गये थे। मऊ-आजमगढ़ सीट पर भाजपा के उम्मीदवार अरुणकांत यादव के खिलाफ बेटे रिशू को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ाने के कारण भाजपा ने यशवंत को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। मजे की बात यह है कि भाजपा उम्मीदवार अरुणकांत आजमगढ़ की फूलपुर पवई सीट से सपा विधायक हैं।

बेटे के चुनाव जीतने के बाद अब पिता पुत्र, दोनों निर्दलीय सदस्य के रूप में उच्च सदन में बैठेंगे। इससे पहले 1992 में शिव प्रसाद गुप्ता ने विधान परिषद के सभापति के रूप में अपने बेटे सुरेश चंद्र गुप्ता उर्फ बच्चू बाबा को उच्च सदन के सदस्य की शपथ दिलायी थी।

इस चुनाव परिणाम के साथ ही तीन परिवारों के लिये साल 2022 भाईयों को राज्य के विधान मंडल तक पहुंचाने वाला साबित हुआ। फर्रुखाबाद जिले में मंगलवार को एक ही परिवार के दो चचेरे भाईयों के भाजपा विधायक चुने जाने से खुशी की लहर दौड़ गई। गत 10 मार्च को उत्तर प्रदेश विधानसभा के घोषित चुनाव परिणाम में फर्रूखाबाद सदर सीट से भाजपा प्रत्याशी मेजर सुनील दत्त द्विवेदी ने एक लाख से अधिक मतों से जीत हासिल की। इसके बाद आज विधान परिषद के घोषित चुनाव परिणाम में उनके चचेरे भाई प्रांशु दत्त द्विवेदी इटावा-फर्रुखाबाद सीट से बतौर भाजपा उम्मीदवार चुनाव जीते हैं। प्रांशु भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं।

इसके अलावा प्रतापगढ़ सीट से जनसत्ता दल के उम्मीदवार अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल जी विधान परिषद सदस्य चुने गये हैं। वह जनसत्ता दल के अध्यक्ष और प्रतापगढ़ जिले की कुंडा विधानसभा सीट से विधायक राजा भैया के चचेरे भाई हैं। यह दूसरा ऐसा परिवार है जिसके दो भाईयों को महज एक महीने के अंतराल पर विधान मंडल के दोनों सदनों का सदस्य चुना गया हो।

इस फेहरिस्त में तीसरा परिवार रायबरेली जिले से हैं, जहां भाजपा उम्मीदवार के रूप में दिनेश प्रताप सिंह विधान परिषद के सदस्य चुने गये हैं। योगी सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाये गये दिनेश प्रताप सिंह के छोटे भाई राकेश सिंह 10 मार्च को घोषित विधानसभा चुनाव परिणाम में रायबरेली जिले हरचंदपुर सीट से विधायक चुने गये थे। दोनों भाई हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

एमएलसी निर्वाचन: झांसी में रमा निरंजन ने खिलाया कमल

झांसी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद (एमएलसी) निर्वाचन -2022 के तहत मंगलवार को हुई मतगणना के बाद घोषित परिणाम में झांसी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार रमा निरंजन ने 579 मतों से जीत हासिल की।

भाजपा उम्मीदवार को 2092 मत मिले जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार श्यामसुंदर सिंह पारीछा को 1513 वोटो से ही संतोष करना पडा। इस तरह भाजपा उम्मीदवार ने सपा प्रत्याशी को 579 मतों के अंतर से हराया।

जिला सूचना कार्यालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार कुल 3787 मतों में से 151 अवैध पाये गये। कुल 3636 वैध मतों में से भाजपा उम्मीदवार ने 2092 मत पाकर जीत हासिल की।

इनके अलावा झांसी से निर्दलीय उम्मीदवार दातार सिंह और तेज प्रताप सिंह ने भी दावेदारी पेश की थी। इन दोनों उम्मीदवारों को क्रमश: 14 और 17 वोट ही मिल पाये।

इस सीट से चार उम्मीदवारों के मैदान में होने के बावजूद मुख्य मुकाबला भाजपा और सपा के बीच ही माना जा रहा था और हुआ भी यही भाजपा उम्मीदवार ने 579 मतों से सपा उम्मीदवार को हराया। एमएलसी चुनाव के लिए मतदान 09 अप्रैल को हुआ था जिसमें झांसी में 89.71 प्रतिशत, जालौन में 98.94 प्रतिशत और ललितपुर में सर्वाधिक 99.12 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस तरह तीनों जनपदों में मिलाकर 98.90 प्रतिशत मतदान हुआ था।

मतदान प्रक्रिया में सांसद , विधायक, नगर निकाय के अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान समेत जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर, जिला पंचायत सदस्य और नगर निगम के पार्षदों ने मतदान में हिस्सा लिया था।

बेटा ना होने के गम में पुलिस हेडकांस्टेबिल ने की आत्महत्या

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के उसराहार इलाके में एक हेडकांस्टेबिल ने बेटा ना होने के गम में मंगलवार को सरकारी राइफल से गोली मार कर आत्महत्या कर ली । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने बताया कि एटा जिले के कोतवाली देहात के नगला केवल निवासी 40 साल के हेडकांस्टेबिल प्रेम प्रकाश की तैनाती ऊसराहार थाने में तैनाती थी जहां से उसकी नियमित ड्यूटी ताखा तहसील की सुरक्षा में लगा करती थी । आज तड़के हेड पुलिस कांस्टेबल ने सरकारी रायफल से गोली मारकर की आत्महत्या कर ली। गोली लगने के बाद उसे नाजुक हालात में उपचार के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी लेकर के आया गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। उन्होने बताया कि सुबह पांच बजे तहसील की तीसरी मंजिल पर अपने रूम के अंदर सरकारी राइफल से अपने आप को गोली मार ली । पड़ोस के कमरे में तैनात हेड मुहर्रिर शफीक अहमद ने थाना पुलिस को सूचना दी जिस पर थाना प्रभारी गंगादास गौतम ने तत्काल प्रभाव से पहुंचकर के 108 एंबुलेंस के माध्यम से सैफ़ई मेडिकल यूनिवर्सिटी के लिए पहुंचाया ।

नौजवानो के लगन परिश्रम से भारत बनेगा विश्वगुरू : महाना

लखनऊ। नौजवानों को देश का वर्तमान और भविष्य बताते हुये उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने मंगलवार को कहा कि देश के नौजवानों के लगन व परिश्रम की महक पूरे विश्व में होगी और भारत उस स्थान पर होगा, जिस स्थान पर विश्वगुरू की स्थापना होगी। असम की राजधानी गुवाहाटी में आयोजित आठवें राष्ट्रमण्डल संसदीय प्रक्षेत्र सम्मेलन में बोलते हुए श्री महाना ने कहा कि जिस ओर जवानी चलती है उस ओर जमाना चलता है। आज हम सभी को उसी ओर चलने की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कथन कि हमारा देश युवा शक्ति का प्रतीक है, आज की वास्तविकता है। भारत के नौजवान देश में ही नहीं बल्कि समूचे विश्व में अपनी प्रतिभा और योग्यता के माध्यम से दुनिया को एक नयी दिशा दे रहे हैं। आज विश्व के जिन बड़े संस्थानों का नाम लिया जाता है उसमें भारत के नौजवान प्राथमिकता से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होने कहा कि आज हम लोग आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं परन्तु अगले 25 वर्षों में हम अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष मनायेंगे तो उसमें हमारे नौजवानों के लगन व परिश्रम की महक पूरे विश्व में होगी और भारत उस स्थान पर होगा, जिस स्थान पर विश्वगुरू की स्थापना होगी।

चार दशक पुराने हत्याकांड के चार आरोपियों को उम्रकैद

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश में पीलीभीत के सदर कोतवाली क्षेत्र में 38 साल पहले पत्नी और तीन बच्चों की गला रेत कर हत्या करने वाले अय्याश दरिंदे और उसके तीन साथियों को न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनायी है।

कोतवली पुलिस ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला तखान में 24 अगस्त 1984 को टीकमदास चांदवानी ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी पत्नी और तीन बच्चों की गला रेत कर हत्या कर दी थी। उसी दिन टीकम दास चंदवानी ने पीलीभीत नगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करवाई जिसमें कहा गया कि उसकी पत्नी गंगा देवी, उसका 22 वर्षीय पुत्र प्रभूदास, 19 वर्षीय पुत्री पुष्पा देवी व 7 वर्षीय पुत्री रानू को घर में घुसे लुटेरों ने गला रेत कर हत्या कर दी और लाखो रुपए की नकदी व ज्वैलरी लेकर फरार हो गए। परिवार के लोग नीचे सोए हुए थे और वह छत पर लेटा था इसलिए उसे जानकारी नहीं हो पाई। सुबह उठने पर उसे जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।

पुलिस को मुकदमे के बादी टीकमदास पर ही शक हुआ। पुलिस ने सख्ती की तो सच्चाई सामने आ गई। पुलिस की जाँच में सामने आया कि टीकमदास अय्याश किस्म का व्यक्ति था। उसके मित्र सदर कोतवाली क्षेत्र के डॉक्टर असरार साकिव् ने उसे राय दी थी की अगर उसकी पत्नी बच्चे नहीं रहेंगे तो वह दूसरी शादी करा देगा। टीकमदास की पत्नी व बच्चे दिव्यांग थे,इसलिए टीकम दास लालच में आ गया और एक साजिश रची।

साजिश के अनुसार बरेली से पांच सुपारी किलर बुलाए गए। घटना वाली रात पांचों लोग स्टेशन चौराहे पर एक होटल में रुके और बाद में रात में आकर घटना को अंजाम दिया। सुपारी किलरों ने टीकम दास की बीवी पुत्र व दो पुत्रियों के गले काट दिए। टीकम दास व डॉ असरार साकिब भी इसमें शामिल रहे।

इस मामले में कोतवली नगर पीलीभीत पुलिस ने 38 साल पहले चार्जशीट दाखिल की थी। इस बीच टीकमदास चंदवानी ने एक हाईकोर्ट में रिट डाल दी थी। जिसके चलते पीलीभीत की कोर्ट से मुकदमे की सारी पत्रावली इलाहाबाद हाईकोर्ट चली गई और मुकदमे में कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। उधर टीकमदास ऐश की जिंदगी गुजारने लगा उसने दूसरी शादी कर ली और एक अच्छा बिजनेस भी कर लिया। अब कोर्ट की काफी पैरवी के बाद 3 साल पहले ही पत्रावली वापस आई और मुकदमे का फैसला आया है।

अपर सत्र न्यायाधीश पीलीभीत राजीव सिंह ने आरोपी हीरालाल,टीकमदास, सुरेश व रमेश को उम्र कैद की सजा सुनाई है। इस प्रकरण से जुड़े आरोपी रईस मियां सुखपाल सिंह व डॉ इसरार की मौत हो चुकी है। अदालत ने हीरालाल,सुरेश् व रमेश को जेल भेज दिया है। टीकमदास हाजिर नहीं हुआ था जिसका गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

रामनवमी में राम दरबार में श्रद्धालुओं ने हाजिरी का रचा नया कीर्तिमान

एजेंसी

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में नौ दिनों तक चले रामनवमी मेले में चार लाख 12 हजार 407 श्रद्धालुओं ने श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला के दरबार में हाजिरी लगाकर नया रिकार्ड बना दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राम मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद पहली बार सम्पन्न हुए भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में रामनवमी मेले में रामलला के दर्शन का रिकार्ड टूट गया। वर्ष 2017 में दो लाख 83 हजार 542 श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किये थे। वर्ष 2018 में तीन लाख दो हजार 54 और 2019 में तीन लाख 35 हजार 227 श्रद्धालुओं ने श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला के दरबार में मत्था टेका था।

इसके बाद 2020 और 2021 में कोरोना संक्रमण के चलते लगी पाबंदियों ने श्रद्धालुओं के रामलला के दर्शन बहुत कम हो गये थे। इस वर्ष के पहले दिन एक जनवरी रामलला के दरबार में एक लाख 12 हजार श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किये थे। इस बार रामनवमी मेले में भक्तों की रिकार्ड भीड़ पहुंची थी। अनुमान के मुताबिक रामनवमी मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचे और सरयू नदी में स्नान करके रामलला का दर्शन और प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी का दर्शन करना नहीं भूलते थे।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अयोध्या में प्रसिद्ध चैत्र रामनवमी मेले में श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला का श्रद्धालुओं ने दो अप्रैल को 11885, तीन अप्रैल को 21222, चार अप्रैल को 23006, पांच अप्रैल में 22066, छह अप्रैल में 18168, सात अप्रैल में 20757, आठ अप्रैल में 511658,नौ अप्रैल में 115875 तथा 10 अप्रैल अर्थात् रामनवमी के दिन मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्मोत्सव के समय एक लाख 87 हजार 720 श्रद्धालुओं ने रामलला का दर्शन किया।

इस बार रामनवमी के मेले में प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम बहुत ही अच्छा देखा गया है। अयोध्या में इतनी भीड़ थी कि अगर सरसों फेंक दिया जाय तो वह जमीन तक नहीं पहुंच पाता था। भक्तों को रामलला का दर्शन लाइन लगा करके प्रशासन द्वारा कराया जा रहा था।

शार्ट न्यूज

एनएमडीसी को दो स्कॉच पुरस्कार

नयी दिल्ली। इस्पात मंत्रालय के तहत आने वाले देश में लौह अयस्क के सबसे बड़े उद्यम राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) को सामाजिक दायित्व और डिजिटल पहल के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दो स्कॉच पुरस्कार मिले हैं। मंत्रालय की मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार राजधानी में आयोजित 80वें स्कॉच सम्मेलन में कंपनी ने एनएमडीसी आईटीआई भांसी के माध्यम से दंतेवाड़ा जिले में 'तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास संवर्धन' परियोजना के लिए सामाजिक दायित्व श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार तथा डिजिटल समावेशन श्रेणी में ईआरपी कार्यान्वयन के लिए 'प्रोजेक्ट कल्पतरु' के लिए रजत पुरस्कार जीते। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यह पुरस्कार ग्रहण करते हुए एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सुमित देब ने कहा, ''मैं राष्ट्र की सेवा के लिए कौशल विकास एवं प्रशिक्षण के माध्यम से दंतेवाड़ा में युवाओं के जीवन में परिवर्तन और कुशल संचालन के लिए हमारी उत्पादन प्रक्रियाओं में डिजिटलीकरण को एकीकृत करने में एनएमडीसी के प्रयासों को मान्यता देने के लिए स्कॉच को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, एनएमडीसी सकारात्मक सामाजिक विकास पर जागरूकता से जोर देने के साथ कच्चे माल की मांग को पूरा करने के लिए एनएमडीसी की कड़ी मेहनत का अनूठा एकीकरण मुझे एनएमडीसी टीम का सदस्य होने पर गौरव की अनुभूति कराता है।

रुपया 24 पैसे लुढ़का

मुंबई। अमेरिका में खुदरा महंगाई बढ़ने की संभावना से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में आई तेजी के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 24 पैसे लुढ़ककर 76.15 रुपये प्रति डॉलर रह गया।पिछले कारोबारी दिवस रुपया दो पैसे मजबूत होकर 75.91 रुपये प्रति डॉलर रहा था। कारोबार की शुरुआत से ही रुपया दबाव में दिखा और यह 14 पैसे गिरकर 76.05 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान लिवाली होने से यह 76.20 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक आ गया। हालांकि बिकवाली से समर्थन पाकर यह 75.97 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 75.91 रुपये प्रति डॉलर के मुकाबले 24 पैसे की गिरावट लेकर 76.15 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले हैं। इसमें महंगाई के 40 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने की संभावना है, जिससे डॉलर में तेजी आई है। इसका असर रुपये पर भी देखा जा रहा है।

शक्कर महंगी, खाद्य तेलों में तेजी, दलहनों में नरमी, दाल मजबूत, चावल में मांग

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर ऊंची बिकी। खाद्य तेलों में तेजी रही। आज सोयाबीन रिफाइंड बढ़कर बिका। दलहन गिरावट लिए बताए गए। आज मसूर सस्ती बिकी। दालों में ग्राहकी सुधार से भाव ऊंचे बोले गए। चावल में मांग रही। शक्कर में पूछपरख रही। आज शक्कर में कामकाज 3580 से 3620 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। नारियल में लिवाली रही। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव रहा। साबूदाना में खरीदी से मजबूती बताई गई। खाद्य तेल में तेजी दर्ज की गई। आज सोयाबीन रिफाइंड महंगा बिका। तिलहन में सोयाबीन में प्लान्टो की लिवाली रही। सरसों में कामकाज सुस्त होने से गिरावट हुई। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन गिरावट लिए रहे। मसूर घटकर बिका। आज दालों में लिवाली से भाव ऊंचे बोले गए। चावल में पूछपरख सुधार लिए रही।

1000 रुपए के पार जाएगा टेक्सटाइल कंपनी का स्टॉक

नई दिल्ली। शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी सियाराम सिल्क मिल्स लिमिटेड के भविष्य को लेकर एक्सपर्ट काफी आश्वस्त नजर आ रहे हैं। इस स्मॉलकैप टेक्सटाइल स्टॉक की कीमत 1000 रुपए के पार जाने का अनुमान लगाया गया है। आज की कीमत के हिसाब से देखें तो निवेशक को प्रति शेयर 400 रुपए से ज्यादा का मुनाफा होगा। अहम बात ये है कि सियाराम सिल्क मिल्स का स्टॉक पिछले एक साल में 150 फीसदी से अधिक रिटर्न दे चुका है। एक खबर में एक्सपर्ट के हवाले से बताया गया है कि इस स्टॉक में निवेशक बने रह सकते हैं। अगले 6 महीनों में, इसका टारगेट प्राइस 1,000 रुपए दिया गया है। अभी की बात करें तो शेयर का भाव 585 रुपए के स्तर पर है। इस लिहाज से अगर कोई दांव लगाता तो 415 रुपए तक का फायदा हो सकता है। आपको बता दें कि 11 अप्रैल को लगभग 2,800 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण के साथ स्मॉलकैप स्टॉक 607 रुपए पर पहुंच गया था। ये 52 वीक का हाई लेवल है। स्टॉक ने अगस्त 2013 में 36 रुपए से अपनी शुरुआत की थी, जिसने दिसंबर, 2017 में 799 रुपए के स्तर को टच किया था। ये ऑल टाइम हाई लेवल है। बता दें कि टेक्सटाइल इंडस्ट्री में सियाराम एक नामी ब्रांड है। इसके सूट और शर्ट काफी लोकप्रिय हैं।

सीतारमण से मिले यूरोपीय सांसद, व्यापार निवेश समझौते पर हुयी चर्चा

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और यूरोपीय संसद के एक प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को यहां बातचीत में सहमति जतायी की भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार, द्विपक्षीय निवेश और भौगोलिक विशिष्टता वाले उत्पादों को मान्यता देने के समझौतों पर बातचीत आगे बढ़ायी जानी चाहिए। यूरोपीय संसद का प्रतिनिधि मंडल ने वहां के सांसद बर्न लैन्ज के नेतृत्व में वित्त मंत्री सीतारमण के कार्यालय में मुलाकात की। इस बैठक में आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुयी। वित्त मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक श्रीमती सीतारमण ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ दो बड़ी खुली अर्थव्यवस्थाएं हैं और दोनों ही विविधता पूर्ण समाज के धनी हैं। सीतारमण ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ कोविड महामारी के बाद की दुनिया में नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए सहभागी के रूप में काम कर सकते हैं। वित्त मंत्रालय के अनुसार वित्त मंत्री और श्री लैन्ज के नेतृत्व में यूरोपीय सांसदों के बीच इस बात पर सहमति थी कि भारत और यूरोपीय संघ को द्विपक्षीय निवेश संधी, मुक्त व्यापार समझौते और भौगोलिक संकेतक समझौते पर बातचीत आगे बढ़नी चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच तालमेल के साथ सहयोग से वैश्विक बाजार में पारदर्शी, मजबूत, समावेशी तथा नियम आधारित मजबूत वैश्विक उत्पादन श्रृंखलाएं प्रस्तुत करने के अवसरों का लाभ उठाया जा सकता है।

दुनिया में सबसे महंगा एलपीजी भारत में, पेट्रोल-डीजल भी रुलाने में जुटे

नई दिल्ली। औसत परचेजिंग पावर के हिसाब से बात करें तो भारत में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत दुनिया में सबसे ज्यादा है .परचेसिंग पावर पैरिटी के हिसाब से प्रति लीटर पेट्रोल का भाव दुनिया में तीसरे नंबर पर और डीजल के भाव के मामले में भारत दुनिया में आठवें नंबर पर है. अगर महंगाई का यही हाल जारी रहता है तो यह देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता है. दुनिया भर में बढ़ती महंगाई की वजह से कोहराम मचा हुआ है. मार्च के आखिरी हफ्ते में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम भी 50 रुपए बढ़ा दिए गए थे. ईंधन की कीमतों में यह वृद्धि कई महीनों तक चले चुनावी सीजन के बीतने के बाद हुई थी. अब 14.2 किलो के सिलेंडर की औसत कीमत दिल्ली-एनसीआर में 950 रुपये हो गई है. इस हिसाब से आपको एलपीजी सिलेंडर करीब 70 रुपये प्रति किलो के हिसाब से मिल रहा है. अगर लोगों की औसत परचेजिंग पावर के हिसाब से बात करें तो भारत में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत दुनिया में सबसे ज्यादा है .परचेसिंग पावर पैरिटी के हिसाब से प्रति लीटर पेट्रोल का भाव दुनिया में तीसरे नंबर पर और डीजल के भाव के मामले में भारत दुनिया में आठवें नंबर पर है. अगर महंगाई का यही हाल जारी रहता है तो यह देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता है. अप्रैल के पहले ही दिन एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 250 रुपये की वृद्धि की गई है. यह बढ़ोतरी 19 किलो के कमर्शियल सिलेंडर के भाव में की गई है. दिल्ली में अब 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 2,253 रुपये का हो गया है, जबकि मुंबई में अब यह 1955 रुपये की जगह 2205 रुपये में मिल रहा है।

शेयर बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स-निफ्टी आधे प्रतिशत से अधिक टूटे

मुंबई। अमेरिका में महंगाई में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की आशंका से यूरोपीय बाजार के लगभग एक महीने के निचले स्तर पर आने के दबाव में घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट पर रहा और सेंसेक्स-निफ्टी आधे प्रतिशत से अधिक गिर गए।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 388.20 अंक लुढ़ककर 58576.37 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 144.65 अंक का गोता लगाकर 17530.30 अंक पर आ गया। दिग्गज कंपनियों को तरह बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली हावी रही। मिडकैप 1.45 प्रतिशत गिरकर 25,037.71 अंक और स्मॉलकैप 1.47 प्रतिशत की गिरावट लेकर 29,441.67 अंक पर रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले हैं। इसमें महंगाई के 40 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। इसे हताश निवेशकों ने जमकर बिकवाली की जिससे यूरोपीय बाजार लगभग एक माह के निचले स्तर पर आ गया। इसका असर घरेलू बाजार पर भी रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.42, जर्मनी का डैक्स 0.97 और जापान का निक्केई 1.81 प्रतिशत लुढ़क गया। हालांकि हांगकांग के हैंगसैंग 0.52 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.46 प्रतिशत की बढ़त पर रहा।

इस दौरान बीएसई के सभी 19 समूह में बिकवाली हुई। बेसिक मैटेरियल्स 2.16, ऊर्जा 2.78, इंडस्ट्रियल्स 1.39, आईटी 1.53, दूरसंचार 1.86, कैपिटल गुड्स 1.65, धातु 3.50, तेल एवं गैस 2.47, रियल्टी 2.66 और टेक समूह के शेयर 1.34 प्रतिशत लुढ़क गए। कारोबार की शुरुआत से ही सेंसेक्स दबाव में रहा और यह 221 अंक की गिरावट लेकर 58,743.50 अंक पर खुला और उतार-चढ़ाव से गुजरता हुआ दोपहर बाद बिकवाली के कारण 58,298.57 अंक निचले स्तर तक लुढ़क गया। लिवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में यह 58,794.78 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 58,964.57 अंक की तुलना में 0.66 प्रतिशत गिरकर 58,576.37 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3516 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2253 में गिरावट जबकि 1166 में तेजी रही वहीं 97 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी की शुरुआत भी कमजोर रही और यह 90 अंक फिसलकर 17,584.85 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 17,442.35 अंक न्यूनतम जबकि 17,595.30 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले सत्र के 17,674.95 अंक के मुकाबले 0.82 प्रतिशत उतरकर 17,530.30 अंक पर आ गया। एनएसई में 39 कंपनिया लाल जबकि 11 हरे निशान पर रहीं। इस दौरान सेंसेक्स की 19 कंपनियों के शेयरों ने गोता लगाया जबकि शेष 11 में तेजी रही।

टाटा स्टील 2.76, टेक महिंद्रा 2.26, विप्रो 2.16, भारती एयरटेल 2.15, रिलायंस 1.90, एलटी 1.86, बजाज फिनसर्व 1.58, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.51, इंफोसिस 1.43, अल्ट्रासिमको 1.40 और आईटीसी ने 1.03 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

इनके अलावा शेष अन्य कंपनियों के शेयर भी 0.03 से 0.88 प्रतिशत तक टूटे। वहीं एक्सिस बैंक ने सबसे अधिक 1.67 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

कोयले का निजी क्षेत्र में उत्पादन इस वर्ष 14 करोड़ टन के पार रहने का अनुमान

नयी दिल्ली। कोयला मंत्रालय के सचिव डॉ अनिल कुमार जैन ने कहा कि इस समय कोयले की घरेलू मांग और ऊंची कीमत को देखते हुए देश में निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए कोयले का उत्पादन बढ़ाने का पहले से अच्छा अवसर है और अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में निजी क्षेत्र में कोयला उत्पादन 14 करोड़ टन से अधिक रहेगा।

जैन ने यहां कैप्टिव (निजी इस्तेमाल) कोयला ब्लॉकों के आवंटियों के साथ उत्पादन की समीक्षा को लेकर एक बैठक की अध्यक्षता की। इसमें उत्पादन शुरू कर चुकी या जल्द उत्पादन शुरू करने की स्थिति में पहुंच चुकी कंपनियों की प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि श्री जैन ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कैप्टिव कोयला ब्लॉकों से हुए 8.5 करोड़ टन कोयला उत्पादन पर प्रशंसा जतायी। यह वित्त वर्ष 2020-21 में हुए 6.3 करोड़ टन कोयला उत्पादन से 35 प्रतिशत अधिक है।

उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में उत्पादन बढ़ने से घरेलू बाजार में मांग और आपूर्ति के बीच अंतर कम करने में मदद मिलेगी।

विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रालय के नामित प्राधिकरण द्वारा कोयला खान विशेष प्रावधान (सीएमएसपी) अधिनियम, 2015 के तहत 106 कोयला ब्लॉक आवंटित किए गए हैं। जिनमें से 47 ब्लॉकों के लिए परिचालन शुरू करने की मंजूरी दी जा चुकी है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान परिचालन की स्थिति वाले ब्लॉक की संख्या 60 तक पहुंच जाएगी।

बैठक में अनुमान जताया गया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान कोयला उत्पादन बढ़कर 14 करोड़ टन से अधिक हो जाएगा।

श्री जैन ने कहा, कोयला ब्लॉक आवंटियों के पास कोयला उत्पादन बढ़ाने का सुनहरा अवसर है क्योंकि वर्तमान में आयातित कोयले के मूल्य बहुत अधिक हैं और देश की बिजली मांग में बढ़ोत्तरी होने के कारण तापीय कोयले की मांग में भी वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी कहा कि कैप्टिव कोयला ब्लॉकों से 50 प्रतिशत कोयले की बिक्री की छूट भी है और इस तरह ऐसे मामलों में भी कोयले के उत्पादन में बाधा नहीं आएगी जहां अभी अंतिम उपयोग के लिए संयंत्र चालू नहीं हैं।

सचिव ने कहा, वाणिज्यिक खनन के लिए नए कोयला ब्लॉक आवंटित किए जा रहे हैं और संभावित बोलीदाताओं ने ऐसे ब्लॉकों के लिए उत्साह दिखाया है। इनमें से कुछ ब्लॉकों ने आवंटन के एक साल में ही कोयले का उत्पादन शुरू कर दिया है।

पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार छठे दिन अपरिवर्तित

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन करने वाली कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार बड़ी बढ़ोतरी करने के बाद पिछले छह दिन से इनमें कोई बदलाव नहीं किया है, जिसके कारण मंगलवार को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें अपरिवर्तित रहीं।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 104.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर हैं।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 110.85 रुपये और डीजल की कीमत 100.94 रुपये पर बरकरार है।

कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 115.12 और 99.83 रुपये है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उफान पर पहुंची कच्चे तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल के आसपास चल रही हैं। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.86 प्रतिशत चढ़कर 100.31 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 2.02 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 96.19 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिनों की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई हैं। कंपनियों ने पिछले 21 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की है। तब से अब तक इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी हैं।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार लगातार छठा दिन है, जब कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले एक अप्रैल को कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रूख, उड़द दाल महंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रूख रहा वहीं उड़द दाल के भाव चढ़ गए।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 120 रिंगिट की तेजी लेकर 6885 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.20 सेंट चढ़कर 75.50 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान स्थानीय स्तर पर मूंगफली तेल 146 रुपये, सूरजमुखी तेल 366 रुपये और सोया रिफाइंड 147 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। वहीं सरसों तेल, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में भी लगभग स्थिरता रही। इस दौरान उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई। वहीं, चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल और अरहर दाल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव स्थिर रहे।

भारत में पेटेंट के लिए पहली बार गैर-भारतीय आवेदकों से ज्यादा रहे भारतीयों के आवेदन

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि 11 वर्षों में पहली बार भारत में दायर पेटेंट के आवेदनों में घरेलू आवेदनकर्ताओं से प्राप्त आवेदन गैर भारतीय आवेदकों से अधिक रहे। इसे बौद्धिक संपदा और नवोन्मेषण पारिस्थितिकी परितंत्र के संदर्भ में देश की एक और बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि जनवरी-मार्च 2022 तिमाही के दौरान दायर किए गए कुल 19,796 पेटेंट आवेदनों में से भारतीय आवेदकों के 10,706 पेटेंट आवेदन और गैर भारतीयों की ओर से 9,090 आवेदन हैं। पिछले सात वर्षों में भारत में पेटेंट आवेदनों की वर्षिक संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोत्तरी दर्ज हुयी है। बयान में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 66,440 पेटेंट दायर किए गए। वर्ष 2014-15 में दायर किए गए आवेदनों की संख्या 42,763 थी ।

भारतीय पेटेंट कार्यालय ने वित्त वर्ष 2014-15 में 5978 पेटेंट स्वीकृत किए थे। 2021-22 में प्रदान किए गए पेटेंट की संख्या 30,074 रही। इस तरह भारत में हर वर्ष दिए जा रहे पेटेंट अधिकार में पांच गुणा वृद्धि हुयी है। वैश्विक नवोन्मेषण सूचकांक में भारत 46वें स्थान पर आ गया है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि भारत में आईपीआर व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए नवोन्मेषण को बढ़ावा देने और अनुपालन बोझ में कमी लाने के जरिये डीपीआईआईटी के निरंतर प्रयासों का बड़ा योगदान है।

डीपीआईआईटी तथा आईपी कार्यालय के समन्वित प्रयासों के कारण समाज के सभी वर्गों के बीच आईपी जागरूकता में बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के कारण जहां एक तरफ आईपीआर दायर करने की संख्या में वृद्धि हुई है तो वहीं दूसरी तरफ आईपी कार्यालयों में पेटेंट आवेदन की विचाराधीन अवधि में कमी आई है।

यह देश को वैश्विक नवोन्मेषण सूचकांक में शीर्ष 25 देशों में शामिल होने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के एक कदम और निकट ले जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा की गई कुछ प्रमुख पहलों ने देश की आईपी व्यवस्था को मजबूत बनाया है जिसमें ऑनलाइन फाइलिंग पर 10 प्रतिशत की छूट, स्टार्ट-अप्स, छोटी संस्थाओं तथा शैक्षणिक संस्थानों के लिए 80 प्रतिशत शुल्क रियायत तथा अन्य वर्गों के साथ साथ स्टार्ट-अप्स, और एमएसएमई के लिए त्वरित परीक्षा के प्रावधान शामिल हैं।

सैप ने मध्यम व्यवसायों के लिए की ट्रांसफॉर्मेशन एक्सप्रेस की शुरूआत

एजेंसी

नयी दिल्ली। उद्योगों को तकनीक सुविधा प्रदान करने वाली कंपनी सैप ने मंगलवार को ट्रांसफॉर्मेशन एक्सप्रेस की शुरूआत की। यह चलता फिरता अनुभव केंद्र लघु और मध्यम आकार के उद्यमों को क्लाउड की मदद से कारोबार में वृद्धि और तेजी लाने में मदद करेगा।

ट्रांसफॉर्मेशन एक्सप्रेस अत्याधुनिक कंप्यूटर प्रणाली के साथ डिजिटल प्रस्तुति में वास्तविकता का अनुभव प्रदान करती है जिसमें उद्योगों की वृद्धि के लिए तमाम विकल्प सुझाए जाते हैं। इस बस में उद्यमी तकनीक की मदद से अपने व्यवसाय की जरूरतों को समझ सकते हैं और उसके बाद सैप उन्हें उनकी आवश्यकतानुसार तकनीकी सुविधाओं में मदद करती है। सैप के अनुसार वह ट्रांसफॉर्मेशन एक्सप्रेस क्लाउड को अपनाने को सक्षम करते हुए और मध्य-बाजार उद्यमों को राइज विद सैप (सैप के साथ उठते हुए) पेशकशों की पूरी श्रृंखला का प्रदर्शन करेगा।

यह अनुभव केंद्र 13 शहरों में लगभग 7,000 से अधिक की यात्रा करेगा।

इस यात्रा में सैप इंडिया स्थानीय उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के साथ काम करेगा जिससे युवा छात्रों को क्लाउड प्रौद्योगिकी की जानकारी दी जा सके। इस यात्रा में पर्यावरण का ध्यान रखते हुए कंपनी कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए बस की प्रत्येक किलोमीटर की यात्रा के लिए एक पौधा लगाएगी।

सैप भारतीय उपमहाद्वीप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कुलमीत बावा ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से कहा, भारतीय लघु और मझोले उद्यम देश के आर्थिक वृद्धि के इंजन हैं। वे हमारे सकल घरेलू उत्पाद में 30त्न से अधिक का योगदान करते हैं। जैसे-जैसे यह क्षेत्र भविष्य में आगे की ओर बढ़ता और फैलता है, ज्यादातर संगठनों के लिए क्लाउड पर आना अनिवार्य होता जा रहा है।

उन्होंने कहा, भारतीय एसएमई को अपनी लागत में दक्षता लाने हेतु, ग्राहकों को तेज सेवाएं देने हेतु, एक कुशल तथा स्थिर उद्यम बनाने हेतु स्वयं में तेजी से बदलाव करने के लिए ट्रांसफॉर्मेशन एक्सप्रेस पहल की शुरुआत कर भारतीय एसएमई को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

600 रुपए के पार जाएगा टाटा मोटर्स का शेयर भाव, अभी खरीदा तो होगा इतना मुनाफा

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी टाटा मोटर्स ने बीते वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। वहीं, ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि कंपनी का शेयर 600 रुपए के पार जाएगा। ब्रोकरेज ने निवेशकों को खरीदने की सलाह दी है।

क्या है टारगेट प्राइस

ब्रोकरेज और रिसर्च फर्म एडलवाइस ने टाटा मोटर्स के शेयरों पर 616 रुपए का टारगेट प्राइस रखा है। 12 अप्रैल के कारोबार में टाटा मोटर्स का शेयर का भाव 3.07 फीसदी गिरकर 438.15 रुपए पर आ गया था। इस हिसाब से अगर निवेशक आज दांव लगा दे तो प्रति शेयर 177 रुपए का मुनाफा होगा। ये मौजूदा स्टॉक स्तर से 40 फीसदी की बढ़ोतरी को दर्शाता है। इसके साथ ही एडलवाइस ने अपनी खरीदें रेटिंग बनाए रखी है। ब्रोकरेज का मानना है कि कंपनी की बैलेंस सीट में सुधार होगा।

टाटा मोटर्स के तिमाही नतीजे

वित्त वर्ष 2021-22 की मार्च तिमाही में टाटा मोटर्स समूह की वैश्विक थोक बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़ गई है। ये बढ़कर अब 3,34,884 इकाई हो गई। इसमें जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की बिक्री के आंकड़े भी शामिल हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि टाटा मोटर्स के सभी कॉमर्शियल वाहनों और टाटा देवू रेंज की वैश्विक थोक बिक्री वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 1,22,147 इकाई थी, जो सालाना आधार पर 12 प्रतिशत अधिक है। टाटा मोटर्स ने कहा कि सभी यात्री वाहनों की वैश्विक थोक बिक्री इस दौरान सालाना आधार पर चार प्रतिशत घटकर 212,737 इकाई रह गई। समीक्षाधीन अवधि में जगुआर लैंड रोवर की वैश्विक थोक बिक्री 89,148 इकाई थी, जिसमें सीजेएलआर द्वारा वितरित 12,622 इकाइयां शामिल हैं।

मुकेश अंबानी को बहुत पीछे छोड़कर कमाई में नंबर वन गौतम अडानी बने दुनिया के रईस नंबर 6

नई दिल्ली। एशिया के सबसे बड़े रईस और इस साल अब तक कमाई में नंबर वन गौतम अडानी ने रईसी में मुकेश अंबानी को बहुत पीछे छोड़ दिया है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी टॉप-10 अरबपतियों की सूची में अब छठे पायदान पर पहुंच गए हैं।

अडानी ग्रुप की कंपनियों अडानी पावर, अडानी विल्मर, अडानी ग्रीन, अडानी गैस के शेयरों में आई तेजी की दम पर सोमवार और मंगलवार को उन्हें तगड़ा मुनाफा हुआ और उनकी नेट वर्थ में जबदरस्त तेजी आई। इस वजह से वह दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में छठे पायदान पर पहुंच गए हैं। वहीं मुकेश अंबानी 11वें स्थान पर हैं। आंकड़े ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के हैं।

वहीं फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक मंगलवार दोपहर तक सोमवार को एलन मस्क ने 11.7 अरब डॉलर गंवाया तो आज यानी

मंगलवार को गौतम अडानी ने 10.9 अरब डॉलर कमाया। अडानी की संपत्ति में आज 10.9 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। टॉप-10 अरबपतियों की सूची में अडानी की लंबी छलांग में उनकी नेटवर्थ में आया जबरदस्त उछाल है, जो इस 41.6 अरब डॉलर बढ़ी। जबकि, मुकेश अंबानी की संपत्ति में इस साल अब तक केवल 7.45 अरब डॉलर ही बढ़ी है। इस सूची में पहले 10वें नंबर पर मौजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अब 11वें नंबर पर खिसक गए हैं।

कमाई में एलन मस्क और जेफ बेजोस को पछाड़ा

कमाई के मामले में इस साल अडानी एलन मस्क और जेफ बेजोस जैसे दिग्गजों से भी आगे निकल गए हैं। उनकी नेटवर्थ रॉकेट की स्पीड से आगे बढ़ रही है । बीते दिनों तक टॉप-10 सूची में शामिल मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच एक पायदान का अंतर बना रहता था। अब 2022 में अडानी ने ऐसी लंबी छलांग लगाई है कि मुकेश अंबानी से कहीं आगे निकल गए है।

शार्ट न्यूज

चोट के कारण अगले कुछ मैचों से बाहर हो सकते हैं वॉशिंगटन सुंदर

मुम्बई। सनराइज़र्स हैदराबाद के कोच टॉम मूडी ने खुलासा किया है कि वॉशिंगटन सुंदर शायद अगले दो मैच नहीं खेल पाएंगे। उनके दाहिने हाथ की दो उंगलियों के बीच में चोट लगी है। हैदराबाद की टीम के लिए वॉशिंगटन एक प्रमुख स्पिन गेंदबाज़ हैं। पहले मैच में ख़राब प्रदर्शन करने के बाद, अब तक वॉशिंगटन ने कुल 11 ओवर फेंके हैं और 63 रन ख़र्च कर के चार विकेट लिए हैं। पहले मैच में राजस्थान के बल्लेबाज़ों ने उनके ख़िलाफ़ काफ़ी रन बटोरे थे। उस मैच में वॉशिंगटन ने तीन ओवर में 47 रन दिए थे। सोमवार को उंगलियों में लगी इस चोट के कारण वॉशिंगटन अपना स्पेल भी पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने उस मैच में तीन ओवर फेंके और मात्र 14 रन दिए। इन तीन में से दो ओवर उन्होंने पावरप्ले के दौरान फेंके थे। वॉशिंगटन के इस स्पेल के कारण गुजरात टाइटंस का स्कोरबोर्ड शांत रहा। मूडी ने कहा, वॉशिंगटन के अंगूठे और तर्जनी उंगली के बीच चोट लगी है। हम अगले दो-तीन दिनों तक देखेंगे कि यह कितना गंभीर है। उम्मीद है कि यह कोई गंभीर चोट नहीं है। मुझे लगता है कि इसे ठीक होने में शायद एक या दो सप्ताह लगेंगे। वॉशिंगटन इससे पहले भी चोट से काफ़ी परेशान रहे हैं। फ़रवरी में हुए भारत-वेस्टइंडीज़ टी20 सीरीज़ में वह हेमस्ट्रिंग की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। वहीं आईपीएल 2021 के दूसरे भाग में भी वह उंगलियों में लगी चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

मार्क बाउचर ने अपने भविष्य पर कुछ स्पष्ट नहीं किया

जोहानसबर्ग। दक्षिण अफ़्रीका के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि उनके विरुद्ध आने वाली अनुशासनात्मक सुनवाई के बाद वह पद पर बने रहना चाहेंगे या नहीं। 16 और 20 मई के बीच बाउचर वरिष्ठ अधिवक्ता टेरी मोटाऊ के समक्ष अपने ख़िलाफ़ खेल जीवन और बाद में कोचिंग कार्यकाल के दौरान वर्णभेदी मुद्दों पर घोर दुराचरण के आरोपों का जवाब देंगे। दक्षिण अफ़्रीका के क्रिकेट संघ (सीएसए) ने उन्हें अपने पद से हटाने की मांग की है जिससे वह अपने अनुबंध के अनुसार अगले वर्ष के वनडे विश्व कप तक रहने से पहले ही पद से हट सकते हैं। बाउचर को इस पद पर दिसंबर 2019 में नियुक्त किया गया था और तब से वह विवादों के घेरे में रहे हैं। उन्होंने इनॉक अंक्वे की जगह ली थी जो ख़ुद दक्षिण अफ़्रीका के पहले अफ़्रीकी मूल के कोच थे लेकिन उन्हें बाउचर के सहायक के रूप में रखा गया। इसके बाद दक्षिण अफ़्रीका के टेस्ट परिणामों पर सवाल उठे, ख़ास कर तब जब इंग्लैंड ने उन्हें अपने घर पर सीरीज़ में हराया। बाद में एसजेएन सुनवाई के दौरान बाउचर समेत कई पूर्व खिलाड़ियों का नाम लिया गया। बाउचर पर पॉल एडम्स के ख़िलाफ़ अपशब्द का उपयोग, अंक्वे के साथ उनका व्यवहार और ब्लैक लाइव्स मैटर के सिलसिले में उनके आचरण को लेकर आरोप लगे थे।

हैमिश बेनेट ने की क्रिकेट से संन्यास की घोषणा

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज हैमिश बेनेट ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है। बेनेट ने मंगलवार को अपने 17 साल लंबे पेशेवर क्रिकेट करियर को अलविदा कहते हुए कहा कि 2021-22 सीजन उनका आखिरी सीजन होगा। 35 वर्षीय बेनेट ने तीनों प्रारूपों में न्यूजीलैंड के लिए 31 मैच खेले हैं। पिछले साल सितंबर में वह बंगलादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज में भी खेलते दिखे थे। तेज गेंदबाज ने कहा, जब मैंने तिमारू में नेट्स में गेंदबाजी करने वाले एक युवा बच्चे के रूप में शुरुआत की थी, तो मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इतने बड़े करियर का आनंद लूंगा। ओल्ड बॉयज तिमारू क्रिकेट क्लब से, जिन्होंने मुझे शुरुआत में क्रिकेट में शामिल किया, टिमरू बॉयज हाई स्कूल, साउथ कैंटरबरी क्रिकेट, कैंटरबरी क्रिकेट, क्रिकेट वेलिंगटन और न्यूजीलैंड क्रिकेट, साथ ही अन्य सभी शानदार क्लब, जिनके लिए मैंने कई वर्षों तक खेला है, उन सभी ने मेरे सपने को हासिल करने में मेरी मदद करने में भूमिका निभाई है। बेनेट ने कहा, मैं इतने महान खिलाड़ियों, कप्तानों और कोचों के साथ काम करने और खेलने के लिए खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं और मैं उन सभी को वर्षों से उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना एक सम्मान की बात है। ये यादें और अनुभव ऐसे हैं, जिन्हें मैं संजोऊंगा और जीवन भर उनके बारे में कहानियां सुनाऊंगा। तेज गेंदबाज बेनेट ने 2010 में बंगलादेश के खिलाफ वनडे सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उसके बाद उन्होंने भारत के खिलाफ अहमदाबाद में एकमात्र टेस्ट मैच खेला, जिसमें न्यूजीलैंड के मौजूदा कप्तान केन विलियमसन ने भी अपना टेस्ट पदार्पण किया था।

हम लड़ाई जारी रखेंगे, हम आगे जाने का रास्ता खोजते रहेंग : बुमराह

मुम्बई। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2014 की शुरुआत लगातार पांच हार के साथ की थी। बावजूद इसके वह नॉकआउट में पहुंची थी। फिर टीम ने चार हार के साथ आईपीएल 2015 की शुरुआत की और खिताब जीता। अगर कोई टीम खराब शुरुआत को झेलने और वापसी करने के लिए हमेशा तैयार रहती है, तो वह मुंबई इंडियंस ही है। लेकिन यह सब इतिहास है और जसप्रीत बुमराह आज के दिन यानि आईपीएल 2022 पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। और उन्होंने वादा किया है कि मुंबई इंडियंस लड़ाई जारी रखेंगे और साथ ही साथ आगे जाने का रास्ता भी खोज लेंगे। बुमराह ने मंगलवार को कहा, अब तक जो जो कुछ भी हुआ है वह अतीत है। इतिहास वास्तव में मायने नहीं रखता, क्योंकि वह एक अलग टीम थी, अलग समय, अलग परिदृश्य था। अभी हम वर्तमान में जी रहे हैं। हां, चीजें हमारे लिए अभी तक योजना के अनुसार नहीं हुई हैं, लेकिन हम लड़ते रहते हैं और हम रास्ता खोजते रहेंगे। क्रिकेट का खेल ऐसे ही चलता है। जब भी कोई चुनौती आती है, तो आप उस चुनौती का समाधान खोजने की कोशिश करते हैं और हम ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं। बुमराह लीडरशिप ग्रुप का हिस्सा हैं और मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी आक्रमण के अगुवा हैं। अक्सर वह बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए आक्रमण पंक्ति का नेतृत्व करते हैं और जरूरत पड़ने पर वह अन्य गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। तो ऐसा करने के लिए वह क्या-क्या करते हैं। योजना बनाते हैं, रणनीति बनाते हैं या फिर उत्साहवर्धक बातें करते हैं?

हर मैच में अपनी छाप छोड़ना चाहता हूं

मुम्बई। टाटा आईपीएल में अब तक गेंद और बल्ले के साथ अहम योगदान देने वाले दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कहा है कि वह हर उस मैच में अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं, जिसका वह हिस्सा होंगे। ठाकुर ने कहा, टीम के अंदर का माहौल काफी अच्छा है। टीम में बहुत सारे युवा खिलाड़ी हैं और हम सभी दोस्त हैं। इसका कारण यह है कि हम काफी समय से साथ खेल रहे हैं। मैं हर उस मैच में अपना प्रभाव छोड़ना पसंद करुंगा, जिसका मैं हिस्सा रहूंगा और यही कारण है कि मैं बहुत सारी ऊर्जा के साथ खेलता हूं। ठाकुर ने टी20 मुकाबलों में ऑलराउंडरों के महत्व के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, हमारी बल्लेबाजी में काफी गहराई है। आपके पास अगर अधिक ऑलराउंडर हैं तो फिर टी20 के लिहाज से आपकी टीम उतनी ही सशक्त है। अगर हम ऊपरी क्रम पर तेजी से विकेट खो देते हैं, तो 6, 7 और 8 नम्बर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। ऑलराउंडर ने आगे कहा, हमारी टीम सही दिशा में है। हमारे हेड कोच रिकी पोंटिंग ने हमेशा हमें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की सलाह देते हैं। हालात चाहे कैसा भी हो, कोच ने हमेशा अपनी ताकत के अनुरूप ही खेलने को कहा है। कोच चाहते हैं कि ऐसा करते हुए हम अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करें और यही कारण है कि हम टीम के लिए जी-जान लगा देते हैं। एक क्रिकेटर के रूप में उन्हें क्या पसंद है, ठाकुर ने इस पर भी बात की। ठाकुर ने कहा, मैं क्रिकेट खेलने का आनंद लेना चाहता हूं। मैंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है इसलिए मैं खुद को किसी भी तरह के दबाव में नहीं रखना चाहता।

दीपक चाहर को लगी एक और चोट
आईपीएल में वापसी हुई मुश्किल

एजेंसी

मुम्बई। तेज गेंदबाज दीपक चाहर कब वापस क्रिकेट के मैदान में आएंगे? इस सवाल का जवाब अब संदेह के घेरे में है और फ़िलहाल इसका जवाब किसी के पास नहीं है। इसका सबसे प्रमुख कारण यह है कि नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपने रिहैब पूरा करने के दौरान उनकी पीठ में चोट लगी है। चोट कितनी गंभीर है, अभी इसके बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। हालांकि इस संदर्भ में सुपर किंग्स को अभी तक बीसीसीआई से कोई औपचारिक रिपोर्ट नहीं मिली है।

चाहर तक़रीबन एक महीने से एनसीए में हैं और क्वाड्रीसेप (जांघ की मांसपेशियों) में आई दरार की समस्या से उभर रहे हैं। उन्हें यह चोट फ़रवरी में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ खेले गए टी20 सीरीज़ में लगी थी। एनसीए के फ़िजियो द्वारा किए गए प्रारंभिक मूल्यांकन में कहा गया था कि चाहर आईपीएल में कई मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। हालांकि चाहर की चोट में तेज़ी से सुधार आ रहा था। इसके कारण चेन्नई सुपर किंग्स की टीम को यह उम्मीद थी कि अप्रैल के अंत तक वह वापस टीम में आ जाएंगे।

हालांकि पीठ की चोट से आईपीएल में चाहर की वापसी को लेकर अब काफ़ी सवाल खड़े हो गए हैं। अक्तूबर में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई और भारतीय टीम प्रबंधन तो यही चाहेंगे कि चाहर पूरी तरह से फ़िट होकर ही मैदान पर लौटे। दीपक चाहर चेन्नई के लिए शुरुआती ओवरों के प्रमुख स्विंग गेंदबाज़ हैं। उनकी अनुपस्थिति से चेन्नई की टीम का संतुलन पहले से ही ख़राब है। उनकी टीम अपने पहले चार मैच हार चुकी है। इन चारों मैचों में यह देखा गया है कि चेन्नई की टीम पावरप्ले में विकेट नहीं ले पा रही है। अब तक खेले गए सभी मुक़ाबलों में वे सिर्फ़ दो विकेट ले पाए हैं और 8.48 की इकॉनमी से रन ख़र्च कर रहे हैं। कुल मिला कर चेन्नई की टीम अभी भी दीपक की जगह को भरने में कामयाब नहीं हो पाई है।

दीपक चाहर को चेन्नई ने 14 करोड़ की बड़ी राशि देकर आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन में ख़रीदा था। उनकी अनुपस्थिति में एडम मिल्न, मुकेश चौधरी और तुषार देशपांडे को नई गेंद सौंपी गई है लेकिन वे कामयाब नहीं हो पाए हैं। अब उनके पास केएस आशिफ और राजवर्धन हंगारगेकर का विकल्प उपलब्ध है, जिन्हें आने वाले मैचों में नई गेंद सौंपी जा सकती है।

यूपीएल और गुजरात टाइटंस ने सस्टेनेबिलिटी के लिए सहयोग किया

अहमदाबाद। दीर्घकालिक कृषि उत्पादों और समाधानों के वैश्विक प्रदाता, यूपीएल लिमिटेड ने नवगठित अहमदाबाद फ्रेंचाइजी- गुजरात टाइटन्स के साथ मौजूदा आईपीएल 2022 के लिए उनके सस्टेनेबिलिटी पार्टनर के रूप में साझेदारी की घोषणा की। इस महत्वपूर्ण सहयोग का उद्देश्य विशेष रूप से गुजरात (यूपीएल लिमिटेड का गृह राज्य) में दीर्घकालिक कृषि समाधान के क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना और गुजरात टाइटंस को सामाजिक एवं पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार फ्रेंचाइजी का आयाम देना है।

गुजरात, यूपीएल के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और यह ऐसा पहला राज्य भी है जहां इस ब्रांड ने अपना ग्राउंडनट प्रो न्यूटिवा प्रोग्राम शुरू किया, जो देश को खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने, उत्पादकों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने और खाद्य श्रृंखला की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने पर केंद्रित है। गुजरात में 2021 में इस प्रोग्राम से 75000 से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं और इसके जरिए 2.5 लाख एकड़ से अधिक की कृषि भूमि को कवर किया गया था।

यह साझेदारी न केवल सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने में यूपीएल लिमिटेड के शानदार प्रयासों का प्रदर्शन करेगी, बल्कि गुजरात टाइटंस को एक सामाजिक रूप से जागरूक टीम के रूप में भी पुष्टि करेगी। आशीष डोभाल, निदेशक – भारत, यूपीएल लिमिटेड ने कहा, हमें इस सीजन में आईपीएल में पहली बार शामिल होने वाली गुजरात टाइटंस टीम के साथ साझेदारी करने की खुशी है। गुजरात टाइटंस के मुख्य परिचालन अधिकारी, अरविंदर सिंह ने कहा, हम गुजरात टाइटंस परिवार के सदस्य के रूप में यूपीएल का स्वागत करते हैं!

2021 महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक से चूका भारत, शूटआउट में इंग्लैंड ने 3-0 से हराया

पोटचेफ्सट्रूम (दक्षिण अफ्रीका)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम मंगलवार को यहां नौ साल पुराना इतिहास दोहराने से चूक गई। उसे यहां 2021 एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्व कप के रोमांचक कांस्य पदक मैच में इंग्लैंड से पेनल्टी शूटआउट में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। मैच बेहद रोमांचक रहा। दोनों ही टीमों ने शुरुआत से ही आक्रामकता दिखाई और डिफेंस को मजबूत रखा और एक-दूसरे को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया, जिसके चलते पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। इंग्लैंड ने फिर दूसरे क्वार्टर की शुरुआत शानदार फील्ड गोल से की, जब 18वें मिनट में इंग्लैंड की कप्तान मिली गिग्लियो ने बेहतरीन फील्ड गोल दाग कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह बढ़त हालांकि ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रही, क्योंकि फॉरवर्ड मुमताज खान ने जवाबी फील्ड गोल से भारत की 1-1 से बराबरी कराई। दूसरे क्वार्टर में इसके बाद कोई गोल नहीं हुआ और क्वार्टर इसी स्कोर पर समाप्त हुआ। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने मैच को और चुनौतीपूर्ण बना दिया। दोनों टीमों ने काफी मौके बनाए, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में कामयाब नहीं रही। भारत की ओर से काफी अच्छा डिफेंस देखने को मिला। कड़ी स्पर्धा के कारण तीसरा क्वार्टर गोल के बिना समाप्त हुआ। चौथे और आखिरी क्वार्टर ने मैच को अपने पक्ष में करने के लिए जी जान लगा दी, लेकिन सफलता पहले भारत को मिली। इनफॉर्म मुमताज ने 47वें मिनट में मैच का दूसरा गोल करते हुए टीम को 2-1 से महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। यहां से इंग्लैंड पर काफी दबाव आ गया और उसने स्कोर की बराबरी करने में अपनी पूरी ताकत लगा दी। एक समय पर मैच भारत के पक्ष में जाता लग रहा था, लेकिन क्लाउडिया स्वैन ने 58वें मिनट में फील्ड गोल दाग कर इंग्लैंड की वापसी कराई।

रोहित को बल्ले से करना होगा प्रहार

एजेंसी

पुणे। पांच बार चैंपियन रह चुकी मुंबई इंडियंस इस साल आईपीएल में लगातार चार मैच हार चुकी है। मुम्बई का बुधवार को यहां पंजाब किंग्स के साथ मुकाबला होना है। मुम्बई को यदि इस मुकाबले में वापसी करनी है तो उसके कप्तान रोहित शर्मा को अपना असली रूप दिखाना होगा।

चार मैचों में मिली चार हार के बाद मुंबई इंडियंस और उनके कप्तान रोहित शर्मा काफ़ी दबाव में हैं। रोहित शर्मा ने इस सीज़न में 41(32) और 26(15) जैसी कुछ अच्छी पारियां खेली हैं, लेकिन अब वह एक बड़ी पारी खेल सकते हैं।

पुणे में अपने पिछले पांच आईपीएल मैचों में, उन्होंने 57.67 की औसत और 136.22 की स्ट्राइक रेट से 173 रन बनाए हैं। लेकिन उनकी टीम को यहां उनसे एक बहुत बड़ी पारी की दरकार है। मुम्बई टीम में यदि कोई खिलाड़ी चल पा रहा है तो वह सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्यकुमार यादव ने 68*(37) और 52(36) की बढ़िया पारियों के साथ की इस सीज़न में एक सकारात्मक शुरुआत की है। हालांकि वह अतीत में पंजाब के ख़िलाफ़ कुछ ख़ास नहीं कर पाए हैं। पंजाब के ख़िलाफ़ उनका औसत 20.08 है। आईपीएल में किसी भी टीम के ख़िलाफ़ यह उनका सबसे ख़राब औसत है लेकिन मुम्बई उम्मीद करेगी कि सूर्य का बल्ला चले और खूब चले।

अपने पूर्व टीम मुंबई के ख़िलाफ़ खेलते हुए, राहुल चाहर प्रभाव डालने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इस सीज़न में खेले गए सभी चार मैचों में बहुत शानदार प्रदर्शन किया है। वह सात विकेट लेकर पंजाब के सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और उन्होंने बल्ले से 12 और 22* रन का भी योगदान दिया है।

विश्व के अन्य शीर्ष लीगों में अपनी क्लास दिखाने के बाद आख़िरकार इंग्लैंड के प्रतिभाशाली खिलाड़ी लियम लिविंगस्टन आईपीएल में भी अपना जलवा बिखेर रहे हैं। वह इस सीज़न में पंजाब किंग्स के लिए 190.58 की चौंका देने वाली स्ट्राइक रेट से चार पारियों में 162 रन के साथ सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने सीएसके के ख़िलाफ़ खेले गए मैच में विकेट भी लिए थे।

तिलक वर्मा ने इस आईपीएल सीज़न में सबसे ज़्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने अपनी चार पारियों में कुल 121 रन बनाए हैं। वह हालिया खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी में सबसे ज़्यादा रन (215) बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 147.26 का था।

विदर्भ के विकेटकीपर बल्लेबाज़ जितेश शर्मा ने अपनी विकेट कीपिंग और बल्लेबाज़ी से सबको प्रभावित किया है। उन्होंने अपनी दो पारियों में 26 (17) और 23 (11) का स्कोर बनाया है। साथ ही उन्होंने दो कैच भी पकड़े हैं। हालिया खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी में उन्होंने सात मैचों में 253.16 के स्ट्राइक रेट से 214 रन बनाया था।

पाकिस्तान को आर्थिक बदहाली से निकालने के लिए शहबाज शरीफ ने लिया बड़ा फैसला

एजेंसी

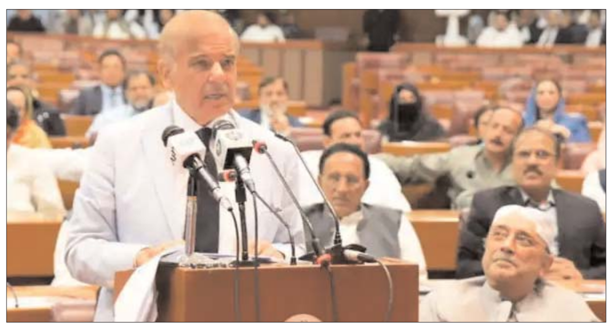

इस्मालाबाद। पाकिस्तान के नए बने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सत्ता संभालने के पहले ही दिन बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने पाकिस्तान के सभी सरकारी कर्मचारियों के दो दिन के साप्ताहिक अवकाश के नियम को समाप्त कर दिया है। देश में सरकारी कर्मचारियों को अब एक ही दिन अवकाश मिलेगा। इसके अलावा ऑफिस टाइमिंग भी अब सुबह 10 बजे की बजाय 8 बजे से शुरू होगी। पाकिस्तान के सरकारी सूत्रों का कहना है कि उनका यह फैसला आर्थिक संकट से घिरे देश को बाहर निकालने का एक प्रयास है। शहबाज शरीफ सुबह 8 बजे पीएम ऑफिस पहुंच गए, जबकि कर्मचारी 10 बजे ही पहुंचते रहे हैं।

शहबाज शरीफ के 8 बजे ही पीएम ऑफिस पहुंचने से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। इसके साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि अब से सभी कर्मचारियों के लिए यही टाइमिंग रहेगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अब सिर्फ रविवार को ही एक साप्ताहिक अवकाश रहेगा। रेडियो पाकिस्तान ने कहा, हम जनता की सेवा करने के लिए आए हैं और ऐसे में एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना है। हालांकि शहबाज शरीफ ने इस मौके पर कर्मचारियों को कुछ राहतें भी दी हैं। उन्होंने कर्मचारियों के लिए पेंशन में इजाफा करने और न्यूनतम वेतन 25,000 रुपये किए जाने का ऐलान किया।

इसके अलावा शहबाज शरीफ ने पीएम बनने के पहले ही दिन आर्थिक जानकारों की मीटिंग बुलाई। इस दौरान उन्होंने देश के सामने मौजूद आर्थिक संकट से निपटने के उपायों को लेकर सुझाव मांगे। इस बीच शहबाज शरीफ की कैबिनेट को लेकर भी चर्चा चल रही है। अब तक इस संबंध में कोई ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन पाक मीडिया का कहना है कि बिलावल भुट्टो जरदारी को विदेश मंत्री बनाया जा सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के नेता राणा सनुल्लाह को गृह मंत्री और मरियम नवाज को सूचना एवं प्रसारण मंत्री बनाया जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक आज शाम तक शहबाज शरीफ कैबिनेट के नाम तय हो सकते हैं। इमरान खान की जगह पर पीएम बनने वाले शहबाज शरीफ को कुशल प्रशासक के तौर पर पाकिस्तान में ख्याति प्राप्त है।

वह पंजाब के सबसे लंबे वक्त तक सीएम रहे हैं। उनके बड़े भाई नवाज शरीफ तीन बार पाकिस्तान के पीएम रह चुके हैं। कहा जा रहा है कि ईद के बाद वह स्वदेश लौट सकते हैं।

तेलंगाना, थाइलैंड ने व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर किए हस्ताक्षर

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग और थाइलैंड के वाणिज्य मंत्रालय के बीच पारस्परिक निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। समझौता ज्ञापन पर तेलंगाना के उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रधान सचिव जयेश रंजन और थाईलैंड के वाणिज्य मंत्रालय के स्थायी सचिव बून्यारित कलायनमित ने हस्ताक्षर किए। इस समारोह में तेलंगाना के उद्योग मंत्री के टी रामा राव, थाईलैंड के उप प्रधान मंत्री और वाणिज्य मंत्री श्री जुरिन लक्सानाविसिट वर्चुअली शामिल हुए। उद्योग विभाग ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा यह समझौता ज्ञापन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तेलंगाना स्टेट ग्लोबललिंकर के साथ थाईलैंड के बिजनेस इनक्यूबेटर और इनोवेशन इकोसिस्टम 'टी-हब' और 'थाईट्रेड डॉट कॉम' के माध्यम से एसएमई और स्टार्टअप्स में सहयोग शुरू करना है।

ईरान और तालिबान के बीच बढ़ी खटास, तेहरान ने बंद किए सभी कांसुलर सर्विस

दुबई। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद काबुल के पाकिस्तान और ईरान के संबंध खराब होते जा रहे हैं। ताजा अपडेट ये है कि ईरान ने तेहरान में अफगानिस्तान के राजदूत को बुलाकार खरी-खोटी सुनाई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने ईरानी सरकारी टीवी के हवाले से बताया है कि अफगानिस्तान में प्रदर्शनकारियों द्वारा काबुल और हेरात में ईरानी राजनयिक मिशनों पर पत्थर फेंके जाने के एक दिन बाद ईरान अफगानिस्तान में सभी कांसुलर सेवाओं को रोक रहा है।

ईरान में अफगान लोगों को अपमानित किया गया?

ईरान में अफगानिस्तान के शरणार्थियों द्वारा आम ईरानी लोगों द्वारा परेशान और अपमानित करने के बाद अफगानिस्तान में ईरान के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन हुआ है। इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे हैं लेकिन हिन्दुस्तान उन वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। हालंकि ईरानी अधिकारियों ने इस बात से इनकार किया है कि अफगान शरणार्थियों के साथ दुर्व्यवहार हुआ है।

ईरान ने अगली सूचना तक बंद की सभी कांसुलर सेवा

ईरान के विदेश मंत्रालय ने बताया है कि तालिबान तेहरान के राजनयिकों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। विदेश मंत्रालय ने अगली सूचना तक अफगानिस्तान में अपने सभी कांसुलर सेवाओं को रोकने की घोषणा की है।

ईरान में रह रहे पांच लाख से अधिक अफगान

हालांकि आम तौर पर ईरान और अफगानिस्तान के बीच संबंध ठीक रहे हैं लेकिन दोनों देशों के बीच 900 किलोमीटर के बॉर्डर पर लंबे वक्त से तनाव है। अफगानिस्तान से तस्करी को लेकर ईरान बेहद अलर्ट रहता है। हाल ही में ईरान के विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियन ने बताया था कि ईरान में पांच लाख से अधिक अफगान नागरिक बिना डॉक्यूमेंट्स और डॉक्यूमेंट्स के साथ रहते हैं।

अफगानिस्तान को मिला 3.2 करोड़ डॉलर की मानवीय सहायता

काबुल। अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक, दा अफगानिस्तान बैंक ने मंगलवार को कहा कि देश में 3.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मानवीय सहायता (नकदी) पहुंची। बैंक ने अपने बयान में कहा, यह मानवीय सहायता के रूप में 24वां नकद पैकेज है, जो अफगानिस्तान को मंगलवार को मिला। यह रुपया अफगानिस्तान इंटरनेशनल बैंक (एआईबी) को हस्तांतरित किया गया। इससे पहले बैंक को सोमवार और रविवार को भी क्रमश: 3.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए, जिसे एआईबी बैंक में जमा कराई गयी। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के रूप में नकद, अनाज और कपड़ा भेज रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देश की 3.5 करोड़ की आबादी में से 2.2 करोड़ से अधिक आबादी को भोजन (खाना) की दिक्कत हो रही है।

पीओके के प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दायर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के एक सदस्य ने असंतुष्ट होकर मंगलवार को अपनी ही पार्टी के सदस्य व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के प्रधानमंत्री अब्दुल कय्यूम खान नियाज़ी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दायर किया। यह अविश्वास प्रस्ताव एजेके के अंतरिम संविधान के अनुच्छेद 18 के तहत दायर किया गया, जिसपर विधानसभा के 25 सदस्यों ने हस्ताक्षर किया है। रिपोर्ट के अनुसार, सरदार तनवीर इलियास को सदन का नया नेता चुना गया है। गौरतलब है कि यह कदम पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को नौ अप्रैल को पद से हटाए जाने के ठीक बाद आया है। श्री नियाजी (61) को पिछले साल 25 जुलाई को पुंछ जिले से विधानसभा के सदस्य के रूप में चुना गया था, जो भारत के साथ नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थित है। नियाजी के चुने जाने के बाद पार्टी के कई शीर्ष नेताओं और प्रतिष्ठित पद के लिए मजबूत उम्मीदवारों खासकर पीटीआई कश्मीर के अध्यक्ष और पूर्व प्रीमियर बैरिस्टर सुल्तान महमूद चौधरी और अरबपति सरदार तनवीर इलियास को चौंका दिया।

श्रीलंका ने विदेशी कर्ज के भुगतान पर लगाई रोक

कोलंबो। श्रीलंका के वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने सभी ऋणों की अदायगी पर अंतरिम अवधि के लिए रोक लगाने का फैसला किया है। एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि कर्ज का भुगतान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा समर्थित एक आर्थिक समायोजन कार्यक्रम के अनुरूप दोबारा शुरू जाएगा, जो सभी ऋणों के भुगतान पर लागू होगा। हालांकि, इसने कहा कि क्रेडिट सुविधाएं और मौजूदा क्रेडिट सुविधाओं के तहत वितरित कोई भी राशि इस नीति के अधीन नहीं है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण एशियाई राष्ट्र को कर्ज देने वाली विदेशी सरकारों सहित लेनदार मंगलवार दोपहर से अपने किसी भी ब्याज भुगतान करने या श्रीलंकाई रुपये में भुगतान का विकल्प चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका वर्तमान में एक गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश में विदेशी मुद्रा, ईंधन और अन्य आवश्यक आपूर्ति की भारी कमी है।

'दो तिहाई यूक्रेनी बच्चे छोड़ चुके हैं घर'

कीव। यूक्रेन के अभियोजक पक्ष के कार्यालय ने दावा किया कि देश में रूसी हमले में अभी तक कम से कम 186 बच्चों की जान गई है और करीब 344 बच्चे घायल हुए हैं। यूनिसेफ ने कहा कि यूक्रेन में रूसी कार्रवाई शुरू होने के बाद से अभी तक कुल बच्चों में से करीब दो तिहाई (करीब 48 लाख) अपने घरों को छोड़ चुके हैं। बीबीसी ने मंगलवार को सरकारी कार्यालय के हवाले से कहा कि डोनेट्स्क के पूर्वी क्षेत्र में सबसे अधिक हताहत हुए हैं, वहां 113 मौतें दर्ज की गयीं। बीबीसी के अनुसार, यूक्रेन ने कहा कि गोलाबारी में करीब 938 शैक्षणिक संस्थानों तबाह हो चुका है, जबकि 87 संस्थानें पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन में 24 फरवरी को रूस ने सैन्य कार्रवाई शुरू किया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं, ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11, ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

प्रियंका ने नानी की जयंती पर पोस्ट की भावनात्मक नोट

लॉस एंजलिस। बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी महिलाओं की तस्वीरें साझा की जिनकी उनकी जिंदगी में अहम भूमिका रही है। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी नानी मां की जयंती पर उनकी एक पुरानी तस्वीर के साथ एक नोट भी साझा किया और नानी की पुरानी तस्वीरों को भी पोस्ट किया। प्रियंका ने पोस्ट में लिखा, हम सभी छह, नानी का जन्मदिन मना रहे हैं। जब मेरे माता-पिता अपने करियर में व्यस्त थे, तब उन्होंने मुझे पाल-पोसकर बड़ा किया। वह मेरी परवरिश की एक अभिन्न हिस्सा रही हैं। हाल ही में प्रियंका एक बच्ची की मां बनी है। उन्होंने लिखा, ''मैं अपने आप को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं की मेरे जीवन में कई सारी सशक्त महिलाएं आयी हैं, मैं सभी की बहुत आभारी हूं। नानी आप हमेशा याद आती हो। प्रियम माथुर हमेशा की तरह प्यारे लग रहे हो! उन्होंने अपने कैप्शन में आगे लिखा, मैं पहली तस्वीर में इतनी शैतान क्यों लग रही हूं?

आदिपुरष में काम करने को लेकर उत्साहित है सोनल चौहान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनल चौहान फिल्म आदिपुरष में काम करने को लेकर उत्साहित है। बॉलीवुड निर्देशक ओम राउत इन दिनों फिल्म आदिपुरूष बना रहे हैं। इस फिल्म में प्रभास, सैफ अली खान और कृति सैनन की अहम भूमिका है। इस माइथोलॉजिक फिल्म में सोनल चौहान की भी इंट्री हो गयी है। यह फिल्म एक बार फिर रामायणा की कहानी को लोगों के समक्ष पेश करेगा। सोनल चौहान ने कहा, में बेहद उत्साहित हूं कि मैं फिल्म आदिपुरूष का हिस्सा हूं। मैंने अब तक जितनी भी फिल्में की हैं यह फिल्म उससे बहुत ही अलग है।

जबरदस्त एक्शन से दुश्मनों को खत्म करती दिखीं 'धाकड़' कंगना रनौत

नई दिल्ली। कंगना रनौत की मोस्ट अवेटेड फिल्म धाकड़ का टीजर रिलीज हो गया है। काफी समय से इस फिल्म को लेकर बज था और अब फाइनली फैंस को फिल्म और कंगना की झलक देखने को मिलेगी। ट्रेलर की शुरुआत होती है कंगना से जिसमें उनका बोल्ड लुक नजर आ रहा है। वह बिकिनी पहने ड्रिंक करती दिख रही हैं। इसके बाद वह बाथटब में नजर आती हैं। फिर एक ऑर्डर आता है कंगना को एक्शन में वापस आने के लिए। इसके बाद कंगना जबरदस्त एक्शन करती दिख रही हैं। साथ ही फिल्म में कंगना के अलग-अलग लुक्स भी नजर आ रहे हैं जिससे लग रहा है कि वह फिल्म में स्पाई का रोल कर रही हैं।

टीजर में कंगना एक डायलॉग भी बोलती हैं कि जिस्म से रूह अलग करना बिजनेस है मेरा। कंगना का जबरदस्त एक्शन अवतार आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। ट्रेलर शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, एक्शन, स्टाइल थ्रिल, सब एक में। एजेंट अग्नी आ गई हैं। यहां देखें टीजर।

टीजर में कहीं-कहीं विलेन की झलक भी दिख रही है, लेकिन उसका चेहरा नहीं दिखाया गया है। हालांकि झलक देखकर लग रहा है कि हो सकता है ये विलेन अर्जुन रामपाल हों। टीजर तो मजेदार है और अब फैंस ट्रेलर की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि टीजर के बीच में एक मैसेज भी लिखा आता है कि व्हाइ शुड बॉय्स हैव ऑल द फन यानी कि सिर्फ लड़के ही क्यों मजे करें।

रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में कंगना के 7 अलग-अलग लुक्स होंगे। कंगना ने खुद कई स्टंट्स फिल्म में रिए हैं। कंगना ने धाकड़ के लिए बहुत मेहनत की है। उन्होंने खुद बताया था कि एक सिंगल एक्शन सीक्वेंस के लिए 25 करोड़ रुपये तक खर्च हुए हैं। कंगना का ये भी कहना है कि ये फिल्म इंटरनेशनल फिल्मों के एक्शन को मैच करती है।

फिल्म की बात करें तो इसे रजनीश रैजी घई ने डायरेक्ट किया हैर दीपक मुकुट और सोहेल मकलाई ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में कंगना के अलावा अर्जुन रामपाल और दिव्या दत्ता भी अहम किरदार में हैं।

धनुष के साथ नाने वरुवेण में नजर आयेंगी एली अबराम

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री एली अबराम दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष के साथ फिल्म नाने वरुवेण में नजर आयेंगी। एली अबराम ने धनुष के साथ दक्षिण भारतीय फिल्म नाने वरुवेण में काम किया है।एली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी टीम के साथ तस्वीर शेयर की है। एली अवराम ने कहा, मैं दर्शकों के समक्ष यह खबर शेयर करके बेहद उत्साहित हूं। धनुष के साथ काम करने का अनुभव बहुत ही शानदार रहा। फिल्म नाने वरुवेण मेरे दिल के बेहद करीब है। सिल्वराघवन सर बहुत ही बेहतरीन निर्देशक हैं जिन्होंने इस फिल्म में जान डाल दी है। इस फिल्म से जुड़ी सारी टीम बहुत ही शानदार और फ्रोफेशनल हैं। मैं बहुत ही खुशनसीब हूं कि मैं इस अद्भुत फिल्म का हिस्सा हूं। मैं अपने फैंस से इस फिल्म से जुड़ी जानकारी शेयर करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान श्रीलंकाई रैपर की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के हिपहॉप रैपर शिराज उर्फ रूड ब्वॉय का सोमवार को राजधानी कोलंबो में आर्थिक एवं वित्तीय संकट को लेकर हो रहे सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। शिराज की मौत राष्ट्रपति गोतबया राजपक्षे और उनकी सरकार के खिलाफ गॉल फेस ग्रीन में गो होम गोटा सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के दौरान हुई। न्यूजवायर की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने सोमवार को प्रदर्शनकारियों का मनोरंजन करने के लिए बॉब मार्ले के गेट अप, स्टैंड अप गीत गाया और गाना खत्म होने के करीब दो मिनट बाद वह अचानक गिर गए। रिपोर्टों के मुताबिक अस्पताल ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया। गौरतलब है कि इन दिनों श्रीलंका वर्तमान में अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है। इस कारण लोग सड़कों पर उतर कर सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक राजधानी में भारी बारिश के बावजूद लोग लगातार चौथे दिन प्रदर्शन कर रहे हैं।

विजय थलपथी की फिल्म को मिली 4 स्टार रेटिंग, केजीएफ 2 को मिलेगी कड़ी टक्कर

एजेंसी

नई दिल्ली। विजय थलपथी स्टारर फिल्म बीस्ट 13 अप्रैल को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। ट्रेलर बहुत धमाकेदार था लेकिन बीस्ट के ठीक एक दिन बाद सिनेमाघरों में कदम रखने जा रही है यश की फिल्म K.G.F: Chapter 2, अब सवाल ये है कि दर्शक किस फिल्म को देखने जाएं।

इस सवाल का जवाब सोचना आसान हो जाता है फिल्म का रिव्यू जानने के बाद, और विजय स्टारर फिल्म बीस्ट का रिव्यू आ गया है।

विजय की 'बीस्ट' को मिली 4 स्टार रेटिंग

फिल्म क्रिटिक उमेर संधू ने यूएई में इस फिल्म को देखने के बाद इसका रिव्यू किया है और अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म का रिव्यू शेयर किया है।

उमेर संधू ने विजय थलपथी की जमकर तारीफ की है और वह इस फिल्म से इतने ज्यादा प्रभावित नजर आए कि उन्होंने 150 करोड़ के बजट से बनी इस फिल्म को 4 स्टार रेटिंग भी दे डाली है। तो चलिए जानते हैं इस फिल्म पर उमेर का क्या कहना है।

'बीस्ट' और यश की केजीएफ में है टक्कर

फिल्म के रिव्यू में उमेर ने दावा किया, विजय बहुत डैशिंग लगे हैं और उनकी परफॉर्मेंस आउटस्टैंडिंग है।

हर फ्रेम में उन्होंने कमाल कर दिया है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले बहुत इंगेजिंग है।

डायलॉग्स तालियों के लायक हैं। नेलसन का निर्देशन सामान्य है लेकिन उन्होंने दिखा दिया है कि वह इस स्तर की फिल्म को भी हैंडल कर सकते हैं। उन्होंने कहानी के कथानक में बिंदुओं को बहुत सफाई से जोड़ा है।

ब्लॉकबस्टर हिट रहेगी विजय की बीस्ट

अपने रिव्यू में उमेर ने कहा, कुल मिलाकर कहूं तो बीस्ट एक पैसा वसूल एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जिसमें स्टाइल के साथ-साथ पर्याप्त ट्विस्ट और टर्न हैं जो दर्शकों को इंगेज किए रखते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर एक्सटेंडेड वीकेंड, गजब का एक्शन, खूबसूरत लोकल सीन और स्टाइलिश एग्जीक्यूशन इस फिल्म के लिए बेहिसाब ऑडियंस को सिनेमाघरों तक खींच लाने में कामयाब रहेगी।

पॉपस्टार ब्रिटनी स्पीयर्स के घर फिर गूजेंगी किलकारी

लॉस एंजिल्स। दुनिया भर में मशहूर कैलिफोर्निया की पॉपस्टार ब्रिटनी स्पीयर्स तीसरी बार मां बनने वाली हैं। ब्रिटनी ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह अपने मंगेतर सैम असगरी के पहले बच्चे की मां बनने वाली हैं। ब्रिटनी ने कहा, मैं तीसरे बच्चे की मां बनने वाली हूं इसके लिए मैं प्रभु यीशु को धन्यवाद देती हूं। उनके आशीर्वाद से मुझे दर्द सहने की ताकत मिलेगी और मैंने खुद को खुश, स्वस्थ रखने के लिए योग शुरु कर दिया है। सैम ने शेर परिवार की एक मनमोहक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा , मुझे गर्व है कि मैं पिता बनने वाला हूं जिसका मुझे इंतजार था। मैं पिता के रिश्ते को हल्के में नहीं लेता बल्कि शादी और बच्चे प्यार, सम्मान भरा रिश्ता है जिनसे हमारे घर

का हर एक कोना रौशन होता है और चारों तरफ किलकारियां गूंजती हैं, जो सन्नाटे को खत्म करने में कायम हैं। उन्होंने पोस्ट का कैप्शन दिया शादी और बच्चे प्यार और सम्मान से भरे एक मजबूत रिश्ते का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं। पितृत्व एक ऐसी चीज है जिसका मैंने हमेशा इंतजार किया है और मैं इसे हल्के में नहीं लेता।

गर्मी में क्या आपको भी होती है बाल झड़ने की समस्या? छुटकारा पाने के लिए इस्तेमाल करें ये तेल

एकता

अगर आपको भी गर्मी के मौसम में बाल झड़ने की समस्या होती हैं तो हमारा आज का यह आर्टिकल आपके लिए है। आज के अपने इस आर्टिकल में हम कुछ तेलों के बारें में बताएँगे जो आपके बालों को चिपचिपा बनाये बिना मजबूत बनाएंगे और इससे आपके बालों का झड़ना बंद हो जायेगा।

गर्मी के मौसम में चिलचिलाती धूप, धूल और पसीने की वजह से बाल बेजान, रूखे और झड़ने लगते हैं। गर्मी में बालों से जुड़ी कई अन्य समस्याएं भी होने लगती हैं। इस मौसम में इतना पसीना आता है कि ज्यादातर लोग बालों में तेल लगाने से परहेज करने लगते हैं और फिर उनके बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। अगर आपको भी गर्मी के मौसम में बाल झड़ने की समस्या होती हैं तो हमारा आज का यह आर्टिकल आपके लिए है। आज के अपने इस आर्टिकल में हम कुछ तेलों के बारें में बताएँगे जो आपके बालों को चिपचिपा बनाये बिना मजबूत बनाएंगे और इससे आपके बालों का झड़ना बंद हो जायेगा साथ ही अन्य बालों की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा।

बादाम का तेल

अगर आप भी झड़ते बालों से परेशान हैं तो इस गर्मी के मौसम में बादाम के तेल का इस्तेमाल करें। बादाम के तेल में विटामिन ई की अच्छी मात्रा पायी जाती है। यह बाकी तेल के मुकाबले लाइट होता है और आप रोजाना इससे अपने सिर में मालिश कर सकते हैं। इसके नियमित इस्तेमाल से बालों को मजबूती मिलती है और बालों का झड़ना बंद हो जाता है।

एवोकाडो में विटामिन ए, बी, डी, ई, आयरन, अमिनो एसिड्स, फोलिक एसिड्स जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो बालों की जड़ों के लिए काफी जरुरी हैं। इसलिए अगर आपको बालों से जुड़ी कोई भी समस्या हो रही है तो एवोकाडो के तेल का इस्तेमाल करें। यह रूखे, बेजान और खराब बालों को ठीक करने में मदद करता है। इसके अलावा एवोकाडो का तेल धूप से बालों को बचाता भी है।

ऑलिव का तेल

ऑलिव ऑयल भी बालों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। जिन लोगों के बाल हद से ज्यादा संवेदनशील होते हैं वह बिना डरे इस तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऑलिव ऑयल संवेदनशील बालों को पोषण प्रदान करता है और इससे बालों को कोई नुकसान भी नहीं होता है।

नारियल का तेल

नारियल तेल आसानी से मिल जाता है और लगभग हर प्रकार के बालों के लिए अच्छा रहता है। ज्यादातर लोग इस तेल का इस्तेमाल करते हैं और यह बालों की लगभग हर समस्या का इलाज है। नारियल तेल से सिर में मालिश करने से बालों के विकास में मदद मिलती है और डैंड्रफ से भी राहत मिलती है। इसके अलावा नारियल का तेल बालों को चमकदार बनायें रखने में भी मदद करता है।

जोजोबा का तेल

अगर आपके बाल हद से ज्यादा रूखे हैं तो आप जोजोबा के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। जोजोबा के तेल को बाल आसानी से सोख लेते हैं और इस तेल में किसी तरह की कोई महक भी नहीं होती है। इस तेल का इस्तेमाल करने से डैंड्रफ, रूखे और बेजान बालों को काफी फायदा मिलता है।

गर्मी में हो रहे हैं परेशान तो घर ले आएं पोर्टेबल एसी

विंध्यवासिनी सिंह

जी हां! पोर्टेबल एसी एक ऐसा विकल्प है जिसे इस्तेमाल करके आप गर्मी में खुद को राहत पहुंचा सकते हैं। सच बात तो यह है कि यह किसी भी कमरे में आसानी से फिट हो जाते हैं और इसे लगाने में किसी प्रकार का कोई झंझट भी नहीं होता है।

आज के जमाने में हर व्यक्ति चाहता है कि गर्मी में झुलसने की बजाय वह ऐसी का आनंद लें। ऐसी यानी एयर कंडीशनिंग सिस्टम और यह आपको गर्मी में सामान्य मौसम का एहसास कराता है। एसी की वजह से आप अपने घर में चैन की बंसी बजा सकते हैं। आजकल की गर्मियों में जहां टेंपरेचर 45 डिग्री सेल्सियस से आगे बढ़ते बढ़ते कब 48 पहुंचता है 50 पहुंचता है और कई जगहों पर तो उससे भी अधिक पहुंचता है।

कई बार समस्या ऐसी आती है कि लोगों के पास विंडोज या स्प्लिट एसी इंस्टॉल करने का मेथड नहीं होता है या उनके घर में जगह नहीं होती है। ऐसे में आपके पास विकल्प है पोर्टेबल एसी का।

जी हां! पोर्टेबल एसी एक ऐसा विकल्प है जिसे इस्तेमाल करके आप गर्मी में खुद को राहत पहुंचा सकते हैं। सच बात तो यह है कि यह किसी भी कमरे में आसानी से फिट हो जाते हैं और इसे लगाने में किसी प्रकार का कोई झंझट भी नहीं होता है।

इतना ही नहीं ऑफलाइन मार्केट के साथ-साथ ऑनलाइन मार्केट से भी आपको पोर्टेबल एसी ऑर्डर कर सकते हैं। जैसे आप किसी कूलर को यहां से वहां शिफ्ट करते हैं, वैसे ही ऑनलाइन पोर्टेबल एसी भी आप शिफ्ट कर सकते हैं।

यह खासकर किरायेदारों के लिए भी काफी काम का होता है, क्योंकि जब वह घर शिफ्ट करते हैं तो इधर-उधर एसी लगाने से वह बचना चाहते हैं। यह उन्हें काफी झंझट वाला काम लगता है। ऐसे में पोर्टेबल एसी लीजिए और अपना काम आसान बना लीजिये। आपको बता दें कि कई कंपनियों के पोर्टेबल एसी आपको 30000 की रेंज में मिल जाएंगे, जैसे कि ब्लू स्टार के 1 टन पोर्टेबल एसी की बात करें तो रु 29999 के आसपास मुख्य ई-कॉमर्स वेबसाइट पर आपको मिल जाएगा।

पोर्टेबल एसी का मतलब कोई काम चलाऊ ऐसी नहीं है, वास्तव में इसमें एंटी बैक्टीरियल सिल्वर कोटिंग इत्यादि इस्तेमाल की गए होते हैं और दूसरे अन्य्र्ष्ट की तरह इन्हें रिमोट के माध्यम से आप कंट्रोल भी कर सकते हैं। अब सवाल उठता है कि पोर्टेबल एसी काम कैसे करता है, तो आपको बता दें कि सामान्य रूप से पूरे कमरे की गर्म हवा को पोर्टेबल एसी ठंडा करता है। इसकी जो यूनिट होती है वह की खिड़की से जुड़ी एक ट्यूब के माध्यम से गर्म हवा बाहर निकाल देती है।

इसे यूनिट से कमरे की नमी के लेवल को बनाए रखने में मदद मिलती है। पोर्टेबल एयर कंडीशनर खिड़की यूनिट के लिए एक एक्स्ट्रा ऑप्शन है। हालांकि इसे सेट करना बेहद आसान है और बेहद कॉम्पैक्ट भी। तो अगर आपको भी बार-बार घर बदलना पड़ता है तो पोर्टेबल एयर कंडीशनर जरूर ट्राई करें।

दृष्टिबाधितों को सशक्त कर रहा है 'दिव्य नयन'

इंडिया साइंस वायर

कॉन्टैक्ट स्कैनिंग के आधार पर यह मशीन एक से अधिक कॉलम वाले दस्तावेजों का विश्लेषण कर सकती है, और इससे बिना किसी रुकावट आसानी से पुस्तक अथवा किसी अन्य मुद्रित दस्तावेज को वॉयस के रूप में सुना जा सकता है।

दिव्यांगों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्नत प्रौद्योगिकी से लैस उपकरणों का विकास इन प्रयासों में प्रमुखता से शामिल है। इसी तरह की एक पहल के अंतर्गत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा पर्सनल रीडिंग मशीन 'दिव्य नयन' विकसित की गई है, जिसकी मदद से किसी भी मुद्रित अथवा डिजिटल दस्तावेज को स्पीच आउटपुट के रूप में प्राप्त किया जा सकता है। 'दिव्य नयन' की सहायता से दृष्टिबाधित अथवा निरक्षर लोग मुद्रित एवं डिजिटल दस्तावेज को वॉयस आउटपुट के रूप में सुन सकते हैं।

सीएसआईआर की चंडीगढ़ स्थित प्रयोगशाला केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईओ) के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित यह यंत्र जरूरतमंदों के उपयोग के लिए उपलब्ध करा दिया गया है। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी; राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पृथ्वी विज्ञान; राज्य मंत्री प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष, डॉ जितेंद्र सिंह द्वारा राज्यसभा में यह जानकारी प्रदान की गई है।

डॉ सिंह ने बताया कि विनिर्माण एवं विपणन के लिए औद्योगिक भागीदार सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल), साहिबाबाद को इस यंत्र की प्रौद्योगिकी हस्तांतरित की गई है। सीईएल द्वारा पहले 100 'दिव्य नयन' यंत्रों का विनिर्माण एवं आपूर्ति सीएसआईआर-सीएसआईओ के लिए की गई है। 'दिव्य नयन' का बिक्री मूल्य लगभग 24 हजार रुपये है।

कॉन्टैक्ट स्कैनिंग के आधार पर यह मशीन एक से अधिक कॉलम वाले दस्तावेजों का विश्लेषण कर सकती है, और इससे बिना किसी रुकावट आसानी से पुस्तक अथवा किसी अन्य मुद्रित दस्तावेज को वॉयस के रूप में सुना जा सकता है। जिस दस्तावेज को पढ़ा जाना है, उसके ऊपर इस यंत्र को रखकर मैनुअली उस दस्तावेज को स्कैन किया जा सकता है। यह पठन यंत्र (ऋड्डुस्त्रद्बठ्ठद्द ष्ठद्ग1द्बष्द्ग), इमेज को टेक्स्ट में परिवर्तित करने लिए भाषा आधारित ऑप्टिकल कैरेक्टर रेकग्निशन तकनीक का उपयोग करता है। इस प्रकार, टेक्स्ट से स्पीच कन्वर्टर टेक्स्ट को ऑडियो में परिवर्तित करता है।

ऑडियो फाइलों को इस मशीन में स्टोर किया जा सकता है, और दोबारा सुना जा सकता है। यह यंत्र उपयोग में सरल है, और इसे हाथ में आसानी से पकड़ा जा सकता है। यह एक स्टैंड-अलोन पोर्टेबल यंत्र है, जो पूर्णत: वायरलेस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) समर्थित है। 'दिव्य नयन' एक बहुभाषी यंत्र है, जो वर्तमान में हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और पंजाबी में उपलब्ध है। इसके साथ ही, यह यंत्र अन्य भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के लिए भी अनुकूल है। इसमें यूएसबी, ब्लूटुथ, वाईफाई, लैन, हेडफोन जैसे इंटरफेस शामिल हैं। रिजार्जेबल लीथियम आयन बैटरी से युक्त यह यंत्र 32 जीबी इंटरनल मेमोरी से लैस है।

सीएसआईआर द्वारा आम लोगों के उपयोग के लिए विकसित अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों में मायोइलेक्ट्रिक हैंड, इलेक्ट्रिक घुटना और पावर्ड व्हीलचेयर के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल मॉड्यूल शामिल हैं। ऐसे व्यक्ति, जिनका कोहनी से नीचे बाजू कटा हुआ है, उनके लिए मायोइलेक्ट्रिक हैंड उपयोगी है। इसी तरह घुटने से नीचे अपनी टाँग गंवा चुके लोगों के लिए इलेक्ट्रॉनिक घुटना उपयोगी हो सकता है।